दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 255/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10   संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल   ▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 3 मई 2023   भोपाल से प्रकाशित   dainiksandhyaprakash.in

4 महीने के हाई पर बेरोजगारी दर: अप्रैल में ये बढ़कर 8.11% पर पहुंची, शहरों में गांवों से ज्यादा हालत खराब

सांध्यप्रकाश विशेष

देश के दो ऐसे गाँव जहाँ संस्कृत में बात करते है हर धर्म के लोग, जानें इसके पीछे की दिलचस्प कहानी

संस्कृत भाषण को देश की सबसे प्राचीन भाषा के साथ देवताओं तथा ऋषियों-मुनियों की भाषा भी बोला जाता है। हालांकि बदलते दौर के साथ ये भाषा जैसे धीरे-धीरे लुप्त होती चली जा रही है। लेकिन क्या आप जानते है भारत में दो ऐसे गाँव मौजूद है जहाँ आज भी इस भाषा का बोलबाला है। यहाँ बच्चे-बुजुर्ग से लेकर हर धर्म के लोग संस्कृत में बातचीत करते है।

आप सोच रहे होंगे कि ये दोनों गाँव कहाँ है तथा किस राज्य में है ? ये बात जानकर तो आपको और ज्यादा हैरानी होगी कि ये गांव दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य में स्थित है। कर्नाटक राज्य के शिवामोगा जिले का एक छोटा सा गाँव मत्तूर है, जहाँ की मातृभाषा कन्नड़ है, फिर भी यहाँ के लोग आपस में संवाद करने के लिए संस्कृत भाषा का प्रयोग करते है। यह गाँव कर्नाटक से 300 किमी दूर तुंग नदी के किनारे बसा है, जहाँ की कुल आवादी (2011 की मतगणना के अनुसार) 3000 है।

मत्तूरु गांव के बच्चों को 10 साल पूरा हो जाने के बाद वेदों का शिक्षण दिया जाता है और सभी बच्चे यहाँ पर संस्कृत में बोलते है। एक दिलचस्प बात यह है कि मत्तूर गांव के घरों की दीवारों पर संस्कृत ग्रैफीटी पाई जाती है। दीवारों पर प्राचीन स्लोगन्स पेंट किए गए। दरअसल, आज से 44 साल पहले यानी वर्ष 1981 में संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए गठित संस्था संस्कृति भारती ने मत्तूर में 10 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया था। इसमें पड़ोसी उडुपी में पेजावर मठ के संत सहित कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। जब संत ने संस्कृत को संरक्षित करने के लिए मत्तूर में गांव वालों के उत्साह को देखा, तो उन्होंने तुरंत संस्कृत भाषा को अपनाने की गुजारिश की, जिसे स्थानीय लोगों ने दिल से स्वीकार कर लिया। जिसके बाद से ही इस गाँव के सभी लोग संस्कृत में बातचीत करते है। मध्य प्रदेश में भी एक ऐसा गांव है, जहां के रहने वाले लोग संस्कृत बोलते हैं। यह है मध्यप्रदेश का राजगढ़। जिला मुख्यालय से करीब 45 किमी दूर झिरी गांव ने देश में अपनी अलग पहचान बनाई है। इस गांव में रहने वाला हर शख्स संस्कृत में ही बात करता है। इतना ही नहीं यहाँ रहने वाले नागरिकों ने संस्कृत को अपनी जीवन शैली में ढाल लिया है। वहीं सिर्फ 1000 लोगों की आबादी वाले झिरी गांव में महिलाएं, किसान, मजदूर यहां तक के छोटे बच्चे भी संस्कृत में बात करते हैं। इसकी शुरुआत सामाजिक कार्यकर्ता विमला तिवारी ने 2002 से की थी। जिसके बाद से ही यहाँ के लोगों ने संस्कृत भाषा को सहर्ष स्वीकार किया।

राजनीति में एंट्री लेने वाली है सियासी घरानों की तीन महिलाएं

पटना। बिहार में इन दिनों इस बात को लेकर बहुत चर्चा हो रही है कि अब सियासी घरानों की तीन महिलाएं राजनीति में एंट्री लेने वाली है। हालांकि ये वे महिलाएं ही हैं जिनके पति पहले से ही राजनीति में सक्रिय हैं।

बिहार की राजनीति में महिलाओं की एंट्री कोई नई बात नहीं है। हालांकि राजनीति में आने वाली महिलाएं अधिकतर उन्हीं घरों की होती हैं, जिनके पति या कोई अन्य परिवारी जन राजनीति में पहले से रहे हों। आनंद मोहन सांसद बने तो उन्होंने अपनी पत्नी लवली आनंद को राजनीति में उतार दिया। अब तीन ऐसी महिलाओं के नाम चर्चा में हैं, जो राजनीति को अपनी रोजी-रोटी का साधन बनाने को बेताब हैं।

चिराग पासवान की मां रीना राजनीति में आएंगी- बिहार में जिन तीन महिलाओं के राजनीति में आने की चर्चा है, उनमें पहला नाम राम विलास पासवान की बेवा और लोजपा (आर) के अध्यक्ष चिराग पासवान की मां रीना पासवान का है। रीना पासवान जल्दी ही सियासी मंचों पर दिखाई देंगी। चिराग पासवान ने अपनी मां को इसके लिए राजी कर लिया है। राम विलास पासवान के रहते रीना को कभी राजनीति में ताक-झांक करने की जरूत ही नहीं पड़ी। वह एक कुशल गृहिणी की तरह घर संभालती रहीं। पति के निधन के बाद बेटे चिराग पासवान को वह अकेला नहीं छोड़ना चाहतीं। उन्हें तकलीफ इस बात की है कि राम विलास पासवान ने जीते जी अपने भाई-भतीजे को राजनीति में मुकाम तक तो पहुंचा दिया, लेकिन दोनों ने उनके बेटे की खाट खड़ी करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। लोजपा के 5 सांसदों के साथ रीना के देवर पशुपति पारस ने केंद्र में मंत्री पद हासिल कर लिया। मंत्री पद न मिलने से चिराग पासवान अपने पिता के वर्षों पुराने सरकारी बंगले को भी नहीं बचा सके थे। अब रीना पासवान ने राजनीति में उतरने का मन बना लिया है। ज्यादा संभावना यह है कि वह अपने पति की पारंपरिक सीट हाजीपुर से ही चुनाव लड़ेंगी।

कुशवाहा की पत्नी भी आएगी राजनीति में- नीतीश कुमार से झगड़ कर जेडीयू से अलग हुए उपेंद्र कुशवाहा ने अपनी अलग राजनीतिक पार्टी बना ली है। इस पार्टी के सम्मेलन में कुशवाहा ने अपनी पत्नी स्नेह लता को भी शामिल किया था। स्नेह लता ने पहली बार सियासी मंच से भाषण भी दिया। माना जा रहा है कि कुशवाहा की पत्नी भी राजनीति में प्रवेश करने वाली है।

चौंकाने वाली होगी इस महिला की एंट्री- राजनीति में प्रवेश करने वाली तीसरी महिला का नाम जरूर चौंकाने वाला है। हालांकि इस परिवार की महिला मुख्यमंत्री भी रह चुकी है। हम यहां बात कर रहे हैं लालू यादव के परिवार की। लालू यादव के परिवार से भी चौंकाने वाली खबर किसी भी वक्त आ सकती है। लालू यादव ने अपनी पत्नी राबड़ी देवी को अचानक बिहार का सीएम बना कर सबको चौंका दिया था। शुरू से ही घर परिवार के कामों तक सीमित रही राबड़ी देवी को आरंभ में सियासत जरूरत अटपटी लगी लेकिन बाद में उन्होंने राजनीति के सारे दांव पेंच सीख लिए। उनके दोनों बेटे तेजप्रताप और तेजस्वी यादव के अलावा बेटी मीसा भारती और पत्नी राबड़ी देवी भी राजनीति में हैं। अब बिहार में यह चर्चा जोरों से है कि किसी भी शुभ मुहूर्त में तेजस्वी यादव की पत्नी राजश्री यादव भी सास की तरह राजनीति में धमाकेदार एंट्री कर सकती है। इसके लिए कोई समय तो निर्धारित नहीं है लेकिन लालू परिवार किस तरह सीबीआई के लफड़े में पड़ा है उसमें किसी अनहोनी की आशंका को देखते हुए राजश्री को राजनीति में उतारने के लिए लालू परिवार मन बना चुका है।

उज्जैन में 2028 के सिंहस्थ को लेकर साधु-संत करेंगे मंथन

उज्जैन। उज्जैन में आगामी 2028 में होने वाले सिंहस्थ को लेकर साधु-संत अभी से मंथन करेंगे।प्रत्येक बारह वर्षों में होने वाले सिंहस्थ निर्विघ्न रूप से संपन्न हो एवं इस महापर्व में आने वाले साधु-संतों को कोई परेशानी नहीं हो तथा सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को भी उज्जैन में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हो, इसको लेकर अखाड़ा परिषद के साधु संतों की तीन दिवसीय बैठक आगामी 28 मई से उज्जैन में आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा की अगले सिंहस्थ में ग्यारह करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।इस बैठक में सभी अखाड़ों के साधु संत शामिल होकर विभिन्न विषयों पर मंथन करेंगे।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्री हरीगिरिजी महाराज ने बताया कि 28 मई से 30 मई तक बैठक होगी। इन बैठकों में सिंहस्थ के विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श किया जाएगा। श्री हरीगिरिजी ने बताया कि इसके साथ ही मां शिप्रा को प्रवाहमान किए जाने एवं विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आम श्रद्धालु को भी सहजता से दर्शन के साथ ही सिंहस्थ 2028 निर्विघ्न संपन्न होने पर भी चर्चा की जाएगी।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्री हरिगिरिजी महाराज ने शिप्रा में गंदे नाले मिलने से होने वाले प्रदूषण पर कहा कि पिछले सिंहस्थ में भी मैंने ऐसे स्थानों पर पहुंचकर नालों का गंदा पानी मां शिप्रा में मिलने से रुकवाया था। अब भी मैं ऐसा ही करूंगा। जूना अखाड़ा द्वारा शिप्रा के जल का सैंपल लेकर इसकी जांच करवाई जाएगी कि आखिर यह जल आचमन करने के योग्य भी है या नहीं। उन्होंने शिप्रा को प्रदूषण से मुक्त करने के लिए अपने को संकल्पित बताया।

श्री हरिगिरि महाराज ने कहा कि मां शिप्रा को प्रवाहमान बनाने के लिए हर बार करोड़ों की योजनाएं लाई जाती है लेकिन उसके बावजूद भी न तो मां शिप्रा प्रवाहमान है और न ही स्वच्छ है। महाराज ने बताया कि पिछले सिंहस्थ में भी मैंने रामघाट पर ही कई ऐसे स्थानो से सरकार को जानकारी दी थी।जहां नालों का गंदा पानी मां शिप्रा मे मिल रहा था।इस बार भी मां शिप्रा को प्रवाहमान और स्वच्छ बनाने के लिए अब भी मुझे ऐसा ही करना पड़ा तो मैं पीछे नहीं हटूंगा।

3 से 5 मई तक गो फर्स्ट के विमान नहीं उड़ेंगे, कंपनी दिवालिया होने की स्थिति में

आज से तीन दिन के लिए 'गो फर्स्ट' एयर लाइन्स ने अपनी बुकिंग बंद कर दी। सीईओ कौशिक खोना के अनुसार फंड की भारी कमी के कारण 3, 4 और 5 मई को उड़ानों को अस्थायी रूप से निलंबित रखा गया है। गो फर्स्ट 17 साल से अधिक से विमानों का परिचालन कर रही है। चालू साल की पहली तिमाही में इसने घरेलू मार्गों पर 29.11 लाख लोगों को यात्रा कराई है। इस दौरान गो फर्स्ट की बाजार हिस्सेदारी 7.8 प्रतिशत रही।

पीएंडडब्ल्यू की और से इंजनों की आपूर्ति नहीं किए जाने के कारण गो फर्स्ट को वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस कारण 28 विमानों को खड़ा करना पड़ा। गो फर्स्ट ने दिल्ली में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण दिवालिया ऋणशोधन अक्षमता संहिता की धारा 10 के तहत समाधान के लिए एक आवेदन दिया है। बताया गया कि गो फर्स्ट एयरलाइन की 60 फीसदी से ज्यादा फ्लाइट ग्राउंडेड हो चुकी हैं। इन फ्लाइट्स के ग्राउंडेड हो जाने से कई सारी रूट्स पर एयरलाइन की बुकिंग कैंसिल हो रही। कहा जा रहा है कि वाडिया के स्वामित्व वाली गो फर्स्ट ने तेल विपणन कंपनियों के बकाये के कारण तीन से पांच मई के लिए उड़ानें निलंबित कर दी।

अमेरिकी इंजन निर्माता कंपनी के खिलाफ कोर्ट पहुंची- गो फर्स्ट एयरलाइन ने डेलावेयर संघीय अदालत में अमेरिकी इंजन निर्माता के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। इसमें एक मध्यस्थ आदेश को लागू करने की मांग की गई, जिसमें प्रैट एंड व्हिटनी को एयरलाइन को इंजन प्रदान करने के लिए कहा गया है। ऐसा नहीं होने से एयरलाइन के बंद होने का खतरा है। गो फर्स्ट के पक्ष में 30 मार्च को दिए गए मध्यस्थता फैसले में कहा गया था कि यदि आपातकालीन इंजन प्रदान नहीं किए जाते, तो एयरलाइन को अपूरणीय क्षति का खतरा है।

30 विमान 31 मार्च से हैं ग्राउंडेड- एक तेल विपणन कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि एयरलाइन कैश एंड कैरी मोड पर है, जिसका मतलब है कि उसे रोजाना जितनी उड़ानों का परिचालन करना है, इसके लिए भुगतान करना होगा। यह सहमति बनी है कि यदि भुगतान नहीं किया जाता है तो विक्रेता व्यवसाय बंद कर सकता है। एयरलाइन उद्योग के जानकारों के अनुसार गो फर्स्ट के 30 विमान 31 मार्च से खड़े हैं, इनमें 9 ऐसे हैं जिन पर पट्टे का भुगतान बकाया है। वहीं, एयरलाइन की वेबसाइट के अनुसार गो फर्स्ट के बेड़े में कुल 61 विमान हैं, जिनमें 56 ए320 नियो और पांच ए320सीओ शामिल हैं।

नोटिस जारी किया- नागर विमानन महानिदेशालय ने 3-4 मई तक नई बुकिंग रद्द करने के बाद गो फर्स्ट को कारण बताओ नोटिस जारी किया। डीजीसीए के अनुसार, उसके संज्ञान में आया है कि गो फर्स्ट ने क्रमशः 03-04 मई 2023 की सभी निर्धारित उड़ानों को रद्द कर दिया है। डीजीसीए को ऐसी रद्दीकरण के लिए कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई है। इस मामले में अनुसूची की मंजूरी के लिए शर्तों का अनुपालन नहीं किया गया है। डीजीसीएएफ के अनुसार इस प्रकार गो फर्स्ट रद्दीकरण और उसके कारणों को लिखित रूप में रिपोर्ट करने में विफल रहा है। गो फर्स्ट अनुमोदित अनुसूची का पालन करने में विफल रहा है जिससे यात्रियों को असुविधा होगी। गो फर्स्ट ने सीएआर, धारा 3, श्रृंखला एम और भाग 4 के प्रावधानों का उल्लंघन किया है।

कांग्रेस रिवर्स गियर पार्टी: मोदी

बेंगलुरू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मूडबिद्री में रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस को रिवर्स गियर कांग्रेस नाम दिया और कहा कि कांग्रेस विकास और शांति की दुश्मन है। हम सब आतंकवाद खत्म करना चाहते हैं, लेकिन रिवर्स गियर कांग्रेस राजस्थान में बम फोड़ने वालों को जेल से रिहा करती है। दुनिया भारत का गुणगान करती है, लेकिन रिवर्स गियर कांग्रेस विदेश में जाकर देश को बदनाम करती है।

कर्नाटक की सभी 224 विधानसभा सीटों पर 10 मई को मतदान होना है। इस तरह मतदान में सिर्फ 6 दिन बचे हैं। सभी दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। चुनाव प्रचार के लिहाज से बुधवार का दिन भी अहम है। नरेंद्र मोदी, अमित शाह, राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा समेत तमाम बड़े नेता धुआंधार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। मोदी ने आज सभा में कहा- भाजपा ने चुनाव प्रचार का गुजरात मॉडल लागू किया है। पूरा देश हमारे सैनिकों का आदर करता है, उनका सम्मान करता है जबकि कांग्रेस हमारी सेना का अपमान करती है, हमारे सैनिकों का अपमान करती है।

प्रधानमंत्री ने कहा- आज पूरी दुनिया भारत में डेमोक्रेसी और डेवलपमेंट को देख कर उसे सम्मान दे रही है लेकिन रिवर्स गियर कांग्रेस दुनिया भर में घूम-घूम कर देश को बदनाम कर रही है। जो जीवन में पहली बार वोट देने जा रहे हैं वो कर्नाटक का भविष्य तय करने जा रहे हैं। पहली बार वोट देने जाने वाले मेरे बेटे-बेटियों आपको अगर अपना करियर बनाना है, अपने मन का काम करना है तो यह कांग्रेस के रहते संभव नहीं होगा। कर्नाटक में अगर अस्थिरता रही तो आपका भाग्य भी अस्थिर रहेगा।

नांदनेर में विकास कार्यों का भूमि पूजन किया मुख्यमंत्री ने

जनता का सम्मान कम नहीं होने दूंगा: चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज सीहोर जिले के नांदनेर में 127 करोड़ 70 लाख रुपए की लागत से सड़कों के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। उन्होंने कहा कि नांदनेर, कुसुमखेड़ा, बम्होरी, बोरना, नारायणपुर समेत क्षेत्र के सभी ग्राम मेरे घर हैं। अपने घर में आपने मेरा पगड़ी बांध कर स्वागत किया है। मेरा वचन है कि इस पगड़ी का मान, आपकी शान और जनता का सम्मान कभी कम नहीं होने दूंगा।

नांदनेर में आयोजित सभा में मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दो हजार बेटियों की शादी थी, कन्यादान योजना के तहत उनकी शादी करके आया हूं। मैंने संकल्प लिया था कि मैं मामा हूं, सभी बेटियों की शादी करवाऊंगा। 49 हजार रुपए नकद दे रहा हूं शादी के लिए। बेटियों की जिम्मेदारी मेरी है। भाई राखी बंधवाता है तो बहन को कुछ न कुछ देता ही है। इसलिए मैंने तय किया कि बहनों को कुछ न कुछ जरूर दूंगा। और एक हजार रुपए महीने देने का फैसला ले लिया। मैं केवल जैत का बेटा नहीं हूं, नांदनेर का भी हूं। हम किसी को दुखी नहीं देख सकते। आप सबके दुख दूर करना ही मेरा संकल्प है।

हड़ताल प्रदेश बन गया है मध्यप्रदेश: कमलनाथ

दमोह। पीसीसी अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा है कि सरकार में बैठे लोगों ने आज प्रदेश को हड़ताल प्रदेश बनाकर रख दिया है संविदा कर्मचारी हड़ताल पर, डॉक्टर हड़ताल पर, वकील हड़ताल पर, यह प्रदेश की तस्वीर है जो किसी से छुपी हुई नहीं है। मुख्यमंत्री केवल घोषणा करते हैं, उन्हें पूरा नहीं करते, इसलिए प्रदेश में आज समाज का हर वर्ग परेशान है।

वे दमोह जिले के जबेरा में मीडिया से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बचे हुए 5 महीनों के कार्यकाल में शिवराज सिंह चौहान ने घोषणाओं की बारिश शुरू कर दी है, जेब में नारियल लेकर साथ चलते हैं परंतु आज का मतदाता सजग और जागरूक है सब समझ रहा है। प्रदेश की 8 करोड़ जनसंख्या में से आज लगभग एक करोड़ नौजवान बेरोजगार है हमारे दमोह जिले में रोजगार के कोई अवसर नहीं बचे हैं, हजारों की संख्या में लोग पलायन करने पर विवश हैं।

उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार द्वारा दिया गया बुंदेलखंड पैकेज 8000 करोड़ रुपए भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया और बुंदेलखंड की स्थिति जस की तस बनी रही। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि जो भी व्यक्ति या संस्था समाज में नफरत या विवाद पैदा करते हैं, उन पर सख्त कार्यवाही होनी चाहिए यह किसी व्यक्ति या संस्था को टारगेट करने का विषय नहीं

मध्य प्रदेश में 15 हजार डाक्टर हड़ताल पर, स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित

भोपाल में संभागायुक्त-कलेक्टर पहुंचे अस्पतालों में, निजी अस्पतालों में भेज रहे गंभीर रोगी

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के 10 हजार से ज्यादा डाक्टर आज से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। उन्होंने इमरजेंसी सेवा, पोस्टमार्टम भी नहीं करने की चेतावनी दी है। इससे अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुई हैं। हालांकि प्रशासन मरीजों की सहूलियत के लिए वैकल्पिक इंतजाम करने में जुटा है। राजधानी भोपाल के हमीदिया अस्पताल की ओपीडी में रोज की अपेक्षा कम मरीज पहुंचे हैं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मंगलवार देर रात बैठक के दौरान दिए गए निर्देशों के बाद भोपाल संभागायुक्त माल सिंह और कलेक्टर आशीष सिंह स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर ढंग से सुचारू बनाए रखने के लिए बुधवार सुबह से ही मोर्चा संभाल लिया है। बुधवार सुबह हमीदिया अस्पताल, कमला नेहरू चिकित्सालय पहुंचे और ओपीडी सेवाओं, सोनोग्राफी सेवाओं की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मरीजों से मिलकर उनका हालचाल भी जाना। कलेक्टर ने कहा कि सभी सेवाएं सुचारू रूप से अस्पतालों में संचालित हो रही है।

मन की बात: शासनाध्यक्ष द्वारा जन से संवाद का उत्कृष्ट उदाहरण

एन. के. त्रिपाठी

प्रजातंत्र की मूल भावना यह होती है कि प्रत्येक नागरिक अपना स्वयं का अभिमत रख सकता है और इसे अभिव्यक्त करने की उसे पूर्ण स्वतंत्रता होती है। यही स्वतंत्रता राजनीतिक दलों के पास भी है। यह स्वतंत्रता और अधिकार भारत में निर्धनतम व्यक्ति से लेकर प्रधानमंत्री तक के पास एक समान है।

2014 में पूर्ण बहुमत की सरकार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यभार संभालने के कुछ ही महीनों के बाद जनता से सीधा संवाद करने के लिए मन की बात की श्रृंखला प्रारंभ की। इसके लिए उन्होंने शहरी नागरिकों के मस्तिष्क से ओझल हो चुके रेडियो का माध्यम चुना। बीच में कभी कभी मैंने भी कुछ बार मन की बात को सुना। प्रारंभ में यह मोदी का एक तरफ़ा भाषण हुआ करता था। धीरे धीरे इसमें जनता के लोगों को भी विशेष रूप से चयनित कर प्रस्तुत किया जाने लगा। दूरदराज़ के क्षेत्रों के चुने हुए लोगों के सकारात्मक कार्यों को राष्ट्रीय पटल पर मोदी ने प्रस्तुत किया। ञ्जङ्क चैनलों पर भी मन की बात का सारांश अथवा पूरे का प्रसारण किया जाने लगा। आकाशवाणी से न केवल भारत की विभिन्न भाषाओं में बल्कि अनेकानेक बोलियों में भी इसका प्रसारण होने लगा।

मन की बात का 100वां एपिसोड मोदी और भाजपा ने अपने स्वभाव के अनुरूप एक विशाल प्रदर्शन के रूप में प्रस्तुत किया। इसमें आकाशवाणी के साथ सारे ञ्जङ्क चैनल और अन्य प्रकार के मीडिया ने भी साथ दिया। राजभवन से लेकर अनेक स्थानों तक इसे सार्वजनिक रूप से सुना या देखा गया। यूनेस्को का ध्यान भी आकर्षित हुआ अथवा किया गया।

स्वयं मोदी का यह कहना है कि यह उनकी जनता से जुड़े रहने का गम्भीर प्रयास है क्योंकि वे जनता से हटकर नहीं रह सकते हैं। उन्होंने यहाँ तक दावा किया कि मन की बात की श्रृंखला उनके लिए आध्यात्मिक यात्रा के समान हैं। परन्तु मोदी के इस कार्यक्रम को कुछ लोग मोदी द्वारा अपनी व्यक्तिगत लोकप्रियता बढ़ाने और बनाए रखने का एक साधन मानते हैं। कुछ लोगों ने इसे ञ्जङ्कका शासन बनाए रखने और सरकार की विफलताओं को छिपाने का प्रयास भी बताया है। इन दोनों बातों की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। कुछ लोगों की यह भी मान्यता है कि इस प्रकार के कार्यक्रम का जनता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

मन की बात में जिन कुछ लोगों के कौशल को बताया गया है उन लोगों ने इससे अपनी प्रसिद्धि और लाभ होने का दावा किया है। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने मन की बात पर कहा है कि इसने स्वच्छता, स्वास्थ्य, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और सतत विकास के लक्ष्यों से जुड़े अन्य मुद्दों पर समाज को उत्प्रेरित किया है।

विश्व के किसी भी देश में वहाँ के शासनाध्यक्ष द्वारा इस प्रकार का संवाद किए जाने का कोई उदाहरण नहीं है। कुछ लोकतांत्रिक और अधिनायकवादी राष्ट्रों में शासनाध्यक्ष समय समय पर केवल अपने राजनीतिक कार्यकलापों को प्रस्तुत करते है। इस विषय पर सामाजिक शोध और आने वाला समय बताएगा कि मन की बात का शहरों से लेकर दूरस्थ क्षेत्रों तक इसका समाज पर कोई सकारात्मक प्रभाव पड़ा है अथवा नहीं।

कोलार परियोजना की मुख्य पाइप लाइन में हुआ लीकेज, दो दिन नहीं आएगा पानी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नगर निगम भोपाल की कोलार जलप्रदाय परियोजना के अंतर्गत अशुद्ध जल पम्प गृह की 1500 एम.एम व्यास की मुख्य पाईप लाईन में लीकेज सुधार कार्य हेतु गुरूवार, 4 मई को प्रात: 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक शटडाउन लिया जाना प्रस्तावित है जिसके कारण कोलार जलप्रदाय परियोजना से संबंधित क्षेत्रों में गुरूवार, 04 मई 2023 एवं शुक्रवार, 05 मई 2023 को जलप्रदाय प्रभावित रहेगा।

4 मई को प्रभावित रहने वाले क्षेत्र: दुर्गा नगर बस्ती, कोलार कॉलोनी चूना भट्टी, ज्योतिबाफुले नगर, प्रियदर्शनी नगर, तुलसी नगर, शिवाजी नगर, पम्पापुर, नया बसेरा, राजीव नगर, शारदा नगर ए-ब्लॉक, श्रीनगर कॉलोनी, पूर्वी निशातपुरा, आरिफ नगर, न्यू आरिफ नगर, अटल अय्यूब नगर, छोला रोड, एकता नगर, फूटा मकबरा, सुभाष नगर, कबड़खाना, काजी कैंप, सुंदर नगर, शाईन कॉलोनी, एहले हदीस मस्जिद क्षेत्र, सद्भावना कॉलोनी, गुरूनानक कॉलोनी, बाफना कॉलोनी, कैची छोला, इब्राहिमपुरा टंकी, गिन्नौरी, इस्लामपुरा, खटीकपुरा, कंजरपुरा, बागमुफ्ती साहब, बाग मुंशी हुसैन खाँ, पुतलीघर, बाल विहार, नूर महल आदि।

5 मई को प्रभावित रहने वाले क्षेत्र: अम्बेडकर नगर, आराधना नगर, नेहरू कॉलोनी, चित्रगुप्त नगर, सुदामा नगर, राहुल नगर, निवेश नगर, वैशाली नगर, सुरूची नगर, गवर्नमेंट क्वार्टर कोटरा, संजय कॉम्पलेक्स, गीतांजली कॉम्पलेक्स, कोटरा सुल्तानाबाद, तुलसी नगर, नेहरू नगर, हर्षवर्धन नगर, माता मंदिर क्षेत्र, शाहपुरा सी-सेक्टर, बी.डी.ए. मल्टी, त्रिलंगा, साउथ एवेन्यू, ग्रीन सिटी, सहयोग परिसर, सौम्या विहार, फॉरच्यून प्राईड, बसंत कुंज, शाहपुरा गांव, शाहपुरा छावनी, भरत नगर, श्याम नगर, एल.आई.जी. कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, शारदा नगर कॉलोनी बी एवं सी ब्लॉक, नगर निगम कॉलोनी, नारियलखे?ा गांव फिजा कॉलोनी, गौतम नगर, संत कवरराम कॉलोनी, फिरदोस नगर, पश्चिम निशातपुरा, कृष्णा कॉलोनी, पी.जी.बी.टी. कालेज रोड, टीलाजमालपुरा, हरिजन बस्ती, शोभाराम की बावड़ी, जनता क्वार्टर, ई.डब्ल्यू.एस., एल.आई.जी. हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, मोती क्वार्टर, शॉपिंग कॉम्पलेक्स, पन्ना क्वार्टर, हरी मजार क्षेत्र, बी.डी.ए. कॉलोनी, जमालपुरा गांव, नई बस्ती वसुंधरा कॉलोनी, मारवा?ी रोड, मस्जिद शकुर खाँ क्षेत्र, इतवारा क्षेत्र, मंगलवारा, कोतवाली रोड, पायगा, लोहा बाजार रोड क्षेत्र, इस्लामपुरा, खटीकपुरा, कंजरपुरा, बागमुफ्ती साहब, बाग मुंशी हुसैन खाँ, पुतलीघर, बाल विहार, नूर महल क्षेत्र आदि क्षेत्रों में जलप्रदाय प्रभावित रहेगा।

कोलार जलप्रदाय परियोजना की पाईप लाईन में लीकेज सुधार हेतु लिये जा रहे शटडाउन के कारण जलप्रदाय प्रभावित रहने से नागरिकों को होने वाली कठिनाई पर खेद व्यक्त करते हुए सहयोग की अपील की है।

सिंध प्रांत में लगे पोस्टर, हिन्दुओं सिंध छोड़ो या अपना धर्म, पर सरकार करे तुरंत हस्तक्षेप: जसवानी

संत हिरदाराम नगर। विभाजन के समय कुछ मजबूरियों के कारण पाकिस्तान में रह गए सिंधी हिन्दुओं का मौजूदा समय बहुत ही कठिनाई से गुजर रहा है। वहां हालात अच्छे नहीं हैं। हिन्दू डरे और सहमे हुए हैं। अगर बात की जाए वर्तमान की तो अकेले सिंधु हिन्दुओं की आबादी वहां 15 लाख है, बड़े शहरों में इतना भय नहीं है लेकिन सिंध प्रांत के छोटे छोटे शहरों में निवास करने वाले सिंधी हिन्दुओं के लिए एक एक दिन गुजारना मुश्किल हो रहा है। अभा सिंधी महासभा समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरेश जसवानी ने बताया कि वहां से आ रही खबरों के अनुसार इस तरह के पोस्टर लगे हैं कि पाकिस्तान हिन्दु देश नहीं है तथा यदि हिन्दु समुदाय के लोग पाकिस्तान में रहना चाहते हैं तो अपना धर्म छोड़ें या पाकिस्तान छोड?र चले जाएं। सुरेश जसवानी ने इस पर गहरी चिंता प्रकट की है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया है कि वे इस मामलें में तत्काल हस्तक्षेप करें ताकि वहां के सिंधी हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। जसवानी ने कहा है कि नरेन्द्र मोदी है, तो सबकुछ मुमकिन है। जसवानी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया है कि शंघाई सहयोग संगठन की आयोजित बैठक में 4 एवं 5 मई को पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावट भुटे जरदारी (मुस्लिम सिंधी) के समक्ष यह मुद्दा पुरजोर ढंग से उठाएं और उन्हें इस बात के लिए मजबूर किया जाए कि पाकिस्तान में रह रहे हिन्दुओं के जान, माल, बेटियों व परिवार की हर हालत में सुरक्षा की जाए। जसवानी ने बताया कि पाकिस्तान के सिंधी हिन्दुओं के हवाले से आ रही खबरों में कहा गया है कि सीमा पार हिन्दु लड़कियों का अपहरण कर जबरिया निकाह करने एवं मुस्लिम धर्म अपनाने की घटनाएं बढ़ रही है जिसे लेकर सिंध प्रांत में हिन्दुओं ने विरोध प्रदर्शन किया जिसमें कुछ मुस्लिम नेताओं ने भी साथ दिया अब उन्हें भी पाकिस्तान से निकालने की मांग कट्टरपंथी कर रहे हैं। अतिवादियों ने धर्म परिवर्तित करने या तो पाकिस्तान छोड?र चले जाने संबंधी पोस्टर लगाए के बाद सिंधी हिन्दुओं में दहशत का माहोल है। इसलिए वहां हिन्दुओं की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जाना अत्यंत ही आवश्यक हो गया है।

नेशनल लोक अदालत के लिए प्रचार रथ रवाना

भोपाल । 13 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत का व्यापक प्रचार प्रसार किए जाने के लिए जिला न्यायालय परिसर में प्रधान जिला न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव द्वारा हरी झंडी दिखाकर प्रचार वाहनों को रवाना किया गया। प्रचार वाहनों द्वारा जिंगल्स एवं फ्लेक्स बैनर के माध्यम से नेशनल लोक अदालत का प्रचार प्रसार भोपाल के विभिन्न शहरी व सुदूरवर्ती ग्रामों में किया जावेगा। इस दौरान जिला न्यायाधीश /सचिव एस.पी.एस. बुंदेला, जिला न्यायाधीश सुरेश कुमार सूर्यवंशी, जिला न्यायाधीश कु. शैलजा गुप्ता मैडम, जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय सिंह एवं विद्युत विभाग के उप महाप्रबंधक नवनीत गुप्ता, अंकित पालीवाल, राकेश कपिल आदि उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री के 3 दिन के वेतन काटने के दिए आदेश

भोपाल । कलेक्टर आशीष सिंह ने कार्य में लापरवाही, वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन नहीं करने और सिविल सेवा आचरण अधिनियम के उल्लंघन पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की कार्यपालन यंत्री मंजू सिंह का तीन दिन का वेतन काटने के निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर आशीष सिंह ने सभी विभागों के जिलाधिकारी को जनसुनवाई में उपस्थित रहने के निर्देश दिए थे। बिना किसी पूर्व सूचना के कार्यपालन यंत्री मंजू जन सुनवाई में अनुपस्थित रही। उनके संबंधित विभाग के आवेदन पर कार्रवाई करते समय संबंधित अधिकारी अनुपस्थित थी। कलेक्टर आशीष सिंह ने जनकल्याणकारी कार्य में लापरवाही पर नाराजगी व्यक्त की और जिम्मेदारी और संवेदना से काम नहीं करने के आधार पर काम नही तो, वेतन नहीं के नियम पर तीन दिन का वेतन काटने के निर्देश जारी किए हैं।

एंबुलेंस को रास्ता नहीं देने पर कार जब्त, 10 हजार रुपये जुर्माना

भोपाल । प्रदेश में बीते महीने ही राज्य सरकार ने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत होने वाले जुर्माने की राशि में बढ़ोत्तरी की है। कैबिनेट में पास होने के बाद इस संबंध में आदेश भी जारी हो चुके हैं। कार चालक पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। संभवत: बढ़े हुए जुर्माने की राशि के तहत यह पहली कार्रवाई है।

मालूम हो कि जुर्माने की राशि मे संशोधन के बाद एंबुलेंस का रास्ता रोकने पर दस हजार रुपये का प्रावधान हो गया है। यातायात पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई होशंगाबाद रोड पर की गई। कई बार हॉर्न देने के बाद भी कार चालक ने एंबुलेंस को साइड नहीं दिया, जिसके बाद पुलिस से शिकायत की गई।

वहीं, शिकायत मिलने पर पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट की धारा-194ई के तहत कार्रवाई करते हुए कार को जब्त कर जुर्माना किया गया है। पुलिस ने जिस कार पर कार्रवाई की है, उसका नंबर (एमपी-04-सीके-5639) है। नंबर प्लेट में भाजपा के झंडे के लकर का स्टीकर भी चिपका हुआ है। कार राकेश पवार, निवासी संत आशाराम नगर, बागमुगालिया के नाम पर रजिस्टर्ड है।

महापौर की घोषणा: भोपाल को मिलकर नंबर 1 बनाएं और इनाम भी जीतें

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राजधानी भोपाल में स्वच्छता का कॉम्पटिशन शुरू हो रहा है। इसमें शहर के बाजार संघ और रहवासी संघ भाग लेंगे। महापौर श्रीमती मालती राय ने घोषणा की है कि इस प्रतिस्पर्धा के विजेता बाजार व कालोनी में क्रमश: 11 लाख रूपए व पांच लाख रूपये की इनामी राशि से विकास कार्य कराए जाएंगे। यह कॉम्पटिशन स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के तहत होगा। महापौर श्रीमती राय ने व्यापारी संघ, रहवासी संघ से आव्हान किया है कि इस कॉम्पटिशन में भाग लेकर भोपाल को स्वच्छता में नंबर 1 बनाएं। वहीं महापौर अगले एक सप्ताह तक सिटी प्रोफाईल के तहत नागरिकों से सीधा संवाद कर इस बारे में जागरूक करेंगी।

स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 के पैरामीटर्स के मुताबिक नगर निगम, भोपाल में स्वच्छता गतिविधियों के साथ कॉम्पटिशन आयोजित हो रहा है। महापौर श्रीमती मालती राय ने बताया कि स्वच्छतम बाजार के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 11 लाख रूपये, द्वितीय पुरस्कार 7 लाख रूपये और तृतीय पुरस्कार 5 लाख रूपये का होगा जिससे बाजार में विकास कार्य होंगे। वहीं स्वच्छतम रहवासी संघ, कॉलोनी, मोहल्ला प्रतिस्पर्धा में पहला पुरस्कार 5 लाख रूपये और दूसरा पुरस्कार 3 लाख रूपये होगा जिसके तहत पुरस्कार विजेता के क्षेत्र में उक्त राशियों से विकास कार्य करवाए जाऐंगे। महापौर श्रीमती राय ने बताया कि प्रत्येक जोन में 2 रहवासी कॉलोनी को पुरस्कार दिए जाएंगे अर्थात कुल 42 आरडब्ल्यूए को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के इच्छुक मार्केट व रहवासी संघ वांछित दस्तावेजों के साथ अपने आवेदन ई-मेल आईडी पर आगामी 15 मई 2023 तक मेल कर सकते हैं।

सर्वेक्षण से पहले महापौर ने संभाला मोर्चा

राजधानी भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय ने स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 के तहत मोर्चा संभाल लिया है। सिटी प्रोफाईल के तहत रोजाना शहर में सफाई व्यवस्था के औचक निरीक्षण के साथ ही महापौर श्रीमती राय स्थानीय रहवासियों से सीधा संवाद कर रही हैं। रहवासियों को स्वच्छता की गतिविधियों में शामिल होने का आव्हान किया जारहा है और उनकी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है। प्रात:काल होने वाली साफ-सफाई और दोपहर बाद की सफाई व्यवस्था को महापौर श्रीमती राय स्वयं क्रास चेक कर रही हैं।

क्राइम ब्रांच ने शराब तस्करी में दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

52 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

शहर में अपराध व अपराधियो पर नियंत्रण हेतु पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अनुराग शर्मा द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करो पर कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में पुलिस उपायुक्त श्रुत कीर्ती सोमवंशी एवं अति. पुलिस उपायुक्त अपराध शेलेन्द्र सिंह चौहान, सहायक पुलिस आयुक्त श्री शिवपाल सिंह कुशवाह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी थाना क्राइम ब्रांच अनूप कुमार उईके उनकी टीम को अवैध शराब की तस्करी में लगाया था । थाना प्रभारी क्राइम ब्रांच टीम को सूचना मिली की दो लड़के बुलेरो से अवैध शराब एमपी नगर से लेकर अन्ना नगर की तरफ ले जा रहे जिनके पास भारी मात्रा में शराब मिल सकती है ।

सूचना तस्दीक हेतु क्राइम ब्रांच की टीम वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर मौके पर पहुची जहाँ चेतक ब्रिज के पास गोविन्दपुरा टर्निंग पहुँचे, कुछ देर इंतजार करने पर चेतक ब्रिज तरफ से बुलेरो आती हुई दिखाई दी जिसे सावधानीपूर्वक हाथ से ईशारा करके साईड में रोका बुलेरो गाडी मे दो व्यक्ति बैठे दिखाई दिये जिनके नाम पते पूछे तो ड्रायवर सीट पर बैठे लडके ने अपना नाम 1 संदीप पटेल पिता नरेन्द्र पटेल उम्र 37 साल निवासी ग्राम कुशनेर तहसील पठरा थाना पनागर जिला जबलपुर व ड्रायवर सीट के बगल मे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम 2 राजकिशोर शुक्ला पिता रामकिशोर शुक्ला उम्र 23 साल निवासी ग्राम गौहानी थाना सरवई जिला छतरपुर म.प्र. का बताया ।

बाद में बुलेरो गाडी की तलासी ली तो गाडी में पीछे की तरफ छ: पेटी अग्रेजी शराब की रखी मिली । दोनो संदेहियो से शराब रखने/परिवहन करने के वैध दस्तावेज माँगे तो नही होना बताये । आरोपियो द्वारा अवैध रुप से अग्रेजी शराब को अपने कब्जे मे रखने पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।

निगम आयुक्त ने भौंरी आवासीय परियोजना स्थल का किया निरीक्षण

भोपाल। निगम आयुक्त के.वी.एस. चौधरी ने भौंरी क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवासीय परियोजना में प्रस्तावित स्थलों व प्रचलित कार्यों का निरीक्षण किया और प्रचलित व प्रस्तावित कार्यों के संबंध में अधिकारियों से विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त चौधरी ने निर्माणाधीन एलआईजी डुप्लेक्स आवास एवं जी3 मॉडल पर बन रहे ईडब्ल्यूएस स्लम एवं नॉन स्लम आवासों के निर्माण कार्यों में गति बढ़ाने के साथ ही सड़क निर्माण करने तथा बरसाती पानी की निकासी हेतु पर्याप्त प्रबंध करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त संदीप केरकेट्टा, मुख्य अभियंता आर.के.सक्सेना सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे। निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत भौंरी में प्रस्तावित आवासीय परियोजना स्थल का निरीक्षण किया और परियोजना के प्रचलित कार्यों की गति बढ़ाने के साथ ही गुणवत्ता बनाये रखने के निर्देश दिए। भौंरी परियोजना अंतर्गत जी3 पेटर्न पर ईडब्ल्यूएस आवासों के 36 ब्लाक प्रस्तावित हैं जिनमें 1 हजार 8 स्लम एवं नॉन स्लम ईडब्ल्यूएस आवासों के साथ ही 331 एलआईजी डुप्लेक्स आवासों का निर्माण किया जा रहा है।

भेल अधिकारी से हनीट्रैप मामले में उपनिरीक्षक और हवलदार निलंबित

भोपाल । राजधानी में सप्ताह भर पहले भेल अधिकारी के साथ हनीट्रैप करने वाले गिरोह के खिलाफ जांच कर रहे गोविंदपुरा थाने के उपनिरीक्षक मुकेश स्थापक और प्रधान आरक्षक बृजेंद्र दाहिमा को डीसीपी जोन-2 श्रद्धा तिवारी ने निलंबित कर दिया है। दोनों की भूमिका आरोपियों को लेकर संदिग्ध पाई गई है। दोनों पर आरोपी गिरोह की महिला-पुरुषों के संपर्क में होने का गंभीर आरोप लगा है। दोनों पुलिसकर्मियों को सोमवार देर रात डीसीपी जोन-2 ने भ्रमण के दौरान गोविंदपुरा थाने पहुंचकर मौखिक रूप से निलंबित करने के निर्देश दिए थे। मंगलवार दोपहर दोनों के निलंबन के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। इस मामले में पिपलानी और गोविंदपुरा थाने के दो-दो अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका की भी पुलिस अधिकारी जांच कर रहे हैं। उन्हें भी आने वाले दिनों में निलंबित या लाइन अटैच किया जा सकता है। बता दें कि 41 साल के एस सेंथिल कुमार पुत्र एम सुब्रमण्यिम भेल क्षेत्र में रहते हैं और भेल में आर्टिजन हैं। करीब महीने भर पहले उनका एक महिला से संपर्क हुआ, फिर उस महिला से करीबी की दोस्ती हो गई। यह दोस्ती उस वक्त हुई, जब डिलीवरी होने के कारण फरियादी की पत्नी तमिलनाडु गई हुई थी। आरोपी महिला का फरियादी के घर रोज आना-जाना शुरू हो गया। 15 अप्रैल को गिरोह की महिला फिर से फरियादी के घर आई और इस बार अपने साथ एक अन्य नाबालिग को भी लाई। दोनों महिलाएं फरियादी के साथ एक कमरे में मौजूद थीं। इसी बीच फरियादी के मकान का दरवाजा बाहर से खटखटाया गया। फरियादी ने जैसे ही दरवाजा खोला एक युवक पुलिस की वर्दी में और दूसरा सामान्य कपड़े में उनके घर घुस गए और खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए ब्लैकमेल करने लगे। आरोपियों ने डेढ़ लाख रुपये फरियादी से ठगे थे। बाद में और रुपये मांगने के बाद फरियादी ने थाने में मामला दर्ज कराया था।

संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में रूपांतरण के समापन कार्यक्रम एवं सर्टिफिकेट वितरण का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। परमहंस संत शिरोमणि हिरदाराम साहिब जी के आशीर्वाद से एवं उनके उत्तराधिकारी परम श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी के स्नेहपूर्ण मार्गदर्शन में संचालित संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑ? मैनेजमेंट में दिनांक 2 मई 2023 को %रूपांतरण% के समापन कार्यक्रम एवं सर्टिफिकेट वितरण का आयोजन परम श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी, अध्यक्ष जीव सेवा संस्थान; श्री हीरो ज्ञानचंदानी जी मैनेजिंग डायरेक्टर, संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑ? मैनेजमेंट; श्वेता केसवानी, डायरेक्टर ड्रीम्स ग्लोबल एजुकेशन एवं डॉ. आशीष ठाकुर, डायरेक्टर, संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती, माँ भारती एवं संत शिरोमणि हिरदाराम साहिब जी के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया और परम श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी का स्वागत किया।

अपने स्वागत उद्बोधन में संस्थान के निदेशक डॉ. आशीष ठाकुर ने कहा कि रूपांतरण एक विशिष्ट ट्रेनिंग प्रोग्राम है, जो पिछले सात वर्षों से सफलता के नए आयाम रच रहा है। इसकी परिकल्पना महिला सशक्तिकरण के लक्ष्य पर आधारित है। इस ट्रेनिंग का उद्देश्य है छात्राओं को मध्य प्रदेश से बाहर ट्रेनिंग और प्लेसमेंट के लिए तैयार करना, ताकि उनको अपने कैरियर के नए आयाम तक पहुंचने का मौका मिले और वे सफलता की नयी ऊँचाइयों को छू सकें। इस कैप्सूल ट्रेनिंग प्रोग्राम %रूपांतरण% ने न केवल अपने उद्देश्य को प्राप्त किया है, बल्कि ये मध्य भारत में एक अनोखा ब्रांड बन गया है, जिसको प्रतिष्ठित कंपनियों ने भी सराहा है।

रूपांतरण की संयोजक प्रो. शालू पाण्डे ने कहा कि रूपांतरण एक ट्रेनिंग से ज्यादा व्यक्तित्व परिवर्तन की यात्रा है। इस बार सुपर-30 के बैच को फोकस करते हुए उन्होंने बताया कि मध्य भारत एवं देश के ब? ब्रांड अब संस्थान की छात्राओं को ट्रेनिंग के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। ऐसा प्रथम बार हुआ है कि रूपांतरण के समापन से पहले विभिन्न कंपनियों से इंटर्नशिप के प्रस्ताव आने लगे हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रूपांतरण की लर्निंग पार्टनर श्वेता केसवानी ने अपने विचार प्रस्तुत करते कहा कि संस्था की छात्राओं में असीम संभावनाओं का समावेश है, जो इनकी सफलता का मार्ग दर्शायेगा। उन्होंने कहा कि अनेक बार मंथन करने के बाद उन्होंने ये ट्रेनिंग प्रोग्राम लागू किया, जिसमे इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुसार स्किल पर ध्यान दिया गया है। संस्थान के लर्निंग पार्टनर के रूप में जु?कर उनको भी बहुत सीखने को मिला है।

रूपांतरण में छात्राओं को एक अलग परिवर्तन एवं सीख का अनुभव हुआ, जिसको उन्होंने मंच पर साझा किया। छात्रा अदिति जैन ने बताया कि इस ट्रेनिंग के माध्यम से उसे वो सब सीखने को मिला, जो अन्यत्र संभव नहीं था। इसकी वजह से उसमें सम्पूर्ण परिवर्तन आया है, जिसकी वजह से कॉर्पोरेट वर्ल्ड में सफलता पाने में आसानी होगी। सौम्या जैन ने बताया कि तीन दिन के असेसमेंट से लेकर रुपांतरण के समापन तक फिटनेस, कॉन्फिडेंस के बारे में सीखकर बहुत अच्छा महसूस हुआ। आयुषी तिवारी ने कहा कि इस ट्रेनिंग के बाद व्यक्तित्व में सार्थक बदलाव पाया, विशेषत: मैनेजमेंट स्किल्स एवं कॉर्पोरेट वर्ल्ड के बारे में जाना। इसी से प्रेरित होकर वो प्रदेश से बाहर महानगर में ट्रेनिंग पर लिए जाने तैयार है। कुमकुम पंजवानी ने बताया कि चाहे वो ग्रुप डिस्कशन हो, मॉक इंटरव्यू हो या कॉर्पोरेट डिसिप्लिन, इन सभी विधाओं में जो सीखने मिला है, वो अविस्मरणीय है। मानसी जैन ने ट्रेनिंग के लिए संस्थान को धन्यवाद देते हुए कहा कि सही मायने में छात्राओं का रूपांतरण हुआ है, जिसको सभी ने महसूस किया है। चंचल सोनी ने रूपांतरण से मिली सीख के सार को समझाते हुए कहा कि चाहे वो पेरेंटिंग के सत्र हो, या सॉफ्ट स्किल्स, वर्क एथिक्स, मौरल वैल्यू, कॉन्फिडेंस; इन सभी में छात्राओं ने जो भी सीखा है, बहुत ही जल्द वो उनके परिपूर्ण वक्तव्य में समावेश होगा जिसके द्वारा छात्राएं संस्थान का नाम पुन: गौरवान्वित करेंगी।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में परम श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी ने संस्थान की छात्राओं को अपने जीवन के अनुभवों के सार रूप में आशीर्वचन प्रदान किए। अपने विचारों के प्रबंधन को ही असली प्रबंधन बताया। हमारे विचार जैसा हम सोचते हैं, देखते हैं एवं पढ़ते हैं से प्रेरित होते हैं। अत: अच्छे विचारों के लिए अच्छा देखें, अच्छा प? एवं अच्छा सुनें। आपने कहा कि हमें दूसरों की निंदा करने से बचना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से हमें दूसरों की अच्छाइयां दिखाई नहीं देती। हमें सुदृढ़ संबंधों के लिए किसी भी बात की त्वरित प्रतिक्रिया देने से बचना चाहिए। इसके लिए आपने ऐसे अनेक युवाओं के उदाहरण साझा किए जिन्होंने क्षणिक आवेश में आकर अपने जीवन को दांव पर लगा दिया। कृतज्ञता के भाव को हमेशा अपनाना चाहिए। हमारे भविष्य एवं जीवन निर्माण में माता-पिता, शिक्षकों एवं बहुत सारे लोगों का योगदान होता है।

किसी भी हालत में प्रभावित न हों स्वास्थ्य सेवाएँ : चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि स्वास्थ्य सेवाएं अति आवश्यक सेवाओं के अंतर्गत हैं। इसमें अवरोध न आए। आकस्मिक एवं गंभीर सेवाओं का संचालन सुचारु रूप से हो, इसमें कोई कसर नहीं छोड़ें। स्ट्राइक पर जाना अनैतिक है, इसमें कार्यवाही का प्रावधान है। मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों में आवश्यक व्यवस्थाएँ बनाएँ और पीजी चिकित्सकों की सेवाएँ लें।

श्री चौहान कल देर रात्रि में मुख्यमंत्री निवास से वीसी के माध्यम से सभी जिलों के कलेक्टर्स और कमिश्नर्स को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्रीने कहा कि जिला अस्पताल, सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएँ सुचारू रूप से चलें। इसके लिए सभी जरूरी कदम उठाएँ। कलेक्टर्स-कमिश्नर और मेडिकल कॉलेज के डीन इलाज सुनिश्चित कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ करें। गंभीर मरीजों के इलाज में व्यावधान न हो। चिकित्सकों की पर्याप्त व्यवस्था बनी रहे। निजी नर्सिंग होम में भी सतत संवाद बना कर रखें। पर्याप्त मात्रा में एंबुलेंस की व्यवस्था सतत बनी रहे। आयुष्मान योजना में प्राइवेट अस्पताल में इलाज का खर्च सरकार वहन करेगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इंसान की जान बचाने के लिए डॉक्टर्स ही भगवान का रूप माने जाते हैं। इंसान की जिंदगी से खिलवाड़ न करें। हर जगह व्यवस्था कर लें। मरीजों को चिन्हित कर शिफ्ट करने की कार्यवाही हो। स्वास्थ्य सेवाएँ किसी भी स्थिति में प्रभावित न हों। मरीजों को इमरजेंसी में कोई परेशानी नहीं होना चाहिए। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा कि प्राइवेट अस्पतालों में पहले से बातचीत हो जाए। मुख्यमंत्री ने जिलों के कलेक्टर्स और कमिश्नर्स से चर्चा की और व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की।

ग्वालियर कमिश्नर ने ली निजी अस्पताल संचालकों की बैठक

ग्वालियर। सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर्स की हड़ताल की मद्देनजर प्रशासन द्वारा की गई पहल पर मानवीय आधार पर मरीजों को बेहतर से बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिए ग्वालियर शहर के सभी बड़े निजी अस्पताल आगे आए हैं। इस सिलसिले में संभाग आयुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार की रात निजी अस्पतालों के संचालकों व चिकित्सकों की अहम बैठक आयोजित हुई। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री डी श्रीनिवास वर्मा एवं कलेक्टर श्री अक्षय कुमार सिंह की मौजूदगी में आयोजित हुई बैठक में नर्सिंग होम व निजी अस्पतालों के संचालकों की सहमति से तय किया गया कि जेएएच समूह और जिला चिकित्सालय सहित अन्य सरकारी अस्पतालों के मरीज किस किस निजी अस्पताल में रेफर किये जायेंगे और अस्पताल वार कितने बेड रिजर्व रहेंगे। संभाग आयुक्त श्री सिंह ने बैठक में जानकारी दी कि निजी अस्पतालों में इलाज के लिए रेफर होकर जाने वाले मरीजों के इलाज का खर्च आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों की तरह राज्य शासन द्वारा वहन किया जाएगा। बैठक में तय किया गया कि जेएएच समूह के मरीज सिम्स हॉस्पिटल, अपोलो हिस्पिटल, लिंक हॉस्पिटल, परिवार हॉस्पिटल व आरोग्य धाम हॉस्पिटल में रिफर किए जाएँगे। इसी तरह जिला चिकित्सालय मुरार के मरीज बिरला हॉस्पिटल व कल्याण हॉस्पिटल में रेफर किये जायेंगे। रेफर होने वाले मरीजों के लिए लिए इन निजी अस्पतालों में बेड की संख्या भी अस्पताल संचालकों की सहमति से बैठक में तय कर दी गई है।

कोलार रोड कजलीखेड़ा: सड़कें गायब, कीचड़ में चलने मजबूर रहवासी

भोपाल। कोलार रोड स्थित कजलीखेड़ा ग्राम पंचायत महावडिया में लाइन सड़क निर्माण का कार्य किया जा रहा है जिससे महाबड़िया पंचायत भवन के सामने खुदी पड़ी सड़क दो दिन से हो रही बारिश के चलते मलबे और कीचड़ में तब्दील हो गई है। इस वजह से इस क्षेत्र में रहने वाले निवासियों और उनके वाहनों को निकलने भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं रहवासियों के निकलने की व्यवस्था संबंधित ठेकेदार के द्वारा अभी नहीं कराई गई। जिससे जनता में नाराजगी बनी हुई है। यहां के रहवासियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए पंचायत और सड़क निर्माण कंपनी को जल्द व्यवस्था करना चाहिए।

एनएचएम संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने वित्त मंत्री के बंगले के सामने प्रदर्शन किया।

कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री के 3 दिन के वेतन काटने के दिए आदेश

भोपाल । कलेक्टर आशीष सिंह ने कार्य में लापरवाही, वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन नहीं करने और सिविल सेवा आचरण अधिनियम के उल्लंघन पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की कार्यपालन यंत्री मंजू सिंह का तीन दिन का वेतन काटने के निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर आशीष सिंह ने सभी विभागों के जिलाधिकारी को जनसुनवाई में उपस्थित रहने के निर्देश दिए थे। बिना किसी पूर्व सूचना के कार्यपालन यंत्री मंजू जन सुनवाई में अनुपस्थित रही। उनके संबंधित विभाग के आवेदन पर कार्रवाई करते समय संबंधित अधिकारी अनुपस्थित थी। कलेक्टर आशीष सिंह ने जनकल्याणकारी कार्य में लापरवाही पर नाराजगी व्यक्त की और जिम्मेदारी और संवेदना से काम नहीं करने के आधार पर काम नही तो, वेतन नहीं के नियम पर तीन दिन का वेतन काटने के निर्देश जारी किए हैं।

नेशनल लोक अदालत के लिए प्रचार रथ रवाना

भोपाल । 13 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत का व्यापक प्रचार प्रसार किए जाने के लिए जिला न्यायालय परिसर में प्रधान जिला न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव द्वारा हरी झंडी दिखाकर प्रचार वाहनों को रवाना किया गया। प्रचार वाहनों द्वारा जिंगल्स एवं फ्लेक्स बैनर के माध्यम से नेशनल लोक अदालत का प्रचार प्रसार भोपाल के विभिन्न शहरी व सुदूरवर्ती ग्रामों में किया जावेगा।

इस दौरान जिला न्यायाधीश /सचिव एस.पी.एस. बुंदेला, जिला न्यायाधीश सुरेश कुमार सूर्यवंशी, जिला न्यायाधीश कु. शैलजा गुप्ता मैडम, जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय सिंह एवं विद्युत विभाग के उप महाप्रबंधक नवनीत गुप्ता, अंकित पालीवाल, राकेश कपिल आदि उपस्थित रहे।

सीताराम नाम जप महायज्ञ में गुड़ के रस से किया गया शिवजी का रूद्राभिषेक

सुख, शांति, समृद्धि के लिये हर घर में होनी चाहिये रामायण: आचार्य धीरेन्द्र मनीषी

सागर। सुरखी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत राजघाट स्थित माँ शारदा देवी मंदिर प्रागण में चल रहे विश्व कल्याण हेतु श्री सीताराम नाम जप 1008 कुण्डीय महायज्ञ में मंगलवार को प्रातः 05 बजे गुड के रस से शिवजी का रूद्र अभिषेक किया गया। आचार्य धीरेन्द्र मनीषी ने बताया कि गुड के अभिषेक का महत्व शास्त्रों में बताया गया है कि जो जातक गुड के रस से शिवजी का अभिषेक करता है उसका परिवार, कुटुम्ब में कोई भी व्यक्ति गलत रास्ते पर नहीं जाता कुल में कलंक लगाने वाले रास्ते पर नहीं जाता शिवजी का गुड के रस से अभिषेक सद मार्ग, सद बुद्धि के लिये किया जाता है। तत्पश्चात रामायण श्लोकों द्वारा यज्ञ शाला में आचार्य जप को लेकर श्री मनीषी ने नारद और सनद के संवाद का वर्णन करते हुये कहा कि बाल्मिकी रामायण जन्मों जन्मों के पापों से मुक्ति दिलाती है उन्होंने राजा सुमति तथा उनकी पत्नि सत्यवति सहित सोमदत्त की कथा सुनायी कि किस तरह पूर्व जन्मों के पापों से इन लोगों को श्री सीताराम नाम जप रामायण सुनने के बाद मुक्ति मिली थी आचार्य धीरेन्द्र मनीषी ने कहा कि हर घर में सुख, समृद्धि, शांति और संस्कार चाहिये तो हर घर में रामायण की पुस्तक होनी चाहिये इसका प्रताप इतना है कि सभी प्रकार के रोग दोष भूत पिशाच दुख दर्द नष्ट हो जाते हैं कलयुग में रामायण ग्रंथ आज भी उतना की प्रतापी और तेजस्वी है जिसके रखने तात्र से सभी प्रकार के रोग दोष

धीरेन्द्र मनीषी द्वारा वनवास गये प्रभु श्री राम का वृतान्त बताया गया कि सीताजी की खोज कर हनुमान जी रामचंद्र जी के पास पहुंचे सारी स्थिति बताते हुये हनुमान जी ने रावण के अहंकार और अन्याय की बात बताई जिसके बाद श्रीराम की ओर से अंगद को शांतिदूत के रूप में भेजा गया लेकिन अहंकारी रावण अपने अहंकार के मद में चूर्ण रहा जिसके कारण आखिरी रास्ता युद्ध निश्चित हुआ। प्रभु श्री राम ने युद्ध से पहले समुद्र में सेतू का निर्माण कराया ताकि उनकी सेना उस पार पहुंच सके। सेतू बनाने के लिये नल और नील को बुलाया गया जहां राम का नाम लिखकर सेतू बनाया गया। आचार्य ने बताया कि राम के नाम की महिमा राम सेतू बनने पर खुद राम ने देखी कि उन्होंने पत्थर पर राम लिखकर समुद्र में छोड़ा तो वह पत्थर डूब गया बाकि अन्य वानर राम नाम लिखकर समुद्र के पानी में पत्थर तैरा रहे थे यह देखकर श्री राम को खुद आश्चर्य हुआ जामवंत ने श्रीराम से कहा कि जिसको प्रभु श्रीराम खुद ही छोड़ दे वह तो डूब की जायेगा। रामायण श्लोक आहुतियों के बाद यज्ञशाला में आचार्य धीरेन्द्र मनीषी ने यजमानों को यज्ञ करने के नियम बताये जिसमें उन्होंने कहा कि श्री सीताराम नाम जप महायज्ञ की महिमा इतनी अधिक है कि युगों युगों से लोग राम नाम से अपने पापों से मुक्ति पा रहे हैं। राम नाम नष्ट होते हैं आचार्य ने यजमानों को बताया कि नौ दिन बाल्मिकी रामायण करते समय किसी भी कुपात्र को दान नहीं देना चाहिये क्योंकि ऐसा व्यक्ति जो शराब या अन्य किसी बुराई में आपके दिये हुये दान का उपयोग करेगा तो उससे अधिक दान देने वाले को दोष होता है इसलिये हमेशा सुपात्र को दान दें ताकि आपके दान का सदुपयोग हो सके।

श्री सीताराम नाम जप महायज्ञ में कुंभ जैसा दृश्य राजघाट पर देखने को मिल रहा है जहां सैकड़ों श्रद्धालु प्रातः 05 बजे से पहुंच रहे हैं इतना ही नहीं इस महायज्ञ में दूर दराज से संतजन भी बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। मंगलवार को संतो का आगमन महायज्ञ में हुआ जहां राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत ने महायज्ञ में पधारे संतो का स्वागत एवं सम्मान किया। क्षेत्रवासियों की भारी भीड़ संतो के दर्शनों के लिये उमड़ रही है। इस अवसर पर डॉ. वीरेन्द्र पाठक, राजकुमार सिंह बरकोटी, कुंवर सिंह ठाकुर, मूरत सिंह राजपूत, अरविंद सिंह टिंकू राजा, गुड्डा शुक्ला, अशोक मिश्रा, शरद मिश्रा, राकेश तिवारी, भोले यादव हनौता, सुषमा यादव सहित यज्ञ समिति के सदस्यों द्वारा सारी व्यवस्थाओं का निरीक्षण एवं श्रद्धालुओं के साथ पुण्य लाभ लिया।

भाजपा छोड़ने की चर्चाओं के बीच पूर्व मंत्री दीपक जोशी ने खाली किया सरकारी बंगला

भोपाल। भाजपा नेता दीपक जोशी ने पार्टी से नराजगी के चलते अपने शासकीय आवास को खाली कर दिया है। शासकीय आवास खाली करने के साथ ही अब उनकी पार्टी में बने रहने की संभावना पूरी तरह से खत्म होती दिखाई दे रही है। कहा जा रहा है कि स्वर्गीय पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी के पुत्र दीपक जोशी अपने पिता की फोटो को लेकर पीसीसी चीफ कमलनाथ के पास पहुंचेगें। पिछले कई दिनों से भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओं द्वारा दीपक जोशी को लगतार मनाने की कोशिश जारी है। देर रात को दीपक जोशी ने सरकार द्वारा आवंटित अपने आवास को खाली कर दिया है। इससे यह माना रहा कि वह भाजपा को छोड़ने के लिए अपना पूरा मन बना चुके हैं।

जारी है मनाने की कोशिश

दीपक जोशी के भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने की संभावना और भी बढ़ गयी है। हांलकि दीपक जोशी को मनाने के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा सहित अन्य नेताओं ने कोशिश की है। वीडी शर्मा ने बयान देते हुए कहा है कि मुझे लगता है ऐसी कोई बात नहीं होगी न है, छोटी मोटी बातें चलती रहती है दीपक जोशी और भारतीय जनता पार्टी तो मिलजुल कर चल रहे हैं। शर्मा ने कहा कि के ऐसी बातें उनके अंदर नहीं आयी है और अगर आयी भी होगी तो हमारा संवाद है हमारे आपसी पद्धति है हम उन चीजों पर समाहित करते हैं। वहीं दीपक जोशी के मामले में गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा भी अपना बयान दे चुके हैं। अगर दीपक जोशी भाजपा छोड़कर जाते हैं तो आगामी चुनाव में हाटपिपलिया क्षेत्र से भाजपा को बड़ा नुकसान हो सकता है।

क्राइम ब्रांच ने शराब तस्करी में दो आरोपियों को किया गिरफ्तार, 52 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त

भोपाल। शहर में अपराध व अपराधियो पर नियंत्रण हेतु पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अनुराग शर्मा द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करो पर कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में पुलिस उपायुक्त श्रुत कीर्ती सोमवंशी एवं अति. पुलिस उपायुक्त अपराध शेलेन्द्र सिंह चौहान, सहायक पुलिस आयुक्त श्री शिवपाल सिंह कुशवाह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी थाना क्राइम ब्रांच अनूप कुमार उईके उनकी टीम को अवैध शराब की तस्करी में लगाया था। थाना प्रभारी क्राइम ब्रांच टीम को सूचना मिली की दो लड़के बुलेरो से अवैध शराब एमपी नगर से लेकर अन्ना नगर की तरफ ले जा रहे जिनके पास भारी मात्रा में शराब मिल सकती है।

आज स्वच्छता अभियान के तहत जोन 17 के अंतर्गत करोंद चौराहे से प्रारम्भ डोर टू डोर कचरा, नालों की सफाई एवम झुग्गी बस्तियों का, मार्केट का निरीक्षण किया इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष बब्लेश राजपूत जगदीश विश्वकर्मा, एवं निगम अधिकारी मौजूद रहे।

एम्स, भोपाल में सर्जिकल स्किल वर्कशॉप का उद्घाटन कार्यपालक निदेशक द्वारा किया गया

भोपाल। एम्स, भोपाल के जनरल सर्जरी विभाग द्वारा जॉनसन एंड जॉन्सन इंस्टीट्यूट ऑन व्हील के सहयोग से सर्जिकल कौशल पर एक कार्यशाला शुरू हुई। यह कार्यशाला 12/05/2023 तक जारी रहेगी । कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. (डॉ.) अजय सिंह, कार्यपालक निदेशक, एम्स, भोपाल द्वारा किया गया । उन्होंने मरीजों के इलाज से पहले बुनियादी सर्जिकल तकनीकों को सीखने और अभ्यास करने के महत्व पर जोर दिया । उन्होंने कहा कि अभ्यास को हमेशा वास्तविक प्रक्रिया की तरह सावधानी पूर्वक करते हुए प्रशिक्षुओं को इस अभ्यास सत्र का अधिकतम उपयोग करने की सलाह दी । डॉ प्रदीप सक्सेना, विभागाध्यक्ष, जनरल सर्जरी ने अपने संबोधन के दौरान बताया कि एम्स अस्पताल में खड़ी जेएनजे लिमो बस प्रशिक्षण मॉड्यूल और आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित है ताकि प्रशिक्षु डॉक्टरों को ड्राई लैब, वेट लैब और लैप्रोस्कोपिक सर्जरी कौशल प्रदान किया जा सके । हमारा उद्देश्य ऑपरेशन थियेटर के बाहर एक निगरानी वाले कार्य वातावरण में अंतरराष्ट्रीय मानकीकृत दिशानिर्देशों पर आधारित मॉडल पर उच्च गुणवत्ता वाला प्रशिक्षण प्रदान करना है । इस कार्यशाला में प्रशिक्षण वीडियो प्रस्तुतियों, तकनीकों के विस्तृत विवरण के लाइव प्रदर्शन और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा ।

सम्पादकीय

प्रेस की स्वतंत्रता

विश्व प्रेस स्वतंत्रता इंडेक्स में भारत 2022 में दुनिया के 180 देशों में 150वें स्थान पर था। हमारी यह अब तक की सबसे निचली रैंकिंग थी। उसकी पोजिशन 2017 के बाद से ही निरंतर गिरती रही है। सरकार ने भले ही इस रिपोर्ट से असहमति जताई, लेकिन हाल के समय में कुछ परेशान कर देने वाले ट्रेंड्स उभरे हैं, जिनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। पहला यह है कि सरकार की किसी भी तरह की आलोचना को राष्ट्रविरोधी या राष्ट्रीय सुरक्षा के विरुद्ध करार दे दिया जाता है। जबकि आलोचना को लोकतंत्र में एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है और विपक्ष के साथ ही मीडिया-प्रेस को इसका अधिकार भी दिया जाता रहा है।

हर साल 3 मई को यूएन और यूनेस्को द्वारा विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। हमारी तमाम स्वतंत्रताएं कमोबेश मीडिया की आजादी से जुड़ी हैं। भारत में संविधान के 19वें अनुच्छेद ने अभिव्यक्ति की आजादी को बुनियादी अधिकारी निर्दिष्ट किया है, जिसमें मीडिया की स्वतंत्रता भी निहित है। प्रेस स्वतंत्रता दिवस की 30वीं वर्षगांठ एक अवसर है कि हम देश में मीडिया की आजादी का संतुलित विश्लेषण करें।

अंतर्राष्ट्रीय सूची की बात करें तो इंडेक्स रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स नामक एक अंतरराष्ट्रीय एनजीओ बनाता है। वे अपनी रैंकिंग के लिए अनेक महत्वपूर्ण सूचकांकों का उपयोग करते हैं। इनमें मीडया की स्वायत्तता, उस पर राजनीतिक दबाव, नेताओं और सरकार को जवाबदेह ठहराने की आजादी, पत्रकारों की निजी और पेशेवर सुरक्षा आदि शामिल हैं। और, इस एजेंसी को लेकर दुनिया के बाकी किसी देश ने खुले तौर पर नकारा भी नहीं है। इसलिए आज यह कहा जा सकता है कि प्रेस पर खतरा तो है।

देखा जाए तो संविधान ने अनुच्छेद 19(2) में राज्यसत्ता को अधिकार दिए हैं कि वह भारत की सम्प्रभुता व एकता की रक्षा, राज्य की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था कायम रखने, अदालत की अवमानना या लोगों को उकसाने वाली किसी भी कार्रवाई पर रोक लगाने के लिए अभिव्यक्ति की आजादी पर 'समुचित प्रतिबंध' लगा सकती है। लेकिन वर्ष 2020 में जब एक मलयाली चैनल मीडिया वन टीवी को सरकार द्वारा ब्लॉक कर दिया गया था तो सर्वोच्च अदालत ने इस आदेश को उलटते हुए स्पष्ट कहा कि सरकारी नीतियों की आलोचना को अनुच्छेद 19(2) में निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं माना जा सकता है। वर्ष 2021 में जब दिवंगत पत्रकार विनोद दुआ पर राजद्रोह का मामला दर्ज किया गया था तो सर्वोच्च अदालत ने एफआईआर को खारिज करते हुए मीडिया पर मनमानी कार्रवाई की प्रवृत्ति को आड़े हाथों लिया था। सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि प्रेस की जिम्मेदारी है सत्ता को सच बताना और सरकार इसे नीतियों की आलोचना करार देते हुए उस पर अंकुश नहीं लगा सकती।

2015 में श्रेया सिंघल बनाम भारत सरकार मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने आईटी एक्ट के अनुच्छेद 66(ए) को भी समाप्त कर दिया था, क्योंकि यह 'आपत्तिजनक' समझी जाने वाली सोशल मीडिया पोस्ट्स के आधार पर लोगों को गिरफ्तार करने की अनियंत्रित शक्तियां पुलिस को देता था। ऐसे और भी उदाहरण हैं, जहां सर्वोच्च न्यायालय ने सत्ता को रास्ता दिखाया है। अब यह बात और है कि सत्ताधीश उस पर कितना अमल करते हैं। लेकिन कहीं न कहीं मीडिया की आजादी को लेकर हलचल तो है।

1975-77 में आपातकाल के दौरान जब सरकार के नियंत्रण वाला दूरदर्शन उसके गुण गाता था, तब भी ग्रामीण क्षेत्रों तक के लोग वास्तविकता जानने के लिए बीबीसी रेडियो लगा लिया करते थे। सरकारें चाहे जिस विचारधारा की हों, वे ऐसे 'सहयोगी' मीडिया को महत्व देती हैं, जो उनकी प्राथमिकताओं को सामने रखे, नीतियों का प्रचार करे और उनकी कम से कम आलोचना करे। सरकार अनेक तरीकों से लक्ष्यों को अर्जित कर सकती है। मीडिया बना सकती है, विचारकों को प्रभावित कर सकती हैं, मीडिया आउटलेट्स पर स्वामित्व रखने वाले कॉर्पोरेट्स से मैत्री बना सकती हैं इत्यादि। लेकिन मीडिया प्लेटफॉर्मों को धमकाने, उन पर दबाव बनाने, उन्हें दंडित करने- जिसमें उन्हें विज्ञापन नहीं देना भी शामिल है- लोकतंत्र की सीमारेखा को लांघने वाली गतिविधि ही कहलाएगी।

आज विश्व भर में प्रेस पर हमले बढ़ते दिख रहे हैं। पत्रकारों की हत्याओं के मामले भी बढ़ रहे हैं। भारत भी इनमें शामिल है। और यहां भी पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग तेज हुई है। एक तरफ वो मीडिया है, जो निजी होते हुए सरकार के कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। दूसरा वो जो एकदम खिलाफ दिख रहा है। दूसरा मीडिया, कम है। कमजोर है। और सत्ता का शिकार भी है। फिर भी, लोकतंत्र में प्रेस- मीडिया का महत्व कम नहीं होता। और न होगा। मीडिया को अपने धर्म का पालन करना चाहिए। सत्ता हो या समाज, मीडया की भूमिका निष्पक्ष के साथ ही मार्गदर्शक की भी होना चाहिए। उम्मीद तो कर ही सकते हैं।

सुनी सुनाई: चार सीटों पर कांग्रेस की जबरदस्त तैयारी

रवीन्द्र जैन

मप्र के चार मंत्रियों की विधानसभा सीटों पर कांग्रेस जबरदस्त तैयारी कर रही है। दतिया, सुरखी,

खुरई और बदनावर में कांग्रेस पूरी ताकत लगाने के मूड में है। मजेदार बात यह है कि इनमें खुरई छोड़कर तीनों सीटों पर कांग्रेस भाजपा के पुराने नेताओं को अपना उम्मीदवार बना सकती है। दतिया में गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के सामने संघ के पुराने स्वयंसेवक अवधेश नायक कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं।

खुरई में नगरीय विकास मंत्री भूपेन्द्र सिंह के खिलाफ पूर्व सांसद आनन्द अहिरवार को उतारा जा सकता है। अहिरवार सागर जिला कांग्रेस अध्यक्ष हैं। खुरई में अहिरवार समाज के 50 हजार वोट बताये जाते हैं। सुरखी में परिवहन मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत के सामने भाजपा से राजेन्द्र सिंह मोकलपुर को कांग्रेस में लाने के प्रयास शुरु हो गये हैं। बदनावर में उद्योग मंत्री राजवर्धन सिंह से मुलाबले के लिए कांग्रेस ने भाजपा के पूर्व विधायक भंवरसिंह शेखावत पर डोरे डालना शुरु कर दिया है। वैसे भी शेखावत आजकल अपनी पार्टी से नाराज चल रहे हैं। वे नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविन्द सिंह के खास मित्र भी हैं।

हेट स्पीच में फंस सकते हैं बागेश्वर महाराज

देश भर में तेजी से लोकप्रिय हो रहे कथा वाचक बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री हेट स्पीच में फंस सकते हैं। जल्दी ही पुलिस को उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करना पड़ सकती है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने हेट स्पीच को लेकर सभी राज्यों को सख्त आदेश दिया है। कि धार्मिक भावनायें भड़काने वालों के

खिलाफ शिकायत आने से पहले ही राज्य सरकार स्वयं एफआईआर दर्ज करे।

बागेश्वर महाराज ने जिस तरह हैहय क्षत्रिय समाज के भगवान सहस्त्रार्जुन के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक भाषा का उपयोग किया है वह हेट स्पीच की श्रेणी में आता है। बागेश्वर महाराज ने भगवान सहस्त्रार्जुन को कुकर्मी, बलात्कारी और राक्षस तक बता दिया है। उनके इस वीडियो से देश भर के लगभग 15 करोड़ हैहय क्षत्रिय वंशी नाराज हैं। बीते चार दिन से उनके खिलाफ एफआईआर कराने की मांग जोर पकड़ रही है। खास बात यह है की सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा है कि हेट स्पीच पर एफआईआर न करना कोर्ट की अवमानना माना जाएगा। यानि बागेश्वर महाराज की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

राजभवन में बना वार रूम

अभी तक तो राजनीतिक दलों के अपने वार रूम होते हैं, लेकिन इस बार राजभवन को वार रूम की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। इसकी जमावट दो साल पहले ही हो चुकी थी। राज्यपाल ने मप्र के आदिवासियों के हितों के नाम पर कल्याण शाखा का गठन किया था। जिसमें रिटायर्ड आईएएस के अलावा अन्य आईएएस अधिकारी को पदस्थ किया गया। इन अफसरों ने आदिवासियों का कितना हित किया है, यह तो राजभवन ही जाने, लेकिन इतना जरूर है कि राजभवन में पदस्थ एक आईएएस आदिवासी अधिकारी-कर्मचारी संगठन (आकास) के मुखिया हैं। इस संगठन से प्रदेश भर में कई आदिवासी कर्मचारी अधिकारी जुड़े हैं। जिन्हें बाकायदा राजभवन से कमांड किया जा रहा है। मजेदार बात यह है कि दो महीने पहले भोपाल में डिलिस्टिंग की मांग को लेकर प्रदर्शन करने वाले समूह के कुछ लोगों को राजभवन के वार रूम का हिस्सा बनाया गया है। वार रूम किसी दल के लिए काम कर रहा है या समाज के लिए यह तो राज्यपाल ही बता सकते हैं।

बाल आयोग की टीम की मसूरी में तफरी

मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम हिल स्टेशन मसूरी में तफरी करके लौट आई है। पिछले दिनों आयोग की टीम मसूरी में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा आयोजित कार्यशाला में हिस्सा लेने गई थी। मजेदार बात यह है कि टीम के कुछ सदस्यों ने सोशल मीडिया पर मसूरी की खूबसूरत वादियों के परिवार के साथ फोटो अपलोड किए हैं। यही बात विभाग को खटक गई है। अब विभाग की टीम इस तफ्तीश में जुट गई है कि आखिर बाल आयोग के सदस्यों ने परिवार का मसूरी भ्रमण का खर्च खुद उठाया या फिर आयोग को उठाना पड़ा। विभाग में बाल आयोग की टीम का मसूरी दौरा चर्चा का विषय बना हुआ है।

बिकाऊलाल की तबादले की दूकान

मप्र भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के मेडीकल प्रकोष्ठ के संयोजक रवि परमार से भोपाल पुलिस खासी परेशान हैं। रवि परमार स्वास्थ्य विभाग में घपलों और नर्सिंग घोटाले को लेकर राजधानी में तीखे आन्दोलन कर चुके हैं। रवि परमार न तो जेल जाने से डरते हैं और न ही पुलिस के डंडों से घबराते हैं। इस सप्ताह उन्होंने मप्र के स्वास्थ्य मंत्री प्रभुराम चौधरी के बंगले पर पहुंच कर उनकी नेमप्लेट पर मंत्री को बिकाऊ लाल चौधरी और उनके घर को तबादले की दूकान लिखकर पोस्टर चस्पा कर दिया। मंत्री या उनके परिजनों की हिम्मत नहीं हुई कि पुलिस में शिकायत करा सकें। बंगले पर तैनात होमगार्ड के एक जवान से टीटी नगर थाने में एफआईआर कराई गई। लेकिन अपराध सात वर्ष से कम होने के कारण पुलिस को रवि परमार को गिरफ्तार कर थाने से ही जमानत पर छोड़ना पड़ा। पुलिस को चिन्ता है कि जिस तरह रवि परमार की मंत्रियों के खिलाफ तीखे आन्दोलन की हिम्मत बढ़ती जा रही है, आने वाले समय में वह कुछ बड़ी अनहोनी न कर दे।

भाजपा में जा सकते हैं एक और कांग्रेस विधायक

बुंदेलखंड के एक प्रभावी कांग्रेस विधायक भाजपा के पाले में जाते दिख रहे हैं। दरअसल पिछले दिनों मप्र कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने इस विधायक को बुलाकर कहा था कि क्षेत्र में उनकी स्थिति कमजोर है। इसलिए क्षेत्र पर फोकस करो। यह बात विधायक ने अपने कथावाचक गुरु को बताई। कथावाचक की भाजपा में तगड़ी पैठ हो गई है। चर्चा है कि कथावाचक ने कांग्रेस विधायक को भाजपा से टिकट दिलाने की चर्चा शुरु कर दी है। उम्मीद है कि भाजपा नेतृत्व कथावाचक की बात को नहीं टाल सकता। यदि सब कुछ ठीक रहा तो कांग्रेस का एक और विधायक भाजपा के पाले में आ सकता है। विधायक जी इन कथावाचक के साथ देश विदेश में साथ देखे जाते हैं।

और अंत में

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साले संजय सिंह मसानी इस समय प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के सबसे भरोसेमंद नेता हैं। लेकिन कांग्रेस के ही विधायक देवेन्द्र पटेल उनसे परेशान हैं। देवेन्द्र पटेल रायसेन की उदयपुरा सीट से विधायक हैं। बताया जाता है कि इस विधानसभा क्षेत्र में किरार वोटों की संख्या काफी है। खबर आ रही है कि संजय मसानी ने उदयपुरा क्षेत्र में सक्रियता बढ़ा दी है। संजय सिंह को कांग्रेस ने पिछली बार बालाघाट की वारासिवनी सीट से टिकट दिया था। वहां उनकी शर्मनाक हार हुई थी। अब सवाल यह है कि क्या कमलनाथ अपने मौजूदा विधायक का टिकट काटकर संजय मसानी को उदयपुरा से उम्मीदवार बनायेंगे। जिनका उदयपुरा में जाति के अलावा कोई आधार नहीं है।

राजवाड़ा-2-रेसीडेंसी: मंत्री का टिकट और मुख्यमंत्री की उम्मीदवारी

अरविंद तिवारी

प्रदेश के एक वरिष्ठ मंत्री से उन्हीं के क्षेत्र में टिकट की दावेदारी कर रहे एक भाजपा नेता ने जब कहा कि यदि तीन-चार टर्म वाले विधायकों को इस बार पार्टी ने टिकट नहीं दिया तो फिर आपकी उम्मीदवारी भी खतरे में पड़ जाएगी।

मंत्री ने जो जवाब दिया उसे सुनकर आप भी चौंक पड़ेंगे। उन्होंने कहा यदि मेरा टिकट कटा तो फिर शिवराज जी का टिकट भी खतरे में पड़ जाएगा, क्योंकि वे तो मुझसे ज्यादा बार विधायक रह चुके हैं। जवाब सुनने के बाद नेताजी चुप हो गए और मंत्रीजी ठहाका लगाते हुए बोलेज्ठीक रहा न अपना दाव।

चर्चा बस एक ही, सिंधिया भारी हो रहे हैं या कमजोर

भाजपा में या यूं कहें कि कांग्रेस से भाजपा में आए नेताओं में एक चर्चा जोर पकड़े हुए है। दरअसल ये नेता समझ नहीं पा रहे हैं कि पार्टी में उनके नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया का कद घट रहा है या बढ़ रहा है। प्रदेश में ग्वालियर-चंबल संभाग में जिस तरह से बड़े नेताओं के इशारे पर सिंधिया की टांग खिंचाई शुरू हो गई है और मालवा-निमाड़ में जिस अंदाज में उनके दौरे नियंत्रित किए गए हैं, उससे चर्चाओं का बाजार गर्म है।

इसे पार्टी में उनके कम होते वजन का संकेत बताया जा रहा है। सिंधिया समर्थकों के लिए संतोष की बात यह है कि दिल्ली में उनके नेता का वजन बरकरार है, क्योंकि भाजपा के माईक-वन और टू यानि नरेंद्र मोदी और अमित शाह उन्हें बहुत पसंद करते हैं।

सुहास भगत-हितानंद का तालमेल, भविष्य की भूमिका से जुड़ा मामला

सुहास भगत के संगठन महामंत्री रहते हुए जो नेता सत्ता, संगठन या निगम मंडल में महत्वपूर्ण दायित्व पाने में सफल रहे थे, वे अभी भी उतने ही निश्चिंत हैं, जितने भगत के कार्यकाल में थे। सवाल खड़ा होता है कि आखिर ऐसा क्यों? जवाब भाजपा के प्रदेश कार्यालय से ही मिल जाता है कि जब तक भगत के प्रियपात्र हितानंद संगठन महामंत्री की भूमिका में हैं इनकी बल्ले-बल्ले ही है। भगत और हितानंद का तालमेल आज भी वैसा ही है, जो भगत के संगठन महामंत्री रहते हुए था। वैसे इस तालमेल का एक बड़ा कारण सुहास भगत की संघ में भविष्य की भूमिका को भी माना जा रहा है।

लोक से लुभाते शिवराज, चुनाव बदला देते हैं प्राथमिकता

महाकाल लोक की सफलता के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दतिया में पिताम्बरा लोक बनाने की घोषणा कर दी है। इसके पहले वे महेश्वर में अहिल्या लोक बनाने की बात कह चुके हैं।

लोक से लुभावने का मामा का यह अलग अंदाज है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि शिवराज अधूरे रामपथ गमन पथ को भूल गए हैं, प्रदूषित नदियों को साफ करवाने में उनकी कोई रुचि नहीं है या नर्मदा किनारे पौधा रोपण उनके एजेंडे से बाहर हो गया। दरअसल यह जैसा देश, वैसा भेष जैसी बात है। अभी चुनाव सामने हैं और जिस फार्मूले से ज्यादा वोट मिल सकते हैं, वही शिवराज की प्राथमिकता हो जाता है।

उम्र का यह मुकाम और बेटे का टिकट

उम्र के इस मुकाम पर भी अभी पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन राऊ विधानसभा क्षेत्र के गांव में बेटे मिलिंद महाजन को लेकर पहुंच रही हैं तो सब समझ आ रहा है। मिलिंद को राऊ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के टिकट का दावेदार माना जा रहा है और सुमित्रा जी का गांव-गांव दस्तक देना बेटे के लिए आधार तैयार करने की कवायद ही है। इस विधानसभा क्षेत्र का शहरी क्षेत्र किसी भी महाराष्ट्रीयन उम्मीदवार के लिए बहुत मुफीद माना जाता है। ? वैसे मधु वर्मा और जीतू जिराती जैसे मजबूत दावेदारों से हटकर पार्टी मिलिंद पर कितना भरोसा करती है यह तो वक्त ही बताएगा।

तो मुंह काला करना और गधे पर बैठाकर जुलूस निकाल देना

कांग्रेस को फिर सत्ता में लाने के लिए दिग्विजय सिंह प्रदेश के दौरे पर निकल चुके हैं और इस बार उनके साथ रामेश्वर नीखरा हैं। 2018 के चुनाव के पहले भी दिग्विजय सिंह ने इसी तरह प्रदेश की परिक्रमा की थी और तब उनके साथ महेश जोशी हुआ करते थे। दिग्विजय का फोकस अभी उन सीटों पर है, जहां कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है।

अब जरा दिग्विजय का अंदाज देखिए, जावद में उन्होंने कांग्रेस के टिकट के दो मजबूत दावेदार सत्यनारायण पाटीदार और राजकुमार अहीर के हाथ में माईक पकड़वाया और कहलवा दिया कि जिसे भी पार्टी का टिकट मिलेगा हम उसके लिए ईमानदारी से काम करेंगे और निर्दलीय चुनाव तो बिल्कुल नहीं लड़ेंगे। पाटीदार तो अहीर से एक कदम आगे निकले और बोले यदि मैं ऐसा करूं तो मेरा काला मुंह करके गधे पर बैठाकर जुलूस निकाल देना। इसे कहते हैं राजा का दिग्विजय दाव।

कौन होगा इंदौर का नया संभागायुक्त

आईएएस अफसरों की तबादला सूची जल्दी ही आने वाली है। तय है कि इस सूची में इंदौर के संभागायुक्त पवन शर्मा का नाम रहेगा ही, क्योंकि वे इस पद पर तीन साल पूरे कर चुके हैं। शर्मा का उत्तराधिकारी कौन होगा, इसको लेकर भी खुसर-फुसर शुरू हो गई है। इस सूची में कई नाम हैं, लेकिन सबसे मजबूत दावेदार राज्य कर आयुक्त और इंदौर के पूर्व कलेक्टर लोकेश जाटव और जनसंपर्क आयुक्त रह चुके सुदाम खाडे को माना जा रहा है। यह भी तय है कि शर्मा भोपाल में किसी बड़े विभाग की कमान संभालेंगे। देखते हैं ये फेरबदल कब आकार लेता है।

चलते-चलते

जैसे-जैसे सेवानिवृत्ति का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे पुलिस मुख्यालय की दो महत्वपूर्ण शाखाओं में पदस्थ एडीजी रैंक के दो अफसरों की घेराबंदी में उन्हीं के कुछ मातहत कोई कसर बाकी नहीं रख रहे हैं। पता करिए ये दो अफसर कौन हैं? वैसे इन दोनों का फील्ड पोस्टिंग का लंबा रिकार्ड है।

पुछल्ला

जिस दिन इंदौर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गोलू शुक्ला ने मरीमाता चौराहे पर कन्हैया मित्तल की भजन संध्या आयोजित की उसी दिन उनके भाई कांग्रेस विधायक संजय शुक्ला ने अपने यहां पोता होने की खुशी में ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में कॉकटेल पार्टी दे डाली। है न विचित्र संयोग।

अब बात मीडिया की

दैनिक भास्कर इंदौर में जल्दी ही बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। यह बहुप्रतीक्षित बदलाव यहां के रिपोर्टर्स की बीट में बदलाव के रूप में होगा। सालों से एक ही बीट पर काम कर रहे रिपोर्टर्स इस बदलाव में प्रभावित हो सकते हैं।

वरिष्ठ पत्रकार लीथा थम्पी फिर से टीम टाइम्स ऑफ इंडिया का हिस्सा हो गई हैं। वे पहले भी सालों तक इस अखबार में सेवाएं दे चुकी हैं।

वरिष्ठ पेज डिजाइनर दयाल वर्मा अब पुन: टीम प्रजातंत्र का हिस्सा हो गए हैं। इस बीच कई वे कई अखबारों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

साप्ताहिक सद्भावना पाती अब दैनिक अखबार हो गया है। कहने को तो डॉ. देवेन्द्र मालवीय इसके सर्वेसर्वा हैं, लेकिन पर्दे के पीछे वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मीकांत पंडित अहम भूमिका में रहेंगे।

प्रेस का कुशल मंगल आखिर किसके लिए!

-जयराम शुक्ल

संविधान के प्रावधानों से इतर लोकमानस में चौथे स्तंभ के तौरपर स्थापित प्रेस आज भी अन्य स्तंभों से ज्यादा विश्वसनीय, सहज और सुलभ है। समस्याओं से घिरा आम आदमी सबसे पहले अखबार के दफ्तर में जाकर फरियाद करता है। थाने, दफ्तरों और भी सरकरी गैर सरकारी जगहों में जब वह दुरदुराया जाता है तो उसका आखिरी ठिकाना भी प्रेस का ही दफ्तर होता है। यह छपे हुए शब्दों की ताकत है जो प्रेस को तमाम लानतों मलानतों के बावजूद प्रभावी बनाए हुए है।

बहुत सी धारणाओं की स्थापना लोकमानस के जरिये होती है। जैसे प्रेस का मतलब आज भी अखबार और पत्रिकाएं हैं न कि टीवी चैनल और बेव पोर्टल। इसलिए प्रेस के समानांतर %मीडिया% के नाम को चलाने के जतन शुरू हुए लेकिन प्रेस शब्द का रसूख कायम है। इस शब्द को अभी भी ऐसा उच्च सम्मान प्राप्त है कि अपराधी भी प्राय: इसे ढाल की तरह इस्तेमाल करने लगते हैं। कमाल की बात है कि जिस %प्रेस% शब्द को भारतीय संविधान ने अपने पन्नों में भी जगह नहीं दी उसे लोक मानस ने आगे बढ़कर सिरोधार्य किया।

अस्सी के दशक के शुरुआती वर्षों में जब टेलीविजन आया तो लोगों ने यह कहना शुरू कर दिया कि अखबारों के दिन गए। प्रेस के भविष्य पर गंभीर चर्चाएं शुरू हुई। लेकिन टीवी का आना फायदे का ही साबित हुआ। अखबार ज्यादा सतर्क हुए। रंगीन होने का दौर शुरू हुआ। लेआउट्स और प्रोडक्शन की दृष्टि से क्रांतिकारी परिवर्तन हुए। बड़े घरानों से लेकर मध्यम दर्जे तक के अखबार प्रतिष्ठानों में आर एंड डी(रिसर्च एन्ड डवलपमेंट) के विभाग खुले।

अस्सी के दशक को आप प्रेस का सुनहरा दौर कह सकते हैं। खुफिया कैमरे, और बटन रिकार्डर नहीं थे फिर भी एक के बाद एक सनसनीखेज खोजी रिपोर्ट्स आईं जिनकी नजीर आज भी दी जाती है। अंतुले सीमेंट घोटाला कांड का परदाफाश हुआ, इसके बाद खोजी खबरों की झड़ी सी लग गई। सबसे बड़ा धमाका 86-87 में बोफोर्स का हुआ।

रविवार, दिनमान, माया, इलुस्ट्रेटेड वीकली, साप्ताहिक हिंदुस्तान, धर्मयुग जैसी पत्रिकाएं दैनिक अखबारों से लोहा लेने लगी। अखबार और पत्रिकाओं में आगे निकलने की कड़ी स्पर्धा शुरू हुई। इस दशक में रिकॉर्ड तोड़ पाठक बढ़े और उसी हिसाब से नए अखबार और जमे-जमाए अखबारों के संस्करण। दूरदर्शन काला- सफेद से रंगीन हुआ। दर्शक जीवंत खबरें देखने लगे। टीवी अखबारों के लिए कैटलिस्ट साबित हुआ। पढ़ने की भूख जगी। यह प्रेस पर पाठकों की कृपा है, ये इज्जत, शोहरत, ताकत लोक की वजह से है सरकार की वजह से नहीं, यह बात अच्छे से समझ लेना चाहिए।

छपे हुए शब्द आज भी सबसे ज्यादा विश्वसनीय और खरे हैं। हाल ही की एक सर्वे रिपोर्ट बताती है कि पाठकों का भरोसा मुद्रित माध्यमों के प्रति और बढा है। 1990 के बाद निजी क्षेत्र के चैनल आए। खबरों की बड़ी.स्पर्धा शुरू हुई। विदेशी चैनलों के लिए भी दरवाजे खोल दिए गए। एक बार फिर इस जनसंचार क्रांति से ऐसा लगा कि अखबार और पत्रिकाओं का भट्ठा बैठ जाएगा। कुछ शुरुआती असर दिखा भी लेकिन लोकमानस में चैनल्स खबरों को लेकर अपनी छाप नहीं छोड़ पाए, जबकि ये ऐसे माध्यम हैं कि खबरें जीवंत दिखती हैं।

सर्वे ये बताते हैं कि चैनल्स अखबारों के हित में ही रहे। खबरों की भूख बढ़ाने का काम किया अखबार और भी गंभीरता से पढ़े जाने लगे। प्रसार के हर साल जारी होने वाले आँकड़े बताते हैं कि अखबारों के प्रसार का दायरा दिनोदिन बढ़ता ही जा रहा है।

अब आते हैं प्रेस की स्थिति पर। प्रेस की इस महत्ता ने हर क्षेत्र के व्यवसाइयों को अपनी ओर खींचा है। बिल्डर,चिटफंडिये,खदानों और शराब का ठेका चलाने वाले, राजनीति में रसूख जमाने की लालसा रखने वाले नवकुबेर, प्रेस ने सभी को लुभाया।

एक बड़े व्यापारी ने सच्चा किस्सा बताया- मैं एक हजार करोड़ के टर्न ओवर वाला व्यापारी किसी काम से बल्लभभवन गया पीएस से मिलने। चार घंटे बैठे रहने के बाद भी मेरा नंबर नहीं आया जबकि विधिवत् अपाइंटमेंट ले रखा था। कुछ लोग आते सीधे चैम्बर में घुस जाते। मैंने पूछा ये कौन लोग हैं? चपरासी ने बताया कि ये प्रेस वाले हैं। तभी मेरे दिमाग में आया कि क्यों न हम भी प्रेस शुरू कर दें। उक्त व्यवसायी ने अखबार शुरू कर दिया। अच्छे पत्रकारोंको नौकरी में रख लिया फिर हुआ यह कि जो कभी चार घंटे पीएस का इंतजार करते बैठा करता था उसके ही दफ्तर उस पीएस के मंत्री और यहां तक कि मुख्यमंत्री भी आने लगे।

ऐसे लोगों के लिए अखबार व्यवसाय का कवच और विजिटिंग कार्ड बन गया। यहीं से एक मुगालता और शुरू हुआ कि ऐसे व्यवसायी जो अखबार के मालिक बन गए, ने सोचा क्यों न अखबार के दम पर उल्टीसीधी फाइलें ओके करवा ली जाएं यानी कि अखबार को कट्टे की तरह इस्तेमाल करने की कोशिशें हुईं। प्रेस को जब आप प्राँस बनाएंगे तो प्रेस की आत्मा वहीं शरीर छोड़कर भाग जाएगी। एक मित्र गिनती लगाकर बता रहे थे कि कोई दो दर्जन से ज्यादा ऐसे अखबार और चैनलों के मालिक हैं जो जेल की हवा खा रहे हैं। कईयों के यहां ऐसे छापे पड़े कि वे अबतक सँभल नहीं पा रहे हैं।

कहने का आशय यह कि प्रेस को पेशेवराना अंदाज से ही चलाया जा सकता है इसलिये मीडिया के पुराने घराने ही इस मैंदान में कायम हैं। वे वो हर तिकड़म जानते हैं कि कैसे उनका रसूख भी कायम रहे और मीड़िया का धंधा भी चलता रहे। 1966 में प्रेस कौंसिल आफ इंडिया के गठन के बाद अखबारों में काम करने वालों के हित में कई वेजबोर्ड बने। तीस साल से बछावत, बेजबरुआ और मजीठिया का नाम सुन रहे हैं, शायद ही किसी मीड़िया घराने ने ईमानदारी से इनकी सिफारिशें लागू की हों। ये सभी बोर्ड सुप्रीम कोर्ट के माननीय जजों की अध्यक्षता में बने। इन दिनों मजीठिया की सिफारिशों को लागू करने पर जोर है। प्राय: सभी बड़े मीडिया समूहों ने इसका रास्ता निकाल लिया। अपनी ही आउटसोर्स कंपनियां बना लीं और पत्रकारों को नौकरी छोड़ने या आउटसोर्स कंपनी में काम करने का विकल्प रखा। मजबूरी में पत्रकार ने इसे स्वीकार कर लिया। अभी कुछ दिन पहले दिल्ली के एक बड़े मीडिया समूह से निकाले गए एक पत्रकार की लावारिस मौत सुनकर दहल गया। वह न्याय को लेकर लड़ाई लड़ रहा था। व्यवस्था ने साथ नहीं दिया।

आज की तारीख में सबसे कच्ची नौकरी पत्रकारों की है। वे कल किस वक्त निकाल बाहर कर दिए जाएं इसका पता नहीं। अखबारों में दूसरों के शोषण की बात करने वाला खुद कितना शोषित है कि इसका जिक्र तक नहीं कर सकता। बड़े अखबारों में इस बात की घोषित मनाही है कि वह पत्रकारों की यूनियन से नहीं जुड़ेगा। पत्रकारों की यूनियनें बँटी हुई हैं। श्रम कानूनों को सरकारों ने ही बधिया बनाके रखा है। सो पत्रकार जो दुनिया की नजरों में बड़ा क्रांतिकारी है, घुट घुटकर मरता है।

आँचलिक पत्रकारिता की तो और दुर्गति है। पहले अखबार मालिक उन्हें उतनी ही गंभीरता से लेते थे जैसे बस मालिक अपने.कंडक्टर को। अब तो स्थित यह है कि मामूली से वेतन और विग्यापन के भारी टारगेट के आधार पर ब्यूरो खोले जाते हैं और जो बैठता है खुद को चीफ कहवा कर ही साँत्वना दे लेता है। इस प्रक्रिया में अपराधियों का तबीयत से पत्रकारीकरण हो गया है। चैनल्स के क्षेत्रीय संवाददाताओं की स्थिति तो और भी गई गुजरी है। इनके हितों की रक्षा कौन करे.?

प्रेस कौंसिल: प्रेस कौंसिल को 1966 में प्रेस के हितों की रक्षा व उन्हें मर्यादित करने के लिए गठित किया गया था। चूँकि 16 नवंबर से उसने काम करना शुरू किया था इसलिए इस दिन को राष्ट्रीय प्रेस दिवस घोषित कर दिया। इसके अध्यक्ष अमूमन सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज होते हैं। इस संस्था को प्रेस का .वाँचडाग.. कहा जाता है। लेकिन इसके रहते ही वो पत्रकार न्याय माँगते हुए बाराखंभा रोड के फुटपाथ में मर गया। यह संस्था कुछ नहीं कर पाई। वह इसलिए कि जिस तरह के अधिकार बार कौंसिल, मेडिकल कौंसिल,टेक्निकल कौंसिल को मिले हैं वैसे अधिकार प्रेस कौंसिल के पास नहीं है। प्रेस कौंसिल यह भी तय नहीं कर सकता कि किसे पत्रकार कहा जाए किसे नहीं। सबसे बड़ा झगड़ा यह है कि टीवी और डिजिटल मीडिया को प्रेस क्यों माना जाए..! और माना जाए तो प्रेस कौंसिल ने उसे किस तरह परिभाषित किया है इसपर कभी कोई गंभीर विमर्श नहीं हुआ। इसबीच समानांतर मीडिया की भी बात हाशिए से मुखपृष्ठ पर आ गई। फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग ने वाशिंगटन की जार्जटाउन यूनिवर्सिटी के एक व्याख्यान में कहा कि सोशल मीडिया अब दुनिया का पाँचवाँ स्तंभ है। यह बात भारत के संदर्भ में और भी महत्वपूर्ण हो जाती है उसकी वजह यह कि यहां अमेरिका की तरह संविधान में प्रेस को परिभाषित नहीं किया गया है। इसलिए अभिव्यक्ति की आजादी का उपभोग हर वह व्यक्ति एक पत्रकार के तौरपर कर सकता है जिसके पास अभिव्यक्ति के तकनीकी माध्यम हैं।

सोशल मीडिया ऐसा ही माध्यम है। हम कह सकते हैं कि आज की तारीख में देश में जितने एँड्रायड फोन धारक हैं और नेट तथा सोशलमीडिया का उपभोग करते हैं वे सबके सब पत्रकार हैं। आप देख भी रहे होंगे कि फेसबुक और व्हाट्सएप में ब्रेकिंग न्यूज़ आ रही हैं। जिनका वास्ता टीवी या अखबारों से नहीं है वे भी अच्छे विश्लेषण पोस्ट कर रहे हैं। उनके पास भी इनवेस्टगेटिव रिपोर्ट है। कभी-कभी तो मुख्यधारा की मीडिया ही सोशल मीडिया का पिछलग्गू लगता है।

अमेरिका, यूरोप में ऐसी स्थिति नहीं है। वहां प्रेस संविधान के अनुच्छेद में है और उसकी स्वतंत्राता को चुनौती नहीं दी जा सकती। अमेरिकी पत्रकार सैमूरहर्ष ने मोरारजी को सीआईए का एजेंट लिखा। मोरारजी ने इसपर मुकदमा कायम किया। अमेरिकी अदालत ने बर्डन आफ प्रूफ का जिम्मा मोरारजी पर छोड़ दिया। सरकार इंदिरा जी की थी। मोरारजी को सरकार ने ऐसे दस्तावेज नहीं उपलब्ध कराए कि वे खुद को निर्दोष साबित कर सकें। सैमूरहर्ष जानते थे कि मोरारजी पर दोष नहीं निकलेगा। फिर भी मोरारजी कुछ नहीं कर पाए ।यह कलंक लिए हुए ही मरे।

हमारे यहां इसकी उलट स्थिति है। क्योंकि पत्रकार की औकात सामान्य नागरिक से ज्यादा कुछ भी नहीं। पत्रकार पर मुकदमा लगता है तो उसे साबित करना होता है कि जो हमने लिखा वो ठीक लिखा। सो प्रेस की आजादी और सुरक्षा की बात करनी है तो संविधान संशोधन कर प्रेस को संविधान के दायरे में लाया जाए। उसका अलग अनुच्छेद बने। और लिखा जाए की प्रेस की स्वतंत्रता को चुनौती नहीं दी जा सकती। वकील,डाक्टर की तरह पत्रकार की न्यूनतम योग्यता तय की जाए। तभी हम भविष्य के प्रेस का कुशल मंगल देख सकते हैं। वरना कितने भी कानून आएं,आयोग और बोर्ड बनें, हर साल राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाएं कुछ होना जाना नहीं है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

ग्रमीणों की शिकायत पर विधायक पांसे लोक निर्माण उच्च अधिकारी मिले

सावलमेंडा पहुँच मार्ग के निर्माण कार्य के लिए लोक निर्माण विभाग ने दे दी स्वीकृती

मुलताई । विधान सभा क्षेत्र मुलताई के ग्राम परमंडल, सर्रा, हेटी, डहुआ, चिचण्ड, उमरी, घाना, पिसाटा, बिरूल बाजार, करजगांव, एनस परमंडल, गौला, पौनी सावलमेंढा के ग्रामीणो द्वारा आवागमन मे हो रही परेशानियो से विधायक सुखदेव पांसे को अवगत कराते हुए मार्ग के निर्माण कार्य मार्ग का नवीनी करण एवं मजबूती करण किये जाने के लिए चर्चा की जिस पर कांग्रेस विधायक श्री पांसे ने लोक निर्माण विभाग के उच्चाधिकारियों को अगवत कराते हुए उपरोक्त ग्रामो के मार्ग के निर्माण कार्य नवीनी करण को मजबूती करण से कार्य स्वीकृत किये जाने हेतु निर्देशित किया था। जिसमे ग्राम परमंडल-सर्रा-हेटी-बुंडाला तक (लंबाई 11 कि.मी.) मार्ग का नवीनीकरण कार्य लागत लगभग 139 लाख रूपये डहुआ से चिचण्डा पहुंच मार्ग (लंबाई 10 कि.मी.) का नवीनी करण कार्य ग्राम उमरी से घाना डामरीकरण मार्ग निर्माण कार्य (लंबाई 1.5 कि.मी.) लागत 137 लाख रूपये, मुलताई-पिसाटा से बिरूल पहुंच मार्ग का मजबूती करण कार्य (लंबाई 6.6 कि.मी.)लागत 555 लाख रूपये, पुराने नेशनल हाईवे से ग्राम परमंडल पहुंच मार्ग का डामरीकरण कार्य (लंबाई 1 कि.मी.) लागत 1 करोड रूपये, ग्राम गौला से पौनी पहुंच मार्ग का डामरीकरण निर्माण कार्य एवं ग्राम बिरूल बाजार से सावलमेंढा पहुंच मार्ग निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा स्वीकृति प्रदान की है। पूर्व मे भी विधायक श्री पांसे द्वारा मुलताई विधान सभा क्षेत्र के चारो दिशा मे सुंदर सडक़ों का निर्माण कार्य स्वीकृत कराया है। जिसमे मुलताई-बोरदेही मार्ग, मुलताई-छिंदवाड़ा पहुंच मार्ग, मुलताई-वरूड़ मार्ग, मुलताई-मासोद मार्ग एवं नेशनल हाईवे 47 मार्ग प्रमुख है

फर्जी दस्तावेज कर किसान की जमीन बेची, किसान ने थाने में दिया आवेदन

बरेली 7 बरेली तहसील के ग्राम घोखेडा में आधा एकड़ कृषि भूमि की फर्जी किसान और दस्तावेज तैयार कर एग्रीमेंट अनुबंध कराकर जमीन बैचने का मामला प्रकाश में आया है। ग्राम धोखेडा में रहने वाले कृषक परिवार को जमीन बैचने के एग्रीमेंट अनुबंध का पता चला कि जिस पुश्तैनी जमीन को वह अपनी समझकर रहे हैं दरअसल में फर्जी दस्तावेज लगाकर एग्रीमेंट अनुबंध कर बेंच दी गई। जिससे कृषक परिवार के पैरों तले से जमीन खिसक गई। किसान तवर सिंह पटेल ने तत्काल थाने पहुंचकर बरेली थाना प्रभारी आशीष सप्रे को आवेदन दिया किसान ने बताया कि वर्तमान में मेरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर कृषि भूमि खसरा नंबर 269 1/1 रकबा नंबर 0.70 6 हेक्टेयर राजस्व अभिलेख में दर्ज है और मैं भूमि पर कृषि कार्य करता हूं 2 जून को मेरे भतीजे जीतेंद्र सिंह के पास हल्का पटवारी ने फोन लगाकर एग्रीमेंट की कॉपी भेजी और कहा कि आपने आधा एकड़ जमीन बेची दी है जब मुझे पता लगा और तत्काल मैंने इसकी जानकारी जुटाई और एग्रीमेंट देखा तो मेरी कृषि भूमि को अनुबंध पत्र तैयार कर किसी व्यक्ति ने डॉक्टर पीयूष चौबे भोपाल एवं डॉक्टर अजय रघुवंशी निवासी भोपाल को मेरी कृषि भूमि कि बेच? दी किसान ने थाना प्रभारी को आवेदन ?देते हुए गुहार लगाई है कि इस प्रकरण में जांच कर दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करे ।

नरगुवां जलाशय में डूबे छात्र का 3 दिन बाद मिला शव

दमोह जिले के तेंदूखेड़ा थाना अंतर्गत नरगुवां जलाशय में विगत दिवस रविवार शाम भैंस के चक्कर में डूब गए बी.टेक. स्टूडेंट मोहित लोधी का शव तीसरे दिन मंगलवार को बरामद कर लिया गया है. एसडीआरएफ दमोह एवं जबलपुर की रेस्क्यू टीम द्वारा मोटर वोट के जरिए तालाब के पानी में सघन तलाशी के बाद उसी स्थान पर मोहित का शव बरामद हुआ है जहां वह डूबा था. दरअसल हाल ही में हुई बारिश के कारण तालाब के जल स्तर में वृद्धि हो गई थी, वहीं तालाब में उस स्थान पर गहराई अधिक होने के साथ दल-दल नुमा हालात बने हुए थे. जिससे वह दलदल में धंसता चला गया था. यही वजह रही कि लगातार तलाश के बाद उसका शव नहीं मिल रहा था. जब उसका शव मिला तो आमतौर पर पानी में फूल जाने वाले शव की तरह वह फूली हुई नहीं थी, बल्कि सामान्य नजर आ रही थी.तेंदूखेड़ा एसडीओपी देवीसिंह ठाकुर ने बताया कि पुलिस ने मर्ग कायम करके शव को पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया है.।

जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं का कलेक्टर ने लिया जायजा

कलेक्टर नर्मदापुरम नीरज कुमार सिंह ने बुधवार सुबह जिला अस्पताल का निरीक्षण कर यहां स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने जिला अस्पताल में विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। कलेक्टर श्री सिंह ने सिविल सर्जन एवं अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित किया कि जिला अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने चिकित्सकों के ड्यूटी आदेश चेक कर निर्देशित किया कि सभी चिकित्सक रोस्टर अनुसार समय पर उपलब्ध हों। उन्होंने इमरजेंसी सेवाओं के लिए भी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएमएचओ और सिविल सर्जन को निजी चिकित्सकों से भी समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिला अस्पताल में हेल्पडेस्क का भी प्रभावी संचालन किया जाएं। मरीजों को कोई असुविधा ना हो इसका विशेष ध्यान रखे। एंबुलेंस सेवाओं का भी सुचारु संचालन किया जाएं। कलेक्टर श्री सिंह ने अस्पताल में आईसीयू वार्ड, एसएनसीयू, ओपीडी सहित अन्य वार्डों का भी निरीक्षण कर मरीजों की स्वास्थ्य स्थिति एवं बेड्स की उपलब्धता की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ डॉ दिनेश डेहलवार, सिविल सर्जन डॉ सुधीर विजयवर्गीय, डॉ सुनील जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

मोटरसाइकिलों की भिड़ंत में बैंक कर्मचारी सहित दो की मौत

शिवपुरी - जिले के अमोला थाना क्षेत्र में दो बाईकों में आमने सामने से खतरनाक भिडंत हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाईकों के चालकों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों को जिला चिकित्सालय लाया गया जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।जानकारी के अनुसार एक्सिस बैंक शिवपुरी में क्रेडिट कार्ड विभाग में काम करने बाला जीतेन्द्र भार्गव पुत्र संतोष भार्गव उम्र 26 साल निवासी वार्ड नंबर 14 करैरा अपनी पल्सर बाईक क्रमांक एमपी 33 एनए 6176 से शिवपुरी में काम खत्म कर वापिस अपने घर करैरा जा रहा था। तभी सामने से आ रही एक स्प्लेण्डर बाईक क्रमांक एमपी 33 एन ए 6176 के चालक से आमने सामने से भिडंत हो गई। यह भिडंत इतनी खतरनाक थी कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर जीतेन्द्र के परिजन जिला चिकित्सालय पहुंचे। जहां युवक की हालात देखते हुए वह उसे मृत मानने तैयार नही थे और वह उसे जिला चिकित्सालय से सिद्धिविनायक हॉस्पीटल लेकर गए। बताया गया है कि दूसरी बाईक के चालक की अभी शिनाख्त नहीं हो सकी है। यह बाईक खनियांधाना के देवरी गांव में बती आदिवासी के नाम पर रजिस्ट्रर्ड बताई जा रही है। इस युवक की जेब में न तो आधार कार्ड मिला है और न ही कुछ और, पुलिस युवक की शिनाख्त का प्रयास कर रही है।

बैतूल एवं भीमपुर मे आयोजित सामूहिक विवाह कायक्रम में 2135 जोड़ों ने लिए सात फेरे

प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए दृढ़ संकल्पित- प्रभारी मंत्री

बैतूल.मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनातर्गत मंगलवार को बैतूल एवं भीमपुर मे सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किए गए। बैतूल में पुलिस परेड ग्राउंड पर आयोजित कार्यक्रम में जिले के प्रभारी एवं स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) तथा सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री इंदरसिंह परमार ने नवदंपत्तियों को आशीर्वाद प्रदान किया। इस दौरान सांसद डीडी उइके, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजा पंवार, विधायक आमला डॉ. योगेश पंडाग्रे, पूर्व विधायक हेमंत खंडेलवाल, अलकेश आर्य, जिला भाजपा अध्यक्ष आदित्य शुक्ला, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसलाल धुर्वे, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती इमलाबाई जावलकर, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वतीबाई बारस्कर, कलेक्टर अमनबीर सिंह बैंस, सीईओ जिला पंचायत श्री अभिलाष मिश्रा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, वर-वधू एवं उनके परिजन मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मे प्रभारी मंत्री श्री परमार सहित अतिथियों ने कन्या पूजन किया। कार्यक्रम मे गायत्री परिवार द्वारा वैदिक पद्धति एवं भगत-भूमका द्वारा आदिवासी लोक परंपरा के अनुसार वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न कराए गए। साथ ही मुस्लिम परिवार के एक जोड़े का निकाह भी पढ़वाया गया। इस दौरान आदिवासी कलाकारों द्वारा नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। प्रदेश सरकार की लाड़ली लक्ष्मी योजना मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओ का महिलाओ को लाभ मिल रहा है। आज बैतूल और भीमपुर दोनों स्थानो पर 2135 बेटियां मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनांतर्गत दाम्पत्य जीवन में प्रवेश कर रही हैं। उन्होंने बैतूल मे 1200 एवं भीमपुर मे 935 जोड़ो के विवाह होने पर जिला प्रशासन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसी प्रकार के सफल आयोजन आगे भी होते रहेंगे। उन्होंने कहा कि बेटियों के जन्म से लेकर उनकी शिक्षा तथा विवाह तक की चिंता प्रदेश सरकार कर रही है। प्रदेश सरकार द्वारा अब लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 क्रियान्वित की जा रही है। पहले लाड़ली लक्ष्मी योजना मे कक्षा 12वी तक ही बेटियो को छात्रवृत्ति मिलती थी लेकिन लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 में कॉलेज में पढ़ाई करने वाली बेटियों को भी 25 हजार की राशि दी जा रही है। प्रभारी मंत्री श्री परमार ने कहा कि पहले आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे अच्छे स्कूल मे अध्ययन नहीं कर पाते थे, जिससे उनकी शिक्षा अधूरी रह जाती थी। प्रदेश सरकार द्वारा सीएम राइज स्कूल संचालित किए जा रहे है जिनमे शिक्षण की सारी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इन स्कूलों में हर बच्चा अध्ययन कर सकता है। इसके अलावा बाल वाटिका भी संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक व्यवस्था मे सुधार लाने के उद्देश्य से पुन-कक्षा 5वी एवं 8वी की परीक्षाए बोर्ड पैटर्न पर आयोजित की गई है। साथ ही आने वाले समय मे पाठ्यक्रम जनजातीय भाषाओ मे पढ़ाए जाएंगे इसके लिए तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के आंदोलन में बलिदान देने वाले सैनानियों को प्रदेश सरकार पूरा सम्मान दे रही है। इन सैनानियों की जानकारी इकट्ठा कर शीघ्र ही एक किताब लिखी जा रही है।

सांसद श्री डीडी उइके ने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा है कि हर महिला सशक्त बनें एवं हर क्षेत्र में प्रगति करे। प्रदेश सरकार महिलाओ के लिए कल्याणकारी योजनाओ का क्रियान्वयन कर रही है जिसका उन्हें लाभ भी मिल रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पंवार ने कहा कि यह बैतूल सहित समूचे जिले के लिए ऐतिहासिक दिन है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनांतर्गत बैतूल मे 1200 एवं भीमपुर मे 935 जोड़े परिणयसूत्र मे बंधने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सभी वर्गों के कल्याण की चिंता कर रही है।

विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने अपने संबोधन मे कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से आर्थिक रूप से कमजोर माता-पिता का धूमधाम से अपनी बेटी के हाथ पीले करने का सपना पूरा हो रहा है। प्रदेश सरकार की इस योजना ने गरीब माता-पिता की अपनी बेटी की शादी की चिंता खत्म कर दी।

पूर्व विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार की महिला कल्याणकारी योजनाएं महिलाओ को हर क्षेत्र मे सशक्त बना रही है। आर्थिक रूप से कमजोर माता-पिता के लिए बेटियां अब बोझ नही है। बेटी के जन्म से लेकर उसकी शिक्षा एवं विवाह के लिए प्रदेश सरकार योजनाएं संचालित कर रही है जिनका लाभ बेटियो को मिल रहा है। कार्यक्रम को पूर्व विधायक अलकेश आर्य ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम मे प्रभारी मंत्री श्री परमार ने पांच नव दंपत्तियों को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत मिलने वाली 49 हजार रुपए राशि के चेक भी प्रदान किए।

बारात मे शामिल हुए प्रभारी मंत्री

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनांतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम के लिए निकाली गई बारात की प्रभारी मंत्री श्री परमार ने अगवानी की। इस दौरान उन्होंने सांसद डीडी उइके, पूर्व विधायक हेमंत खंडेलवाल सहित बारातियों एवं दूल्हो के साथ नृत्य भी किया।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की प्रशंसा

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीसी के माध्यम से मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनांतर्गत बैतूल एवं भीमपुर मे आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बैतूल मे 1200 एवं भीमपुर में 935 जोड़ों के परिणयसूत्र में बंधने पर जिला प्रशासन की प्रशंसा की।

भीमपुर में नवदंपत्तियों को आशीर्वाद देने पहुंचे प्रभारी मंत्री

जिले के प्रभारी एवं स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) तथा सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री इंदरसिंह परमार ने भीमपुर पहुंचकर मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनांतर्गत परिणय सूत्र में बंधे दंपत्तियों को आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने नवदंपत्तियों को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत मिलने वाली 49 हजार रुपए राशि के चेक भी सौंपे। साथ ही 16 हितग्राहियों को सामूहिक वनाधिकार पत्र भी प्रदान किए। इस दौरान सांसद डीडी उइके, विधायक भैंसदेही धरमूसिंह सिरसाम, पूर्व विधायक हेमंत खंडेलवाल, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री आदित्य शुक्ला, जनपद पंचायत भीमपुर के अध्यक्ष भैयालाल इरपाचे, जिला पंचायत सदस्य संदीप धुर्वे सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, वर-वधू एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

सामूहिक आदर्श विवाह सम्मेलन का अनूठा आयोजन मौसम की प्रतिकूलता के कारण घर-घर होंगे फेरे

पिपरिया - अखिल भारतीय किरार - क्षत्रिय महासभा जिला शाखा नर्मदापुरम के द्वारा आयोजित 27 वां सामूहिक आदर्श विवाह सम्मेलन ग्राम महलवाडा में 03 मई को होगा जिसमें 36 वैवाहिक जोड़े सम्मिलित होने जा रहें हैं।

पूर्व कृषि मंडी अध्यक्ष एवं किरार समाज के दिनेश पटेल ने बताया कि - इस वृहद आयोजन को लेकर महलबाड़ा में 20 एकड़ भूमि में मूंग न लगा कर उस भूमि पर टेंट लगाकर वैवाहिक कार्यक्रम भोजन एवं पार्किंग की व्यवस्था की लेकिन अचानक

वारिस एवं बदले मौसम ने सामाजिक कार्यकर्ताओं के मन में आशंका पैदा कर दी मौसम विभाग ने भी 3 मई को बारिश की संभावना जताई। जिसको लेकर महलवाड़ा में सामाजिक कार्यकर्ता बंधुओं ने बैठक कर सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि सामूहिक विवाह सम्मेलन दिन में होगा एवं बदले मौसम के प्रतिकूलता को देखते हुए घर-घर वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न कराए जाएंगे। जिसको लेकर में उत्साह पूर्वक 36 समाज बंधुओं ने अपने अपने घर में विवाह संपन्न कराए जाने का प्रस्ताव रखा जिसे समिति के द्वारा स्वीकार किया। जिसके पश्चात हर घर साज-सज्जा बंदनवार लगाए जा रहे हैं। माताएं बहनें घर को सजा रही हैं । वैवाहिक कार्यक्रम की तैयारीयों पूरा गांव जुट गया। यह कार्यक्रम अपने आप में अनूठा आयोजन होगा। सभी बंधु इसे आपदा न मान कर अवसर मान रहे हैं। उनका मानना है कि हम सौभाग्यशाली है जो इस प्रकार वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। अभी तक हमने सामूहिक विवाह सम्मेलन के माध्यम से एक जगह पर सात फेरे होते देखे हैं लेकिन अब घर-घर होता सामूहिक विवाह सम्मेलन देखेंगे ।

वन एवं वन्य प्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ की ओर से सांसद व विधायक को 5 सूत्री मांगों के लिए ज्ञापन सौंपा

धार, (निप्र) आज दिनांक 2 मई को वन एवं वन्य प्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ की ओर से माननीय सांसद महोदय व माननीय धार विधायक महोदया को 5 सूत्री मांगों के लिए ज्ञापन सौंपा। इस तारतम्य में रेंजर एसोसिएशन की ओर से वन परीक्षेत्र अधिकारी धार पाटीदार साहब ,अमितेश पवार साहब ,वन क्षेत्रपाल महेश अहिरवार साहब, वाहन चालक संघ की ओर से बबलू भैया त्रतिय कर्मचारी संग के प्रतिनिधि उपस्थित थे। वन्य प्राणी संघ की ओर से जिला अध्यक्ष राजेश यादव ,जिला सचिव अनिल हरोड़ ,जिला संरक्षक रमेश पटेल, कोषाध्यक्ष आकाश बडेरा, जिला प्रवक्ता राहुल सोलंकी ,जिला महामंत्री धर्मेंद्र रघुवंशी, परिक्षेत्र सहायक ढाल श्री मनोज वर्मा ,परिक्षेत्र सहायक धार श्री वासुदेव वर्मा जिला कार्यकारिणी सदस्य श्री रमेश निगम, रवि खंडेलवाल कार्यालय मंत्री राजेश पटेल व अन्य संघ के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे ज्ञापन का वाचन राहुल सोलंकी द्वारा किया गया।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का श्रमिक दिवस के उपलक्ष्य में सागर मैन्युफैक्चर्स कम्पनी पहुंचे

औबेदुल्लागंज। मंगलवार 02 तारीख़ को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनीष कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में तहसील विधिक सेवा समिति गौहरगंज की ओर से %श्रमिक विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत % सागर मेन्यूफैक्चरर तामोट तहसील गौहरगंज, जिला रायसेन में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी गौहरगंज, प्रिन्सी अग्रवाल ने श्रमिकों के अधिकार एवं शासन की योजनाओं का लाभ दिलाये जाने हेतु श्रमिकों के लिये योजना 2015 एवं नालसा गरीबी उन्मूलन योजना 2015 के संबंध में जानकारी प्रदान की। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, गौहरगंज नीरज अग्रवाल द्वारा मानव तस्करी, बाल श्रम एवं श्रमिकों के अधिकारों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

उक्त शिविर में जिला श्रम अधिकारी मेहदेले एवं जिला श्रम विभाग का स्टाफ मौजूद रहा एवं सागर कंपनी की ओर से सीजीएम अनिल कुमार सैनी, एच आर मैनेजर राजीव मेहता, मैनेजर ए के श्रीवास्तव एवं सुनील शुक्ला तथा लागभग सौ से अधिक संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला श्रम अधिकारी के द्वारा भी श्रमिकों को योजनाओं के संबंध में अवगत कराया गया।

जिला अधिकारीगण बिना कलेक्टर की अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे-कलेक्टर

दमोह राज्य शासन द्वारा जारी निर्देशों के तहत कार्यों एवं योजनाओं के कार्यान्वयन तथा उपलब्धियों की समीक्षा इत्यादि के संदर्भ में समय-समय पर कलेक्टर एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समीक्षा बैठक ली जाती हैं। इन आयोजित बैठकों में समय पर उपस्थिति अपेक्षित होती है, किंतु अनेक अवसरों पर पाया गया है कि अधिकारीगण स्वयं नियत समय पर उपस्थित न होकर विलंब से उपस्थित होते हैं अथवा वे अपने विभागीय प्रतिनिधि को बिना कोई पूर्व सूचना के बैठक हेतु भेज देते हैं, जो कार्यवाही संचालन में बाधक बनती है। कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने कहा है समस्त अधिकारी सहमत होंगे कि समय पर उपस्थिति शासकीय सेवा का अनिवार्य अंग है और इसका पालन न होना संबंधित की अनुशासन प्रियता पर प्रश्न उपस्थित करता है।

यह भी देखा गया है कि कतिपय अधिकारी बिना पूर्व स्वीकृति के अथवा अवगत कराए बिना मुख्यालय से बाहर चले जाते हैं साथ ही मोबाइल रिसीव नहीं करते हैं, यह भी अनुशासनहीनता का घोतक है।

इस संबंध में कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने निर्देशित करते हुए कहा है कि जिला अधिकारीगण बिना कलेक्टर की अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे, साथ ही व्हाट्सएप पर दिए गए निर्देशों का तत्काल वस्तु स्थिति से अवगत कराएंगे। अनुविभाग स्तर के अधिकारी-कर्मचारी बिना अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की अनुमति के मुख्यालय से बाहर प्रस्थान नहीं करेंगे। विभिन्न आयोजित बैठकों/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग इत्यादि में बिना अनुमति अनुपस्थित रहने पर अनुशासन हीनता मानी जाएगी।

मजदूर दिवस पर मुख्यमंत्री को सौंपा 21सूत्रीय ज्ञापन

रतलाम। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर संगठन का 21 सूत्रीय ज्ञापन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को भोपाल सचिवालय में 1 मई को ज्ञापन दिया गया ।मुख्यमंत्री श्रीचौहान ने प्रतिनिधि मंडल की बात गंभीरता से सुनते हुए तथा ज्ञापन पर गंभीरता से ध्यान देते हुए विश्वास दिलाया कि वे इस संबंध में शीघ्र विचार करेंगे। मध्यप्रदेश सरकार पत्रकार अधिकार हितों में सदैव दृढ़ संकल्पित रही है।

प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व प्रांताध्यक्ष साथी शलभ भदौरिया के निर्देश पर साथी शरद जोशी ने किया।प्रतिनिधि मंडल में वरिष्ठ साथी रिजवान अहमद सिद्दीकी, साथी राजकुमार दुबे,साथी मो.अली, साथी सत्यनारायण वैष्णव, महामंत्री साथी सुनील त्रिपाठी, रैली के प्रभारी साथी दिलीपसिंह भदौरिया, साथी अनिल त्रिपाठी, प्रदेश कोषाध्यक्ष साथी शिशुपालसिंह तोमर,सदस्यता छानबीन और अभियान समिति के संयोजक साथी सरलप्रताप सिंह भदौरिया,भोपाल जिला अध्यक्ष साथी अर्पित सिंह सिकरवार सहित महिला प्रतिनिधि भी शामिल थे ।

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर भोपाल में विशाल रैली प्रांताध्यक्ष साथी शलभ भदौरिया के नेतृत्व में निकाली गई। रैली राजधानी के न्यू मार्केट स्थित समन्वय भवन से निकली जो विभिन्न मार्गों से होती हुई पुन-समन्वय भवन पहुंच कर समाप्त हुई। रैली में प्रदेशभर से करीब 2 हजार से अधिक पत्रकार साथी शामिल हुए।रैली के पूर्व सम्मेलन में प्रांताध्यक्ष साथी शलभ भदौरिया ने कहा कि 1 मई को संगठन द्वारा प्रतिवर्ष अपनी मांगों को लेकर मजदूरदिवस मनाया जाता है। कोरोना काल में यह आयोजन संभव नहीं हो पाया। अब इस वर्ष भोपाल में यह रैली का आयोजन हो रहा है जिसमें प्रदेश के सभी जिलों से आए प्रतिनिधियों ने अपनी एकता का परिचय दिया है,जो स्वागत योग्य है। हमने पत्रकार सुरक्षा कानून, पत्रकार कल्याण आयोग सहित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सरकार की ध्यान आकर्षित किया है। जो मांगें लंबित है उस पर सरकार शीघ्र ही ध्यान दे।

साथी भदौरिया ने संगठन की मजबूती के लिए सदस्य साथियों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने जिलों में जिला सम्मेलन आयोजन करें ताकि संगठन को और अधिक सशक्त बनाया जा सके। साथी शरद जोशी ने 21 सूत्रीय ज्ञापन का वाचन किया ।

न्यायालय नायब तहसीलदार नजूल वृत्त एम.पी.नगर भोपाल

(7 नंबर बस स्टाप शिवाजी नगर भोपाल)

प्रकरण क्रमांक-0064 / अ-6 / 2023-24

इश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक डॉ. शांति टेम्भरे पत्नी श्री पूरन लाल टेम्भरे निवासी ग्राम - अहमदपुर कलां तहसील हुजूर भोपाल द्वारा ग्राम–अहमदपुर कलां स्थित एक आवासीय भूखण्ड क्रमांक-25 भूमि खसरा क्रमांक - 25 रकबा - 1259.38 वर्गफिट भूमि का पंजीकृत विक्रय पत्र क्रमांक MP 059702020A1245804 दिनांक 01/06/2020 का पंजीकृत विक्रय-पत्र के आधार पर नामांतरण किये जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त संबंध मे किसी व्यक्ति / संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति इस इश्तहार के जारी होने के दिनांक से 15 दिवस के अंदर स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक. 20.04.2027 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
नजूल एम. पी. नगर वृत्त भोपाल

कार्यालय नगर पालिका पिपरिया, जिला-नर्मदापुरम् (म.प्र.)

Municipal Council Pipariya Distt-Narmadapuram
पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के बाजू में तिलक वार्ड, पिपरिया फोन नं. 07576-222041 पिन -461775
EMail emopipariy@ampurban.gov.in

क्रमांक / न.पा./2023/26 पिपरिया दिनांक– 24.04.2023

ई- निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकती है।

क्रं.	निविदा क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2023_UAD_270715_1 Publish Date 01.05.2023	स्ट्रीट लाईट मरम्मत एवं नवीन सामग्रिया क्रय किये जाने हेतु वार्षिक दरें	1. 12 माह 2. 20,00000/-	1. 2000/ 2. 15000/-	29.05.2023

नोटः निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकशन नहं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद पिपरिया

एसएंडपी ग्लोबल ने पीपुल फर्स्ट 9.0 के साथ बढ़े हुए कर्मचारी लाभ पेश किए

नयी दिल्ली, एजेंसी। एसएंडपी ग्लोबल ने भारत सहित अपने सभी बाजारों में बढ़ी हुई वैश्विक लाभ पॉलिसी का नवीनतम संस्करण पीपुल फर्स्ट 9.0 लांच किया है। इस पॉलिसी का प्रभाव भारत में 12,500 से अधिक लोगों पर पड़ता है जिसमें लोगों का ख्याल रखने और सहानुभूति की भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता से कंपनी के लोग काम पर, घर पर और जीवन में फलते फूलते हैं। यह पॉलिसी एक ऐसी सोच और दर्शन को जन्म देती है जो कर्मचारियों के लिए एक समग्र सहयोग की व्यवस्था की प्रेरणा देता है और इसका लक्ष्य जुड़ाव और समावेश की संस्कृति तैयार करना है। ष्पीपुल फर्स्टष् एसएंडपी के वैश्विक कर्मचारियों को अपनी व्यक्तिगत, पेशेवर और सामाजिक जरूरतों को कवर करने की सहूलियत देता है। वर्ष 2018 में लांचिंग के समय से ही एसएंडपी ग्लोबल की पीपुल फर्स्ट पॉलिसियों (1.0-8.0) का उद्भव हुआ और एसएंडपी ग्लोबल के लोगों की बदलती जरूरतों के मुताबिक इसे ढाला गया।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के साथ मिलकर शुरू करेगा फेस ऑथेंटिकेशन सेवाएं

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में डिजिटल और वित्तीय समावेशन कोबढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए,एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के सहयोग से अपने 500,000 बैंकिंग प्वाइंट्स पर आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम (एईपीएस)के लिए फेस ऑथेंटिकेशन शुरू किया है।एयरटेल पेमेंट्स बैंक देश में एईपीएस के लिए फेसऑथेंटिकेशन की पेशकश करने वाले शुरुआती चार बैंकों में से एक है। एनपीसीआई का एईपीएस ग्राहकों को अपने आधार से लिंक बैंक खातों में अपने आधार नंबर या वर्चुअल आई डी का उपयोग करके किसी भी बैंकिंग प्वाइंट् पर वित्तीय और गैर-वित्तीय लेन देन करने की नुमति देता है। अब तक, यूआइडीएआइ रिकॉर्ड में ग्राहक के आधार नंबर और फिंगर प्रिंट या आइरिस मैच का उपयोग करके लेन देन को प्रमाणित किया जा रहा था।नई सुविधा के माध्यम से ग्राहकों को आधार संख्या के साथ फेस ऑथेंटिकेशन यानि चेहरे का प्रमाणी करण कर के लेन देन को मान्य करने में सक्षम बनाया जाएगा।

निखिला ने एमेज़ॉन में कर्मचारी के रूप में मातृत्व की जिम्मेदारियां बखूबी निभाईं

मुम्बई। मदर्स डे माताओं और माँ होने की जिम्मेदारी संभालने वाले महिलाओं की उपलब्धियों की जश्न मनाने का खास दिन है, जो अपने बच्चों के भविष्य को आकार देने और अपने घर-परिवार की जिम्मेदारी संभालने के लिए अथक परिश्रम करती हैं। आजकल की तेजी से भागती-दौड़ती दुनिया में न सिर्फ वह प्रोफेशनल मोर्चे पर जबर्दस्त परफॉर्मेंस देती हैं, बल्कि अपने परिवार का पालन पोषण करने और उनकी जरूरतों का ख्याल रखने के लिए अपना जीवन समर्पित कर देती है। यहां एक माँ और एमेज़ॉन में प्रोग्राम मैनेजर की जिम्मेदारी संभालने वाली निखिला भिंगारकर की कहानी है, जिन्होंने शानदार कॅरियर बनाने के सपनों का पीछा करते हुए अपने लिए सफलता की राह बनाई। वह एमेज़ॉन की वर्ल्डवाइड प्राइसिंग टीम में एम्लॉप ई एक्सपीरियंस प्रोग्राम मैनेजर के तौर पर काम करती हैं, और कार्यस्थल पर कर्मचारियों के अनुभव को बेहतरीन बनाने के लिए नए-नए प्रोग्राम लागू करती रहती हैं। इसके साथ ही, वह अपने दिव्यांग बच्चे की जरूरतों का भी पूरा ख्याल रखती हैं। वह एमेज़ॉन में उन हजारों कर्मचारियों में से एक है, जो एमेज़ॉन की खास संस्कृति, अनूठे प्रोग्राम और फायदों (बेनेफिट्स) को बढ़ावा देते हैं। इसके साथ ही वह उन सभी चीजों को पेश करती हैं, जो एमेज़ॉन अपने उपभोक्ताओं, कर्मचारी और समुदायों के लिए ÷संभव बनाता÷ है।

अमेजन.इन ने की 4 से 8 मई तक ग्रेट समर सेल की घोषणा

मुंबई , एजेंसी। इस साल, अमेजन.इन की समर सेल, 4 मई से शुरू होकर 8 मई, 2023 तक चलेगी। इस सेल में ग्राहकों को कारीगरों और बुनकरों, महिला उद्यमियों, स्टार्ट-अप के साथ ही ब्रांड और पड़ोस के स्टोर सहित विभिन्न श्रेणियों के विक्रेताओं की ओर से विभिन्न श्रेणियों जैसे स्मार्टफोन, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, किराना, फैशन एंड ब्यूटी एक्सेसरीज, होम एंड किचन, लार्ज अप्लायंसेस, टीवी आदि जैसे लाखों उत्पादों पर कई शानदार ऑफर प्रदान किए जाएंगे। ग्राहक सैमसंग, मैमीपोको, लॉरियल, टीसीएल, वी गार्ड, गोदरेज, जायडस, एलजी आदि ब्रांडों के शानदार ऑफर्स के साथ अधिक बचत करते हुए गर्मी के मौसम का भरपूर मजा उठा सकते हैं। प्राइम मेंबर्स को एक्सक्लूसिव शॉपिंग करने और दूसरों से पहले बेहतरीन डील्स और बेस्ट ऑफर्स का लाभ उठाने का मौका मिलेगा।

बजाज ऑटो की कुल बिक्री अप्रैल में सात प्रतिशत बढ़कर 3.31 लाख इकाई पर

नई दिल्ली , एजेंसी। वाहन कंपनी बजाज ऑटो की कुल बिक्री अप्रैल में सात प्रतिशत बढ़कर 3,31,278 इकाई पर पहुंच गई है। कंपनी ने अप्रैल, 2022 में 3,10,774 वाहन बेचे थे। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि अप्रैल में उसकी दोपहिया वाहन बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 2,87,985 इकाई रही, जो एक साल पहले समान महीने में 2,81,711 इकाई थी। घरेलू बाजार में कंपनी की दोपहिया बिक्री 95 प्रतिशत बढ़कर 1,81,828 इकाई रही, जो एक साल पहले समान महीने में 93,233 इकाई थी। माह के दौरान कंपनी का दोपहिया निर्यात 44 प्रतिशत घटकर 1,06,157 इकाई रहा। एक साल पहले समान महीने में कंपनी ने 1,88,478 वाहनों का निर्यात किया था। कंपनी की वाणिज्यिक वाहन बिक्री 49 प्रतिशत बढ़कर 43,293 इकाई रही, जो अप्रैल, 2022 में 29,063 इकाई रही। घरेलू बाजार में कंपनी की वाणिज्यिक वाहन बिक्री साढ़े तीन गुना होकर 31,344 इकाई रही, जो एक साल पहले समान महीने में 8,944 इकाई रही थी।

भारत खरीद रहा रेकॉर्ड सस्ता तेल, कंपनियों को हो रहा बंपर मुनाफा, फिर भी कम नहीं हो रहे पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत रूस से इस समय रेकॉर्ड सस्ता तेल खरीद रहा है। भारत ने मौके का फायदा उठाया है और इससे बंपर मुनाफा कमा रहा है। दरअसल रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से रूस पर पश्चिमी देशों ने कई तरह के आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। पश्चिमी देश रूस का बॉयकॉट कर रहे हैं। यूरोपियन यूनियन ने पिछले साल दिसंबर में रूस को यूक्रेन हमले की सजा देने के लिए रूसी क्रूड ऑयल पर प्रतिबंध लगा दिया था। इन प्रतिबंधों के बीच रूस ने सस्ती दरों पर क्रूड ऑयल बेचना शुरू कर दिया है। इसका फायदा भारत के साथ चीन ने उठाया है। इसके जरिए भारत की तेल रिफाइनरियों को बंपर मुनाफा होने का अनुमान है। भारत रूस से सस्ता क्रूड ऑयल खरीदकर उसे यूरोपीय बाजार में बेच रहा है। हालांकि इसके बाद भी देश में तेल कंपनियों ने अभी पेट्रोल-डीजल के दाम कम नहीं किए हैं। क्या आने वाले समय में तेल के दाम कम होंगे क्यों कंपनियों ने तेल के रेट कम नहीं किए हैं आइए समझते हैं इस तेल की पूरी कहानी।

तेल कंपनियां क्यों कम नहीं कर रहीं रेट : देश में पेट्रोल-डीजल के दामों में पिछले कई महीनों से बदलाव नहीं हुआ है। बाजार में तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। करीब 345 दिन हो चुके हैं जब से पेट्रोल-डीजल की कीमतें चेंज नहीं हुई हैं।

अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का 4 गुना मुनाफा बढ़ा, हिंडनबर्ग को करारा जवाब

नई दिल्ली। अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिंडनबर्ग ने जब 24 जनवरी को अडानी समूह कंपनियों को लेकर खुलासे किए तो लग रहा था कि कंपनी बर्बाद हो जाएगी। अडानी की कंपनियों के शेयर ताबड़तोड़ गिरने लगे। निवेशकों का भरोसा हिलने लगा। गौतम अडानी की संपत्ति 127 अरब डॉलर से गिरकर 37 अरब डॉलर पर पहुंच गई। हालात बिगड़ते जा रहे थे। लेकिन गौतम अडानी मुश्किल में भी डटे रहे। कंपनी की स्थिति सुधारने के लिए उन्होंने ताबड़तोड़ कदम उठाए। इसका परिणाम अब नतीजों पर दिखने लगा है। अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के मार्च तिमाही के नतीजे सामने आ गए है। इन नतीजों ने बता दिया है कि हिंडनबर्ग के हमले भी उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाए हैं।

अडानी ग्रीन का नतीजा शानदार

1 मई को अडानी कंपनी ने अडानी ग्रीन एनर्जी के नतीजे घोषित कर दिए गए। नतीजे बहद शानदार रहे। जनवरी-मार्च 2023 के तिमाही नतीजों से बता दिया कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट बहुत कुछ बिगाड़ नहीं पाई। कंपनी का प्रॉफिट 121 करोड़ रुपये से 319 फीसदी उछलकर 507 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। नतीजों पर गौर करें तो अडानी ग्रीन का कंसोलिडेटेड मुनाफा 319 फीसदी तक उछला। कंपनी का मुनाफा 507 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पहले समान अवधि में कंपनी का मुनाफा 121 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी का मुनाफा इस बार 88 फीसदी बढ़कर 2988 रुपये पर पहुंच गया। जबकि समान अवधि में अडानी ग्रीन की कुल इनकम 1587 करोड़ रुपये रही थी।

2022-23 में इसका कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट

अगर आंकड़ों को विस्तार से देखें तो पूरे साल 2022-23 में इसका कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 489 करोड़ रुपये से बढ़कर 973 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टोटल इनकम 5548 करोड़ रुपये से बढ़कर 8633 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। अडानी ग्रीन के नतीजों का असर अडानी के शेयरों पर पड़ा है।

इनमें गिरावट

- अडानी पोर्ट के शेयर में -0.97त्न की गिरावट आई और ये 674.60 रुपये पर पहुंच गया।
- NDTV के शेयर -0.63त्न की गिरावट आई और ये 188.25 रुपये पर पहुंच गया।
- अंबुंजा सीमेंट के शेयर -0.50% की गिरावट आई और ये 394.30 रुपये पर पहुंच गया।

डब्ल्यूईएफ का अनुमान : एआई व आर्थिक मंदी से 9 करोड़ रोजगार पर खतरा, दुनियाभर में पैदा होंगी करोड़ों नई नौकरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर में अगले पांच वर्षों में 6 करोड़ से ज्यादा नए रोजगार पैदा होंगे। हालांकि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी नई तकनीकों और आर्थिक मंदी के कारण इस दौरान 8 करोड़ से अधिक नौकरियों पर खतरा पैदा हो सकता है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के अनुसार, 45 देशों और 27 उद्योगों में शामिल 803 कंपनियों के सर्वे में यह जानकारी सामने आई है।

इन कंपनियों में 1.13 करोड़ कर्मचारी काम करते हैं। दुनियाभर में 67 करोड़ से ज्यादा नौकरियां हैं। ऐसे में नई नौकरियों के पैदा होने और पुरानी नौकरियों के खत्म होने के आधार पर 1.4 करोड़ रोजगार पर खतरा होगा, जो कुल नौकरियों का करीब दो फीसदी होगा।

डब्ल्यूईएफ ने कहा कि अगले पांच सालों में दुनिया में एक चौथाई नौकरियां घट सकती हैं। इस दौरान नौकरियों में बढ़ोतरी की दर 10.2 फीसदी और गिरावट की दर 12.3 फीसदी रह सकती है। सर्वे में 61 फीसदी भारतीय कंपनियों का कहना है कि ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) मानकों के प्रयोग से नौकरी में वृद्धि होगी। नेक्स्टवेव ने कहा, दो वर्षों में 1,300 से अधिक कंपनियों ने उसके स्नातक छात्रों की नियुक्ति की है। कंपनी के सीईओ राहुल अट्टुलुरी ने कहा, कंपनी की योजना 5 वर्षों में दस हजार से अधिक कंपनियों को शामिल करके सॉफ्टवेयर नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए प्लेसमेंट के अवसरों का सबसे बड़ा साधन बनाने की है। दुनियाभर की तुलना में भारत पर इसका कम असर होगा। भारत में 22 फीसदी नौकरियों में बदलाव दिख सकता है जो वैश्विक स्तर पर 23 प्रतिशत होगा। भारत में उद्योग परिवर्तन के लिए शीर्ष भूमिकाओं में एआई और मशीन लर्निंग विशेषज्ञ, और डेटा विश्लेषक और वैज्ञानिक होंगे। भारत उन सात देशों में शामिल है जहां गैर-सामाजिक नौकरियों की तुलना में सामाजिक नौकरियों के लिए रोजगार वृद्धि धीमी थी। दफ्तरों में बैठकर नौकरी करने वालों की मांग इस साल अप्रैल में पिछले साल के इसी महीने के मुकाबले पांच फीसदी घटी है। इस श्रेणी के रोजगार के लिए 2,715 विज्ञापन आए। इसका प्रमुख कारण सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नियुक्तियां कम होना है। नौकरी जॉब स्पीक इंडेक्स के अनुसार, नौकरी डॉट कॉम पर अप्रैल, 2022 में ऐसी नौकरियों के लिए 2,863 विज्ञापन आए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में नियुक्तियों में जो कमी आई है, उसकी कुछ भरपाई रियल एस्टेट, बैंक, वित्तीय सेवाएं व बीमा क्षेत्र (बीएफएसआई) ने की।

रिपोर्ट के अनुसार, बड़े शहरों में कोलकाता, पुणे और हैदराबाद में रियल एस्टेट क्षेत्र में नियुक्तियों में क्रमशः 28 फीसदी, 22 फीसदी और 19 फीसदी की वृद्धि हुई। 16 साल से अधिक अधिक का अनुभव रखने वाले वरिष्ठ पेशेवरों की मांग सबसे ज्यादा रही।

बट्टे खातेः वित्त मंत्रालय ने कम वसूली पर जताई चिंता, बैंकों के साथ जल्द होगी बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्रालय ने बट्टे खाते में पड़ी कम रकम की वसूली पर चिंता जताया है। इसने कहा कि सरकारी बैंकों को कम से कम 40 फीसदी तक की वसूली करनी चाहिए। इस समय बट्टे खाते से वसूली दर 15 फीसदी से कम है। बट्टे खाते का मतलब राइट ऑफ से है, जिसे कभी भी बैंक वसूल सकते हैं। मार्च, 2022 को समाप्त पांच वर्षों के दौरान इन बट्टे खातों में से केवल 14 फीसदी की ही वसूली हो पाई थी। इस दौरान कुल 7.34 लाख करोड़ रुपये बट्टे खाते में डाले गए। इसमें से सरकारी बैंकों ने 1.03 लाख करोड़ रुपये की वसूली की। सूत्रों ने कहा कि ऐसा लगता है कि बैंक फंसे कर्ज को बट्टे खाते में डालने के बाद उनकी वसूली को लेकर कोई प्रयास नहीं करते हैं और वे उसी वसूली से संतुष्ट हो जाते हैं। यह स्वीकार्य नहीं है।

ग्रेविटा इंडिया ने वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में वृद्धि तथा ऋण में कमी का दावा किया

जयपुर, एजेंसी। ग्रेविटा इंडिया, भारत की एक अग्रणी रीसाइक्लिंग कंपनी ने 31 मार्च 2023 को समाप्त होनेवाले वित्त वर्ष के चौथे तिमाही के लिए इसके लेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम परिणामों की घोषणा की। ग्रेविटा इंडियाने रीसाइक्लिंग उद्योग में अपना अग्रणी स्थान बनाया हुआ है।यह उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए योग्य़ स्थिती में है क्योंकि सर्क्युलर अर्थव्यवस्थाओं को बनाने पर ग्रेविटा ने अपना ध्यान केंद्रित किया है।व्यवस्थापन एक विवेकपूर्ण दृष्टिकोण के साथ तथा सभी हितधारकों के लिए मूल्य पैदा करने का निश्चय़ रखते हुए अपनी दीर्घकालिक विकास योजना पर आगे बढ़ने के लिए कटीबद्ध है। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए श्री रजत अग्रवाल; ग्रेविटा इंडिया की प्रबंध निदेशक ने कहा, हमें 31 मार्च, 2023 को समाप्त होनेवाले तिमाही और वित्तीय़वर्ष में अपने मजबूत वित्तीय परिणामों की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।हमारे वैल्यू ?ड़े उत्पादों और विदेशी व्यवसाय में महत्वपूर्ण वृद्धि हासिल की गई है। हमहमारे हितधारकों के लिए मूल्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और रबर, लिथियम, स्टील और पेपर में नए रीसाइक्लिंग वर्टिकल लॉन्च करने के लिए उत्साहित हैं। हमारी महत्वाकांक्षी विजन 2027 विकास योजना का उद्देश्य 25त्न या उससे अधिक के आय़ को प्राप्त करना है,इसी के साथहमारा लक्ष्य वैल्यू ?ड़े उत्पादों और नॉन लीड़ व्यवसाय पर ध्यान देना है। य़ह लक्ष्य प्राप्त करने के लिये हम वित्त वर्ष 2026 तक 600 करोड़ रुपये के कैपेक्स निवेश के साथ अपनी क्षमता को 4,25,000 मेट्रीक टन प्रतिवर्ष तक बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। हमें विश्वास है कि हमारे विवेकपूर्ण दृष्टिकोण के कारण हमारी कंपनी का स्थायी विकास होगा और हमारे सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य पैदा होगा।749 करोड़ रुपये की व्यावसायिक आमदनी, प्रतिवर्ष12 प्रतिशत की वृद्धि, एबिट्डा17 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर ?85 करोड़ हुआ, एबिट्डा मार्जिन 39 बीपीएस की 11.35 प्रतिशत वृद्धि पर रहा।

2022-23 में जीएसटी से सरकार को रिकॉर्ड 18.10 लाख करोड़ कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्थव्यवस्था में तेजी के साथ कारोबारी गतिविधियों में उछाल से सरकार को वित्त वर्ष 2022-23 में जीएसटी से रिकॉर्ड 18.10 लाख करोड़ रुपये की कमाई हुई। यह 2021-22 में जीएसटी से जुटाई गई 14.83 लाख करोड़ की राशि से 22 फीसदी अधिक है। 2020-21 में जीएसटी वसूली 11.36 लाख करोड़ रुपये रही थी। दरअसल, देश में जीएसटी प्रणाली एक अप्रैल, 2017 को लागू हुई थी। उस वित्त वर्ष यानी 2017-18 में अगस्त, 2017 से मार्च, 2018 के बीच जीएसटी से सरकार को 7.19 लाख करोड़ रुपये की कमाई हुई थी। उद्योग मंडल एसोचैम के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, अप्रैल में रिकॉर्ड जीएसटी संग्रह वित्त वर्ष 2023-24 की शानदार शुरुआत है। उपभोक्ता मांग में तेजी के साथ जीएसटी संग्रह का आंकड़ा देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत वृद्धि का संकेत है। 20 अप्रैल, 2023 को जीएसटी के रूप में रिकॉर्ड एकदिनी कमाई हुई। इस दिन 9.8 लाख लेनदेन के जरिये 68,228 करोड़ जुटाए गए। अप्रैल में घरेलू लेनदेन से मिलने वाला कर एक साल पहले की तुलना में 16 फीसदी अधिक रहा। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को जीएसटी के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि मार्च, 2023 में कुल 9 करोड़ ई-वे बिल सृजित हुए, जो फरवरी, 2023 के मुकाबले 11 फीसदी अधिक है। उस समय कुल 8.1 करोड़ ई-वे बिल सृजित हुए थे। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, सरकार ने अप्रैल, 2023 के दौरान केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) से 45,864 करोड़ रुपये और 37,959 करोड़ रुपये राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) का निपटान किया है। नियमित निपटान के बाद केंद्र व राज्यों का अप्रैल में कुल राजस्व केंद्रीय जीएसटी के मामले में 84,304 करोड़ रुपये और राज्य जीएसटी के संदर्भ में 85,371 करोड़ रुपये रहा। रबी फसलों की कटाई का समय होने और आर्थिक गतिविधियों में उछाल से अप्रैल, 2023 में डीजल की मांग सालाना आधार पर 6.7 फीसदी बढ़कर 71.5 लाख टन पहुंच गई। इस तरह, कुल ईंधन खपत में डीजल का हिस्सा बढ़कर करीब 40 फीसदी पहुंच गया। वहीं, पेट्रोल की बिक्री अप्रैल में करीब 2.5 फीसदी बढ़कर 26.4 लाख टन पहुंच गई। लेकिन, मासिक आधार पर पेट्रोल की बिक्री में 0.5 फीसदी की मामूली गिरावट रही। विमान ईंधन की मांग 15.4 फीसदी बढ़ गइ, जबकि रसोई गैस की बिक्री 2.7 फीसदी की गिरावट रही। देश में बिजली खपत लगातार दूसरे महीने घटी है। अप्रैल, 2023 में यह 1.1 फीसदी घटकर 130.57 अरब यूनिट रह गई।

आई के जनक जेफ्री हिंटन ने गूगल से दिया इस्तीफा, तकनीक के खतरों को लेकर चेताया

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जनक माने जाने वाले जेफ्री हिंटन ने गूगल से इस्तीफा दे दिया है। गॉडफादर ऑफ एआई कहे जाने वाले हिंटन ने सोमवार को गूगल छोड़ने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि जिस तकनीक को विकसित करने में मदद की, उसके खतरों को लेकर आगाह करते हुए उन्होंने पिछले सप्ताह गूगल में अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

जेफ्री हिंटन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एआई आधारित कई प्रोडक्ट को विकसित करने में हिंटन की अग्रणी भूमिका रही है। उन्होंने गूगल के एआई विकसित करने के प्रोजेक्ट के लिए एक दशक तक काम किया, लेकिन उन्हें प्रौद्योगिकी और इसे आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका के बारे में चिंता सता रही थी।

कंप्यूटिंग का नोबेल पुरस्कार पा चुके हैं जेफ्री हिंटन : जेफ्री हिंटन अपने उत्तम कार्य के लिए कंप्यूटिंग का नोबेल पुरस्कार पा चुके हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि मैं खुद को दिलासा देता हूं कि अगर मैंने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को लेकर काम नहीं किया होता, तो कोई और करता। सबसे जरूरी बात यह है कि इस तकनीक को हम गलत इस्तेमाल या बुरे लोगों के हाथों में जाने से कैसे रोक सकते हैं। बता दें कि हिंटन 10 साल से ज्यादा समय तक गूगल के कर्मचारी रहे। आगे हिंटन ने कहा कि एआई के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा को रोकना असंभव हो सकता है, जिसके परिणामस्वरूप इतनी नकली इमेज और टेक्स्ट वाली दुनिया होगी कि कोई भी यह नहीं बता पाएगा कि सच क्या है जो कि काफी भयानक हो सकता है। तकनीकी दिग्गज जेफ्री हिंटन और उनके दो छात्रों द्वारा शुरू की गई एक कंपनी के अधिग्रहण के बाद वे गूगल में शामिल हो गए, जिनमें से एक छात्र ओपनएआई में मुख्य वैज्ञानिक बन गया। हिंटन और उनके छात्रों ने एक न्यूरल नेटवर्क विकसित किया था जो हजारों तस्वीरों का विश्लेषण करने के बाद खुद को कुत्तों, बिल्लियों और फूलों जैसी सामान्य वस्तुओं की पहचान करना सिखाता था। वहीं गूगल के चीफ साइंटिस्ट, जेफ डीन ने हिंटन द्वारा रखी गई चिंताओं पर अपना पक्ष रखते हुए कहा कि इस तरह के खतरे को कम करने के हम एआई तकनीक को लेकर एक जिम्मेदार दृष्टिकोण बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जैसा कि हम देख रहे हैं कि एआई ने पिछले कुछ समय से तकनीक के क्षेत्र में काफी तेजी से पैर पसारे हैं। रोबोट से लेकर अन्य तकनीकी कामों में एआई को उपयोग हो रहा है। हालांकि वैज्ञानिक इसके द्वारा उपजे खतरे से बचने की सलाह देते रहते हैं।

एचडीएफसी बैंक ने स्मार्ट साथी लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। एचडीएफसी बैंक, भारत का प्रमुख प्राइवेट सेक्टर बैंक ने एक नया डिजिटल डिस्ट्रीब्यूशन प्लेटफॉर्म 'एचडीएफसी बैंक स्मार्ट साथी' लॉन्च किया है। ये एक ऐसा अत्याधुनिक बैंकिंग सॉल्यूशन है जो कि काफी मजबूत और डिजिटल फार्मेट पर बनाया गया है। यह प्लेटफॉर्म अपने सभी उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित और उपयोग में आसान अनुभव प्रदान करता है। नया लॉन्च किया गया प्लेटफॉर्म एचडीएफसी बैंक के ग्राहकों की तेजी से बदलती जरूरतों को पूरा करने वाले इनोवेटिव सॉल्यूशंस प्रदान करने की दिशा में एक नई और बड़ी उपलब्धि है। यह प्लेटफॉर्म बिजनेस कॉरस्पोंडेंट्स और बिजनेस फैसिलिटेटर्स को बैंक से जोडने के लिए एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस का उपयोग करेगा। बिजनेस कॉरस्पोंडेंट्स और बिजनेस फैसिलिटेटर्स का यह नेटवर्क बैंकिंग उत्पादों और सर्विसेज को दूर-दराज के क्षेत्रों तक वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करेगा। इस प्लेटफॉर्म को डेवलप करने के लिए एचडीएफसी बैंक के सेमि-अर्बन और रूरल इकोसिस्टम से प्राप्त अनुभव और इनसाइट्स का उपयोग किया गया है। वित्तीय सेवा विभाग के सचिव श्री विवेक जोशी और सुश्री स्मिता भगत, रुप हेड गवर्नमेंट एंड इंस्टीट्यूशनल बिजनेस, वैकल्पिक बैंकिंग चैनल और भागीदारी, समावेशी बैंकिंग समूह और स्टार्ट-अप, एचडीएफसी द्वारा दिल्ली में एचडीएफसी बैंक स्मार्ट साथी का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर वित्तीय सेवा विभाग के संयुक्त सचिव श्री मुकेश बंसल और एचडीएफसी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी श्री दिनेश लूथरा और श्री अजय शर्मा भी उपस्थित थे।। विवेक जोशी, सचिव, वित्तीय सेवा विभाग ने कहा, इस तरह के डिजिटल प्लेटफॉर्म कैशलेस अर्थव्यवस्था और सच्चे डिजिटल वित्तीय समावेशन के भारत के दृष्टिकोण को पूरा करने में योगदान देंगे। एचडीएफसी बैंक स्मार्ट साथी बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं को उपलब्ध कराने में योगदान देगा, विशेष रूप से ग्रामीण ग्राहकों के लिए ऋृा, जो हमारे देश के विकास में मदद करेगा। हालांकि, कैशलेस भारत को बड़ी सफलता बनाने के लिए मंडियों में लेन-देन करने वाले किसानों जैसे कुछ ग्राहक वर्गों में अभी भी व्यवहारिक परिवर्तन आवश्यक हैं।

लाडली लक्ष्मी दिवस के अवसर पर बेटियों का तिलक वंदन कर किया स्वागत

छिंदवाड़ा । मध्य प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही लाडली लक्ष्मी योजना के तहत आज आंगनवाड़ी केंद्र चंदन गांव पर लाडली लक्ष्मी दिवस मनाया गया जिसमें लाडली लक्ष्मीयो को तिलक एवं आरती उतार कर उनका वंदन कर लाडली लक्ष्मी उत्सव मनाया गया इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 37 की पार्षद दीपा राजेश मोखलगाय भाजपा नेता रोशन सिंगनापुरे कुणाल पाल आंगनवाड़ी का संचालिका सिंधु मंडराह आंगनवाड़ी सहायिका लीलावती मंडराह मातृशक्ति एवं लाडली लक्ष्मी उपस्थित रही कार्यक्रम के अंत में सभी को लाडली लक्ष्मी दिवस की शुभकामनाएं साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की।

आज एक फीडर में बिजली आपूर्ति रहेगी बंद

छिन्दवाड़ा । म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा बिजली लाईनों का मानसून पूर्व मेंटनेंस कार्य किया जा रहा है तथा 3 मई को एक फीडर के क्षेत्र में प्रातः 8 से दोपहर 12 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी । कंपनी द्वारा बिजली आपूर्ति बंद रहने के दौरान विद्युत उपभोक्ताओं से सहयोग की अपेक्षा की गई है। म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के कार्यपालन अभियंता (शहर संभाग) ने बताया कि 3 मई को सोनपुर रोड टाउन-1 फीडर की विद्युत लाईन से जुड़े क्षेत्र सोनपुर से शांति कालोनी, कोलाढाना, चित्रकूट काम्पलेक्स, सुभाष कालोनी, एम्स कालोनी, सावलेवाडी, भूषणवाड़ी प्रथम भाग, नागपुर नाका, बोदरी रोड, बड़वन, चर्च कम्पाउंड, विवेकानंद कालोनी आदि क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी ।

11 विद्यार्थियों ने की जे.ई.ई.मुख्य परीक्षा 2023 क्वालीफाइड

छिन्दवाड़ा । जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, शासकीय कन्या शिक्षा परिसर, उत्कृष्ट विद्यालय और मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के 11 विद्यार्थियों द्वारा जे.ई.ई.मुख्य परीक्षा 2023 को क्वालीफाइड किया गया है । इन विद्यार्थियों को बधाई और उज्जवल भविष्य के लिये शुभकामनायें दी गई है ।सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य श्री सत्येन्द्र सिंह मरकाम ने बताया कि एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय सिंगारदीप के विद्यार्थियों तरूण कुमार अहिके, अखिलेश काकोड़िया, श्याम उईके, पवन भारती, मंगल सिंह उईके, गुंजा, दीपिका भलावी व जयदेव उईके, शासकीय कन्या शिक्षा परिसर छिंदवाड़ा की छात्रा रीतू, श्री नंदलाल सूद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय जुन्नारदेव के छात्र वेदव्यास आम्रवंशी और शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हर्रई के छात्र आशीष चिचलवार द्वारा जे.ई.ई.मुख्य परीक्षा 2023 को क्वालीफाइड किया गया है ।

किसान कांग्रेस में उपाध्यक्ष बने प्रवीण

छिन्दवाड़ा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ एवं सांसद माननीय नकुलनाथ के निर्देशानुसार जिला किसान कांग्रेस प्रकोष्ठ में उपाध्यक्ष पद पर नियुक्ति की गई। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री विश्वनाथ ओक्टे से चर्चा के उपरांत जिला किसान कांग्रेस प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष राजू पाठा ने जिले की कार्यकारिणी में प्रवीण सूर्यवंशी (पटेल) को उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। नवनियुक्त पदाधिकारी को स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन से नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। प्रवीण ने अपनी नियुक्ति के प्रति माननीय कमलनाथ जी, माननीय नकुलनाथ जी सहित समस्त वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारियों व समस्त विधायकगण का आभार माना है।

भाजपा की योजनाओं से कांग्रेस में व्याप्त हुआ भय: गरिमा प्रतीक दामोदर

छिन्दवाड़ा । विगत दिनों भारतीय जनता पार्टी के महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष गरिमा प्रतीक दामोदर द्वारा एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से कुछ प्रश्न किए गए थे, जिसके उत्तर में कांग्रेस द्वारा जारी किए गए बयान पर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष अब आक्रामक तेवर में दिखाई पड़ रही हैं। कांग्रेस को जवाब देते हुए श्रीमती दामोदर ने कहा कि जैसे ही लाड़ली बहना योजना में जिलों की भागीदारी की पंजीयन सूची जारी हुई जिसमें छिंदवाड़ा का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा उसे देखकर कांग्रेस पार्टी अब बौखला गई है। गौरतलब है कि लाड़ली बहना योजना के पंजीयन में छिंदवाड़ा जिले की महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और प्रदेश भर में छिंदवाड़ा को पंजीयन सूची के शीर्ष 5 जिलों में स्थान दिलाया।

सरकारी डॉक्टरों की अनिश्चित कालीन हड़ताल आज से

स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ेगा असर, आश्वासन के बाद मांगे पूरी नहीं की गई

छिन्दवाड़ा । आज तीन मई से मेडीकल कॉलेज के चिकित्सकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल प्रारंभ हो रही है। चिकित्सकों की हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ेगा। म.प्र.शासकीय स्वशासी चिकित्सक महासंघ द्वारा एक मई से काली पट्टी बांधकर काम किया गया 2 मई को दो घंटे समस्त चिकित्सकों ने प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्य बंद रखा। तीन मई को संपूर्ण आकस्मिक चिकित्सीय, प्रशासनिक, मेडिकोलीगल एवं शैक्षणिक कार्य बंद रखेंगे। सभी डाक्टर हड़ताल पर रहेंगे और इमरजेंसी सुविधाएं भी नहीं देंगे महासंघ का कहना है कि सरकार ने डॉक्टर्स के साथ वादाखिलाफी,, की है। विगत दिनों पूर्व डॉक्टरों ने काली पट्टी बांधकर हड़ताल की थी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आश्वासन दिया था और कमेटी बैठाकर मांग पूर्ण करने हेतु हामी भरी थी मगर 2 से 3 महीने बीत जाने के बाद भी डॉक्टरों द्वारा की हुई मांग को पूर्ण नहीं किया गया जिससे शासकीय डॉक्टरों में भारी आक्रोश है। संघ के पदाधिकारियों के अनुसार शासकीय स्वशासी चिकित्सक महासंघ के बैनर तले प्रदेश के 10 हजार चिकित्सकों ने अपनी कई वर्षो से लंबित मांगों को लेकर 17 फरवरी को प्रदेश व्यापी आंदोलन किया था मुख्यमंत्री के आश्वासन पर जनहित में स्थगित कर चिकित्सक काम पर लौट गए थे। उच्च स्तरीय समीति की कई दौर की बैठकों और घंटों दिनों की चर्चा के बाद उच्च अधिकारियों एवं महासंघ के पदाधिकारियों की सहमति उपरांत सर्वसम्मति से समिति का प्रतिवेदन सदस्यों के हस्ताक्षर उपरांत मुख्य सचिव चिकित्सका शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग को आगामी कार्यवाही हेतु सौंपा गया था। आश्चर्य का विषय है कि समिति द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन पर विगत कई दिनों से शासन स्तर पर कार्यवाही लंबित है जिससे चिकित्सक आक्रोशित हैं और अनिश्चिकालीन हड़ताल करने को मजबूर हुए। महासंघ को महसूस हो रहा है कि शासकीय चिकित्सकों के साथ वादाखिलाफी की जा रही है।

कलेक्टर श्रीमती पटले ने मिलेट्स जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

छिन्दवाड़ा। अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 के परिप्रेक्ष्य में शासन की मंशानुसार छिंदवाड़ा ज़िले में श्रीअन्न (मिलेट्स) फ़सलों को बढ़ावा देने और श्रीअन्न उगाने के लिये किसानों को प्रोत्साहित व जागरूक करने और ज़िले के आम जनों को मिलेट्स के पोषक तत्वों के महत्व को बताने के लिये आज जिला प्रशासन के सहयोग से कृषि विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट प्रांगण से मिलेट्स जागरूकता रैली निकाली गई। इस मिलेट्स जागरूकता रैली को कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । कलेक्टर श्रीमती पटले ने मिलेट्स वैज्ञानिक डॉ.ध्रुव श्रीवास्तव द्वारा श्रीअन्न के अभिनंदन पर केन्द्रित अनाज हैं शान देश की कविता पोस्टर का विमोचन भी किया। इस अवसर पर एसडीएम छिंदवाड़ा अतुल सिंह, एसडीएम जुन्नारदेव मनोज प्रजापति, डिप्टी कलेक्टर सुधीर कुमार जैन, उप संचालक कृषि जितेन्द्र कुमार सिंह, उद्यानिकी महाविद्यालय के डीन एवं आंचलिक कृषि अनुसंधान केंद्र के प्रमुख डॉ.विजय कुमार पराड़कर, कृषि विज्ञान केंद्र चंदनगाँव के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ.सुरेन्द्र पन्नासे, कृषि वैज्ञानिक डॉ.शिखा शर्मा व डॉ.प्रिया ठाकुर, मिलेट्स वैज्ञानिक डॉ.ध्रुव श्रीवास्तव व डॉ.गौरव महाजन, सहायक संचालक कृषि श्रीमती सरिता सिंह, श्रीमती प्राची कौतू, नीलकंठ पटवारी, सचिन जैन व बी.आर.कवडे सहित कृषि विभाग के सभी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी,सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी, ग्रामीण कृषि विकास अधिकारी, आत्मा परियोजना के सभी बीटीएम व एटीएम, कृषि विभाग के अधिकारी व कर्मचारी और उद्यानिकी महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित थे ।

बेटियों एवं महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध भाजपा सरकार

छिंदवाड़ा । मुख्यमंत्री लाडली लक्ष्मी उत्सव बेटियों का सम्मान, मार्गदर्शन एवं संवाद गर्ल्स कॉलेज छिंदवाड़ा में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष , पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश पोफली, जिला महामंत्री टीकाराम चन्द्रवंशी, नेता प्रतिपक्ष विजय पांडे, भाजपा नेता संतोष राय, भाजपा मंडल अध्यक्ष रोहित पोफली, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती गरिमा प्रतीक दामोदर, पार्षद दिवाकर सदारंग, अभिलाष गोहर, राजकुमार बघेल, संगीता उइके, संजीव यादव, राहुल उइके, निन्ना शुक्ला, लोकेश डेहरिया, श्रीमती सुमन बज, श्रीमती माया बंदेवार, श्रीमती जया विश्वकर्मा, दिनेश मालवी, तारा त्यागी, सोनम डेहरिया, चौरे, नीलू क्षेत्री, निशा गोस्वामी भागवंती सूर्यवंशी पहुंचे । इस लाईव प्रसारण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की कि अब बेटियों के इंजीनियरिंग, मेडिकल कॉलेज और क्लेट के माध्यम से लॉ में एडमिशन लेने वाली बेटियों की फीस भी शिवराज चौहान की भाजपा सरकार भरेगी। भाजपा सरकार लाडली लक्ष्मी योजना से बेटियों और महिलाओं का अनुपात बढ़ा है महिला अनुपात बढ़ने से सरकारी क्षेत्र हो या प्रायवेट क्षेत्र सहित हर क्षेत्रों में महिलाओं का पुरूषों के बराबर सहभागीता हुई हैं। स्वसहायता समूह को चलाना हो, चाहे राशन के क्षेत्र में हो अथवा सभी क्षेत्रों में महिलाओं की निरंतर सक्रियता बढ़ी है। स्वसहायता समूह के माध्यम से भी महिलाओं का समूह बनाकर महिलाओं को घर बैठे रोजगार उपलब्ध हो सके इसके लिए भी मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार योजनाओं के माध्यम से प्रतिबद्ध है मध्यप्रदेश सरकार निरंतर लाडली लक्ष्मी योजना के माध्यम से बेटियों एवं महिलाओं को सम्मान देने का निरंतर काम किया है इसके पूर्व कमलनाथ सरकार ने चुनाव के पूर्व जो भी घोषणा की थी वह केवल चुनावी घोषणा बनकर रह गई और कोई कार्य नहीं किया। वहीं शिवराज सरकार ने हमेशा महिलाओं का सम्मान किया चाहे लाडली लक्ष्मी योजना हो या लाडली बहना योजना हो । योजनाओं के माध्यम से आर्थिक रूप से मजबूत सशक्त करने का काम भाजपा सरकार कर रही है जिससे परिवार में महिलाओं के प्रति दायित्व और सम्मान निरन्तर बढ़ते जा रहा है। लाडली लक्ष्मी योजना लड़कियों एवं महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर सशक्तीकरण करने, बालिकाओं के जन्म के प्रति समाज के नकारात्मक नज़रिया में बदलाव लाना है। इसके अतिरिक्त, प्रमुख पहल लिंग अनुपात, शैक्षिक और साथ ही बालिकाओं की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार करना है । इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे ।

आम जनता में बालिकाओं के जन्म के प्रति सकारात्मक सोच पैदा करना भाजपा का उद्देश्य

छिंदवाड़ा। लाडली लक्ष्मी दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष लाडली लक्ष्मी वाटिका महारानी लक्ष्मी बाई स्कूले के सामने पहुंचकर वृक्षारोपण किया। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष रोहित पोफली, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती गरिमा प्रतीक दामोदर, उदय पटेल, निन्ना शुक्ला, ममल जैन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण उपस्थित रहें भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मी वाटिका में लाडली लक्ष्मी बहनों के साथ में पौधारोपण किया ।

32 गौवंश से भरा दस चक्का ट्रक पकड़ाया

हिंदू संगठनो ने सभी को कराया मुक्त

छिंदवाड़ा । राष्ट्रीय बजरंग दल एवं राष्ट्रीय हिंदू सेना के संगठनों की मुस्तैदी के चलते गौ वंश से भरा 10 चक्का ट्रक क्रमांक MH 29 T2003 पकड़ा गया जिसका पीछा राष्ट्रीय हिंदु सेना व राष्ट्रीय बजरंगदल के कार्यकर्ताओ पदाधिकारियो के द्वारा अमरवाड़ा से पीछा किया गया। ट्रक चालक द्वारा पहले ट्रक को सिंगोडी बसस्टैण्ड के अंदर से बाबई बडेगांव से होते हुए मेघासिवनी पहुंचा जहां कार्यकर्ता द्वारा मेघासिवनी में रोड जाम किया गया था लेकिन गाड़ी नही रूकी गाडी का निरंतर राष्ट्रीय हिंदू सेना, राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ता पीछाकर के सभी कार्यकर्ता, पदाधिकरीयो ने अपनी सूझबूझ से ट्रक को कुदवारी गंगई के पास पकड़ लिया गया। जिसमे एक ट्रक चालक पकड़ाया । ट्रक को खोलकर देखा तो उसमें गौवंश क्रूरता पूर्वक ठूस-ठूसकर भरे हुए थे जो भूखे प्यासे थे इन गौवंशों को महाराष्ट्र कत्लखाना वध हेतु ले जाया जा रहा था। देहात थाना पुलिस के सहयोग से सभी गौवंश को गौ शाला मेघासिवनी में सुरक्षित उतार दिया गया कुल 32 गौवंश थे जिसमें 4 की दम घुटने से मौत हो गई। कार्यवाही में राष्ट्रीय बजरंग दल जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र राजपूत, राष्ट्रीय हिंदू सेना छात्र परिषद जिला अध्यक्ष विजय गौली, जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष आकाश ठाकुर, RBDमहानगर कार्यकारी अध्यक्ष अजय विश्वकर्मा, हनी राजपूत, पीयूष चन्द्रवंशी , कमलेश पटेल, जित्तू पहाडे, रूबिन उईके, सोहेब खान, आदि उपस्थित रहे ।

लघु नाटिका से ऊर्जा संरक्षण को बताया

ऊर्जा साक्षरता पर पी.जी. कॉलेज में हो रही विभिन्न गतिविधियां

छिंदवाड़ा। शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा प्राचार्य डॉ. पी. आर चंदेलकर के मार्गदर्शन में ऊर्जा साक्षरता क्लब प्रभारी डॉ. जे. के डोंगरे एवं सह-प्रभारी डॉ शालिनी पाटिल के नेतृत्व में 27 अप्रैल को निबंध प्रतियोगिता और 1 मई को लघुनाटिका का आयोजन किया गया। प्रोफेसर महेंद्र साहू द्वारा निर्देशित इस लघु नाटिका का विषय था कब जागोगे जिसमें नाटक के द्वारा छोटी छोटी लापरवाहियों को उजागर किया गया जिनसे ऊर्जा की बरबादी होती है, नाटिका के अंत में सभी पात्रों और अन्य विद्यार्थियों ने ऊर्जा सरंक्षण की शपथ ली और एनर्जी लीडर्स डॉ लक्ष्मीकांत चंदेला, डॉ. निधि डोडानी, डॉ. सोसन्ना लाल एवं प्रो. महेंद्र साहू ने विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक ऊर्जा संरक्षण की जानकारी पहुंचाने और लोगो को ऊर्जा साक्षर बनाने हेतु प्रेरित किया। ऊर्जा साक्षरता संयोजक डॉ. जे. के डोंगरे ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी एनर्जी लीडर प्राध्यापको एवं एन.एस.एस. स्वयंसेवकों एवं एन.एस.एस अधिकारी डॉ. जगमोहनसिंह पूषाम का साधुवाद किया।

लाडली लक्ष्मी उत्सव मनाया

परासिया । कोयलांचल क्षेत्र परासिया के आंगनवाड़ी केन्द्र वार्ड नम्बर 15 परासिया में लाडली लक्ष्मी उत्सव मनाया गया । वार्ड की लाडली बेटियों को आंगनवाड़ी केन्द्र में पैर धुलाया गया । तिलक लगाया गया । पुष्प वर्षाह्न की गई एवं आरती उतार कर स्वागत किया गया । सभी उपस्थित लाडली लक्ष्मी बेटियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में वार्ड की लडलिया उपस्थित रही । कुमारी धनुषा सातनकर अवनी धुर्वे मेहक डेहरिया सृष्टि मालवी जीनत शिवानी खुशी शानवी काव्या धुर्वे आराध्या तिवारी अभि धुर्वे अंश प्रिंसी अयांश एवं वार्ड की महिलाएं उपस्थित थी ।

कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष बने गुंजन शुक्ला

कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी घोषित

छिन्दवाड़ा । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व जिले के सांसद नकुलनाथ के निर्देशानुसार कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी घोषित की गई है। कांग्रेस संगठन में सक्रिय व सहकारिता क्षेत्र के अनुभवी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को विभिन्न पदों की जिम्मेदारी सौंपी गई है साथ ही उनसे यह अपेक्षा भी की है कि वे समय-समय पर सौंपे जाने वाले दायित्वों का अपेक्षानुसार निर्वहन करेंगे। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे से चर्चा के उपरांत जिला कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष अशोक तिवारी के द्वारा कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ का विस्तार करते हुये नवीन कार्यकारिणी में निष्ठावान पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को मनोनीत किया है। जिला कांग्रेस द्वारा जारी सूची निम्नानुसार है। जिला कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ में अशोक तिवारी जिला अध्यक्ष, चंद्रशेखर सांभरतोड़े कार्यकारी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष पद पर गुंजन शुक्ला, अरूण घोंघे, जगन देशमुख, मुन्ना पवार उर्फ गिरजेश पवार, ज्यारत खान नियुक्त किये गये हैं। महामंत्री पद की जिम्मेदारी तीरथ सिंह ठाकुर, लाल साहब जमालउद्दीन, अज्जू ठाकुर, सुनील जुनुनकर, डॉ लक्ष्मण साहू व प्रीतम सिंग पटेल को सौंपी है। सचिव पद की जिम्मेदारी भीम सूर्यवंशी को सौंपी है।अजय सक्सेना, अशोक वैद्य, गेंदलाल डिगरसे, राजकुमार मिश्रा, संतोष पटेल, नरेश राय, नरेश साहू, रघुवीर मोहने, बाजीलाल कुमरे, मनोहर पटेल, भेमराज ठाकरे व किशोर डोंगरे को जिला कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ में सदस्य मनोनीत किया है।जिला कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ में ब्लॉक अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपते हुये छिन्दवाड़ा ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रशेखर अल्डक, मोहखेड़ ब्लॉक अध्यक्ष राधेलाल साहू, बिछुआ ब्लॉक अध्यक्ष देवाराम पहाड़े, तामिया ब्लॉक अध्यक्ष संतोष मिश्रा, पांढुर्ना जगन देशमुख, सौंसर अशोक वैद्य, जुन्नारदेव शंकर कुमरे, चौरई (चांद) संजय जैन, अमरवाड़ा खुशनयन सूर्यवंशी, हर्रई अशोक यादव व परासिया ब्लॉक अध्यक्ष पद पर हरिप्रसाद यदुवंशी (गुड्डा) को मनोनीत किया है।

नॉलेज एटीट्यूड प्रैक्टिस बेसलाइन सर्वे, पांच बूथ के 100 घरों का किया सर्वे

छिंदवाडा । भारत निर्वाचन आयोग एवं कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश व कलेक्टर, जिला निर्वाचन अधिकारी छिंदवाड़ा श्रीमती शीतला पटले के निर्देशानुसार एवं ज्वाइंट कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर एवं छिंदवाडा एसडीएम श्री अतुल सिंह के मार्गदर्शन में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. पी.आर.चंदेलकर के संरक्षण एवं जिला नोडल अधिकारी डॉ.जगमोहन सिंह पूषाम के नेतृत्व में मतदान प्रतिशत कम वाले 20 बूथों पर पी जी कॉलेज एनएसएस इकाई के छात्र बेसलाइन सर्वेक्षण कार्य कर रहे है, नोडल अधिकारी डॉ. पूषाम ने बताया कि छात्रों के छः ग्रुप बनाये गये है, प्रत्येक ग्रुप में पांच एनएसएस छात्र है। आज प्रथम दिवस सर्वेक्षण कार्य बूथ क्रमांक 264, 249, 263, 243, 224 के 100 घरों का सर्वे किया गया। बेसलाइन सर्वे कार्य में मुख्य रूप से छात्र कैंपस एंबेसडर चंचलेश डेहरिया, छात्रा कैंपस एंबेसडर प्राची चेचकर, नीलेश ब्रम्हने, रेशमी उईके, ललित साहू, लोकेश सनोडिया, दीपिका बंदेवार, आदिल मंसूरी, शिवम प्रजापति, विवेक सरेयाम, अर्जुन, हर्षिता, राजेश्वरी, ओमशंकर ठाकुर, अभिषेक विश्वकर्मा, अंकित सराठे, उज्जवलदीप चौहान, दिव्यांश दुबे, मुस्कान मथारे, आकांक्षा शुक्ला, शिवानी खोबडिया, प्रियंका बट्टी आदि रहें है।

अनुकंपा नियुक्ति दिलाने, सीमाकंन व बंटवारा करने, नक्शा में सुधार करने, सड़क निर्माण करने की मांग

जनसुनवाई में कलेक्ट्रेट में सुनी 130 आवेदकों की समस्याएं

छिन्दवाड़ा । आम नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई की जाती है और संबंधित विभाग के अधिकारियों से इन समस्याओं का त्वरित निराकरण कराया जाता है। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मार्गदर्शन में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर ने जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में 130 आवेदकों की समस्यायें सुनी। इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये आवेदकों ने सामूहिक और व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये । जनसुनवाई में मुख्य रूप से अनुकंपा नियुक्ति दिलाने, सीमाकंन व बंटवारा करने, नक्शा में सुधार करने, सड़क निर्माण करने, भूमि का कब्जा दिलाने व आवासीय पट्टा प्रदाय करने, आर्थिक सहायता दिलाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने की व्यवस्था भी की गई थी । संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ठाकुर ने विभिन्न आवेदनों में तत्काल प्रकरण नोट कराते हुए तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्राम कोसमी की सुश्री अतरवती डेहरिया ने समग्र स्वच्छता अभियान के अंतर्गत शौचालय बनाने, ग्राम मुजावरमाल के श्री अजाबराव पवार ने भुडकुम ढाना में बिजली की व्यवस्था कराने, ग्राम चिमटीपुर की श्रीमती दसरी खमरिया ने शिक्षक पद पर नियुक्ति दिलाने, ग्राम मदनपुर के श्री आशीष नरवरे ने वर्षा के पानी की निकासी नहीं होने से फसल नुकसानी पर मुआवजा राशि दिलाने, ग्राम कबरपिपला के श्री गोकुली बेलसरे ने पैतृक भूमि का बंटवारा करने, ग्राम बोरिया की श्रीमती रामरती बाई रघुवंशी ने भूमि का सीमांकन कराने, ग्राम रजाड़ा की श्रीमती मक्खी बाई साहू ने राजस्व भू-अभिलेख रिकॉर्ड में आवेदिका का नाम दर्ज कराने, छिंदवाड़ा नगर के सर्रा बिजलीटोला क्षेत्र के भूमिहीन हितग्राहियों ने अनाधिकृत अतिक्रमण हटाकर पट्टा देने, श्री अभिषेक डेहरिया ने अनुकंपा नियुक्ति दिलाने, श्री सुम्मीलाल सिंगरोला ने प्रधानमंत्री आवास योजना की दूसरी किश्त दिलाने आदि के आवेदन प्रस्तुत किये।

छात्राओं को फिजिकल एक्टिविटी और सेल्फ डिफेंस प्रैक्टिस कराई

छिंदवाड़ा । शाम 5:00 बजे से शाम 6:30 बजे तक स्थानीय पुलिस ग्राउंड में आयोजित निशुल्क प्रशिक्षण का सातवा दिन रहा बड़ी संख्या में छात्र एवं छात्राओं ने इस 1 माह तक चलने वाले निशुल्क प्रशिक्षण में हिस्सा लिया फिजिकल ट्रेनिंग में रनिंग की की प्रैक्टिस नीरज कुलतिया सर राजेंद्र शाह ऊईके, सागर पवार सर द्वारा कराई गई इसके बाद स्क्रीचिंग की प्रैक्टिस राजेंद्र सर द्वारा कराई गई इसके बाद कबड्डी कुमारी पूजा सरेआम द्वारा कबड्डी की प्रैक्टिस कराई गई इसके पश्चात कराटे की प्रैक्टिस पलक सर एवं मोनिका मैडम द्वारा कराया गया यह प्रशिक्षण लगातार जारी है और यहां 1 माह तक स्थानीय पुलिस ग्राउंड में जारी रहेगा इसमें मुख्य रूप से छात्र एवं छात्राओं को फिजिकल एक्टिविटी के साथ-साथ सेल्फ डिफेंस की तैयारी भी निशुल्क कराई जा रही है यह प्रशिक्षण ठाकुर विश्वेंद्र सिंह बैस के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया है जिस किसी छात्र या छात्रा कोई प्रशिक्षण नहीं कर रहा है वहां इसमें पुलिस ग्राउंड में शाम 5 बजे आकर प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त कर सकते हैं ।

कमलनाथ व नकुलनाथ 7 मई को आयेंगे

चार दिवसीय प्रवास पर छह जनसभा सहित अन्य कार्यक्रमों में होंगे सम्मिलित

छिन्दवाड़ा । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व सीएम कमलनाथ व जिले के सांसद नकुलनाथ का चार दिवसीय प्रवास पर छिन्दवाड़ा आगमन होगा। नेताद्वय छिन्दवाड़ा प्रवास के दौरान छह जनसभाओं में सम्मिलित होने के साथ ही अन्य आयोजनों में हिस्सा लेंगे। पूर्व सीएम कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ का 7 मई को छिन्दवाड़ा आगमन होगा। नेताद्वय 10 मई तक छिन्दवाड़ा प्रवास पर रहेंगे।

सांसद कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 7 मई को प्रातः 10 बजे पूर्व सीएम कमलनाथ का छिन्दवाड़ा आगमन होगा। आगमन उपरांत वे प्रातः 10.30 बजे सिवनी जिले के ग्राम उदेपानी में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम समापन के पश्चात दोपहर 1.05 बजे शिकारपुर आगमन होगा। तत्पश्चात वे जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रम में उपस्थित होंगे। वहीं सांसद नकुलनाथ का दोपहर 4.35 बजे नागपुर आगमन उपरांत सांय 6.30 बजे छिन्दवाड़ा आगमन होगा।

दिनांक 8 मई को पूर्व सीएम कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ प्रातः 11 बजे अमरवाड़ा व सिंगोड़ी ब्लॉक के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की आयोजित बैठक में सम्मिलित होंगे। दोपहर 12.15 बजे नेताद्वय बटका ब्लॉक के ग्राम कामठी में आयोजित कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक में सम्मिलित होंगे, तदोपरांत वे 1.40 बजे झिरना में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित होंगे। दोपहर 2.30 बजे नेताद्वय का शिकारपुर आगमन होगा, तदोपरांत श्री कमलनाथ जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। वहीं सांसद नकुलनाथ दोपहर 3.15 बजे नांदनवाड़ी ब्लॉक के ग्राम बोरपानी में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे इसके पश्चात वे सौंसर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मोहखेड़ ब्लॉक के ग्राम सारंगबिहरी में 4.30 बजे आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। सांय 5.40 बजे शिकारपुर पहुंचेंगे। रात्रि 8.40 बजे कमलनाथ चौरई के कुण्डा ग्राम में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। सांसद नकुलनाथ रात्रि 8.50 बजे सौंसर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। दिनांक 9 मई को पूर्व सीएम कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ का दोपहर 12.30 बजे परासिया आगमन होगा जहां वे नारी सम्मान योजना का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम पश्चात 1.40 बजे नेताद्वय का शिकारपुर आगमन होगा, तदोपरांत कमलनाथ जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रम में शामिल होंगे। दोपहर 3 बजे सांसद नकुलनाथ राजीव भवन में युवक कांग्रेस व एनएसयूआई के पदाधिकारियों की बैठक में उपस्थित होंगे। सांय 5.10 बजे से नकुलनाथ जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में उपस्थित होंगे।

मुख्यमंत्री के साथ पर्यावरण का संदेश देने साईकिल यात्रा पर निकले समूह ने किया पौधरोपण

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में आम ,जामुन और पीपल के पौधे लगाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ बकरी छाप एग्रो टूरिज्म के संस्थापक श्री रुपेश राय ने पौधे रोपे । श्री राय चेंज बिफोर क्लाइमेट चेंज के संदेश के साथ देश की साइकिल यात्रा पर निकले हैं ।उन्होंने यात्रा में अब तक 120 पंचायतों में पीपल और बरगद के पौधे लगाएं हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ रिटायर्ड कर्नल एम. के. त्यागी तथा दीपक दुबे, अभिनव तिवारी, राहुल मंडल, राकेश अर्गल, राहुल अर्गल ,सुश्री ममता तथा सोनम अर्गल ने पौधे लगाए। श्री चौहान के साथ सामाजिक कार्यकर्ता दीपक सोलंकी, विजय कुमार, तुषार सोलंकी, डॉक्टर देवीराम नरवरे और राधेश्याम पट्टाया ने भी पौधरोपण किया।

द बुद्धिस्ट सोसाइटी आफ इंडिया द्वारा पांच दिवसीय श्रामणेर शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

एसडीआरएफ के नए जवानों के लिए बड़ी झील में प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है।

पुस्तक समीक्षा

सूर्यांश का प्रयाण: महेश श्रीवास्तव

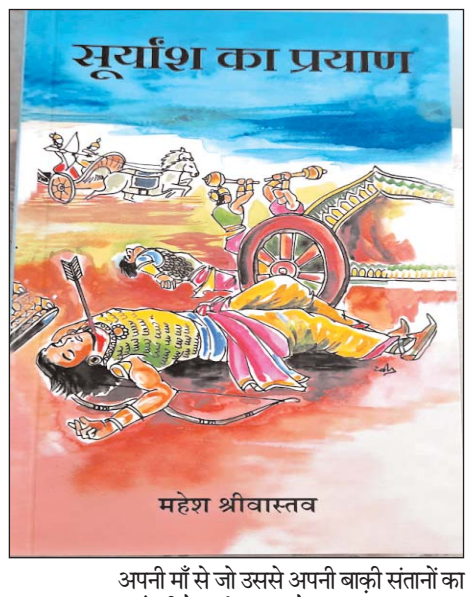

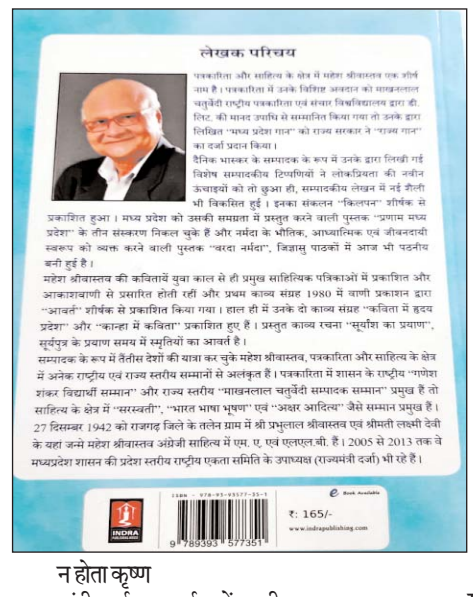

पत्रकारिता और साहित्य की दुनिया में महेश श्रीवास्तव जी के नाम से भला कौन परिचित ना होगा। एक समय में दैनिक भास्कर जैसे अख़बार उनकी संपादकीय पढ़ने के लिए ख़रीदे जाते थे। पत्रकारिता और साहित्य के क्षेत्र में अनेक सम्मानों से विभूषित महेश जी की यह काव्य रचना सूर्यांश का प्रयाण मृत्यु के पूर्व कर्ण के मन की अंतर्दशा का चित्रण है। कर्ण जैसे विराट व्यक्तित्व पर महाभारत के महाकाव्य के बाद भी अनेक रचनाएँ हुई हैं, जिनमे शिवाजी सावंत की मृत्यंजय भी है, जो यूँ तो मूलतः मराठी भाषा में है परंतु इसका हिन्दी अनुवाद भी अत्यन्त लोकप्रिय हुआ है ।

शिवाजी सावंत की पुस्तक गद्य में है और कर्ण के जीवन वृत्त का संपूर्ण आवृत है , जबकि महेश श्रीवास्तव जी की पुस्तक में कर्ण के प्रयाण के पूर्व की मनोदशा का वर्णन है। कहते हैं मृत्यु के समय इंसान की आँखों के सामने उसके जीवन के संपूर्ण यात्रा का एक कथा चित्र सा घट जाता है, संभवतः इसी धारणा के चलते मृत्यु के द्वार पर खड़े कर्ण के मन में उसके जीवन से जुड़े पात्रों के प्रति उसका यह संवाद मानो उसके उन उदगारों का कथारूप है जो वो प्रत्यक्ष नहीं कह पाया।

महेश जी के इस काव्य संग्रह की भाषा और उसका स्वरूप अत्यंत सहज और मर्मस्पर्शी है। कुंती से अपनी बात कहते कर्ण कहता है-

करोड़ों बार जन्मे कर्ण
जन्मे और मर जाये
अगर माँ को मिले सुख
और माँ निर्दोष कहलाये ।

अपनी माँ से जो उससे अपनी बाक़ी संतानों का अभय माँगती है कर्ण कह रहा है,

शिविर ख़ाली करो
तुम लौट जाओ वृद्ध काया
शिविर ख़ाली करो
तुम लौट जाओ राजमाया

और देखिए कि कृष्ण का स्मरण के बहाने अध्यात्म और दर्शन की झलक,

यही लगता कन्हैया कष्ट में भी त्राण देता है
कभी लगता कि उसका छल छलावे का निवारण है
कहीं आभास होता कार्य कटु उसका, कहीं टेढ़ा
मगर सबमें कहीं है मुक्ति, सबमें कोई कारण है ।
न होता कृष्ण
कुंती कर्ण का स्पर्श क्यों करती
गहन संकोच में ही उम्र रेगिस्तान में कटती ।

द्रौपदी के प्रति कर्ण के मन एक पीड़ा है कि उसने सूत पुत्र कह कर उसे मत्स्य वेध नहीं करने दिया था और अपराध बोध है कि उसके वस्त्र हरण पर वह दरबार में मूक रहा आया । इस अंतर्द्वंद का बड़ा सुंदर चित्रण उभरा है ।

मृत्यु के क्षण में क्षमा क्या दण्ड क्या
प्राण तब तक अर्थ दोनों के रहे
हो चुका जो अनहुआ होता नहीं
लौटते कब जो समय में बह गये ।

द्रौपदी के अंतर्मन की व्याख्या भी बड़ी सुंदर है ,

हाँ किए स्वीकार मैंने पाँच पति
देह मन मेरे मुझे अधिकार है
धर्म सत्ता सब पुरुष के पक्षधर
स्त्री द्रोही नियम अस्वीकार हैं ।

युद्ध जो कर्ण के जीवन कि ध्येय ही बन गया था , उस पर कर्ण कहता है ,

युद्ध किसका और किससे
जो लड़ा हो युद्ध खुद से
मृत्यु कैसी
जो जिया हो मृत्यु को
जीवन सुबह से ।

कर्ण जिसका नाम ही दान का पर्याय माना जाता है वह दान की व्याख्या कैसे कर रहा है , बानगी देखें,

आह,
लेकिन कौन किसको दे सका भिक्षा
सका दे दान
सबकी देह भिक्षा पात्र
सबके प्राण भिक्षा ।

मृत्यु के समय इंसान को जैसे दिव्य ज्ञान हो गया हो , कर्ण कह रहे हैं ,

जब भी देखा लगा स्वयं तुम चमत्कार हो
सम्मोहन का मंत्र मुक्ति के सिंहद्वार हो
तुम अनंत के छंद देह होकर विदेह हो
मुग्ध चेतना में जैसे तुम आर पार हो ।

महेश जी की यह पुस्तक उन लोगों के लिये उपहार है जो इतिहास, अध्यात्म, धर्म और साहित्य के प्रति अनुराग रखते हैं ।

प्रकाशक- इंदिरा प्रकाशन भोपाल, अमेजॉन और फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध

समीक्षक- आनंद शर्मा, रिटायर्ड आईएएस।

2022 बैच के 8 आईएएस की सहायक कलेक्टर के रूप मे पदस्थापना

भोपाल। मध्यप्रदेश संवर्ग को आवंटित भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2022 बैच के 8 परिवीक्षाधीन अधिकारियों को लाल बहादुर शास्त्री, राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में प्रथम चरण के प्रशिक्षण समाप्ति पर राज्य में प्रशिक्षण के लिए उनके नाम के सामने दर्शाये जिलों में सहायक कलेक्टर के पद पर पदस्थ किया गया है।

एश्वर्य वर्मा को बैतूल, रविकुमार सिहाग को मण्डला, आशीष को , सिवनी, कार्तिकेय जायसवाल को छतरपुर, विशाल धाकड़ को धार, सुश्री सोनाली देव को रीवा, अर्पित गुप्ता को सीहोर तथा सुश्री तनुश्री मीणा को छिंदवाड़ा का सहायक कलेक्टर पदस्थ किया गया हैं। उपर्युक्त अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री, राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में प्रथम चरण के प्रशिक्षण के बाद दिन 12 मई को अपरान्ह में कार्यमुक्त होने पर कार्यभार ग्रहण अवधि का उपभोग करने के उपरान्त पदस्थापना के जिले में कार्यभार ग्रहण करेंगे।

रिटायर्ड डीजीपी विवेक जौहरी एनएचपीसी में भ्रष्टाचार पर लगाएंगे लगाम

भोपाल। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पद से एक साल पहले रिटायर हुए विवेक जौहरी का पुर्नवास हुआ है। उन्हें एनएचपीसी लिमिटेड में बहुत ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। उन्हें यहां पर भ्रष्टाचार, रिश्वत और किसी भी अन्य अनैतिक गतिविधियों को रोकने का काम करना होगा। वे एनएचपीसी में स्वतंत्र मॉनिटर बनाए गए हैं। उनका कार्यकाल तीन साल का होगा। उनकी नियुक्ति दो दिन पहले इस पद पर हुई है।

बताया जाता है कि यह तीन साल की अवधि का स्वैच्छिक और गैर वेतन वाला पद है। हालांकि इस पद पर जौहरी को निदेशकों के समान लाभ मिलेंगे। नियमों के अनुसार उनके पास प्रशासनिक और प्रवर्तन उत्तरदायित्व नहीं होंगे, लेकिन वे सीवीसी जैसे अन्य भ्रष्टाचार विरोधी संस्थाओं के साथ समन्वय करेंगे। गौरतलब है कि विवेक जौहरी मध्य प्रदेश में डीजीपी का दो साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद पिछले साल मार्च में पद मुक्त हो गए थे।

नगर निगम के ट्रक ने शासकीय आवास की तोड़ी दीवार

भोपाल। नगर निगम के पिग स्क्वाड वाहन ने मंगलवार को माता मंदिर क्षेत्र में प्लेटिनम प्लाजा के पीछे शासकीय आई टाइप के आवास में घुस गया। जिससे बड़ी दुर्घटना होने से बच गई लेकिन मकान की दीवार और दरवाजा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। यह क्षेत्र नगर निगम के वार्ड 32 जोन 7 के अंतर्गत आता है। 1 मई दोपहर लगभग 3 बजे नगर निगम का पिग वाहन सीपीसी 8163 तेज रफ्तार के साथ सरकारी आवास आई-53/13 साउथ टीटी नगर में घुस गया जिससे मकान की बाउंड्री और गेट क्षतिग्रस्त हो गया। वह तो ठीक यह रहा कि आवास में रहने सदस्य उस वक्त घर के अंदर थे। जिससे बड़ी घटना होने से टल गई। उक्त आवास में स्वास्थ्य विभाग सतपुड़ा भवन में पदस्थ शिवम शर्मा रहते हैं और विभाग की सीएम हेल्प लाइन का कार्य देख रहे हैं। शिवम शर्मा ने बताया कि हम लोग 2 दिन से परेशान हो रहे है। निगम के पिग वाहन के चालक शोयब ने इस क्षतिग्रस्त कार्य को जल ठीक करवाने का आश्वासन दिया था लेकिन अब कोई मदद नहीं कर रहा। वहीं वाहन चालक अब पीड़ित का फोन भी नहीं उठा रहा है। नगर निगम के जिम्मेदारी अधिकारियों को इस पर उचित कार्रवाई कर रहवासी का जो नुकसान हुआ है उसको राहत पहुंचाई जाए।

श्री रामचंद्र पथ गमन न्यास बनेगा विभागों के बीच करेगा समन्वय

भोपाल। भगवान श्री राम ने वनवास के दौरान मध्य प्रदेश के जिन स्थानों से पथ गमन किया था, उनका विकास सरकार करेगी। इसके लिए श्री रामचंद्र पथ गमन न्यास का गठन किया जाएगा, जिसके अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे। न्यास राम पथ गमन मार्ग के स्थानों को चिह्नित कर उनके विकास कार्य की निगरानी करेगा। निर्माण विभागों के बीच समन्वय का काम भी न्यास ही देखेगा। इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय गुरुवार को मंत्रालय में होने वाली कैबिनेट बैठक में लिया जाएगा। इसके अलावा कृषक उत्पादक संगठन के गठन, आयुक्त भू-अभिलेख कार्यालय और प्रमुख राजस्व कार्यालय को एक करने सहित अन्य प्रस्तावों पर विचार किया जाएगा।

चकरावदा टोल पर नकाबपोश गुंडों का गदर , दो एम्बुलेंस सहित 5 वाहनों, टोल केबिन में तोड़फोड़

उज्जैन । उन्हेल रोड स्थित ग्राम चकरावदा के समीप बने उज्जैन-जावरा टोलवेज प्रा.लि. के टोल पर सोमवार-मंगलवार देर रात 3-4 कार में सवार होकर आए एक दर्जन से अधिक हथियार बंद बदमाशों ने मारपीट एवं तोड़फोड़ की है। एकमत बदमाशों ने दो एम्बूलेंस सहित 5 वाहनों में तोड़फोड़ की।साथ ही टोल पर खडे यात्री वाहनों में भी नुकसान किया है। इस दौरान यहां काम करने वाले कर्मचारियों ने भाग कर अपनी जान बचाई। सोमवार-मंगलवार देर रात 2.20 बजे के आसपास चकरावदा टोल पर कारों में सवार होकर आए बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाया। टोल पर करीब आधा घंटा तक गदर किया गया। हाथों में डंडे, लोहे के पाईप और रॉड लेकर आए बदमाशों ने टोल के सभी कैबिन और उसमें रखे सभी सामान को तोड़फोड़ दिया। यहां पार्किंग में खड़ी दो एम्बुलेंस और अन्य 5 वाहनों के सभी कांच फोड़कर वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। हमला करने के बाद बदमाश कारों में सवार होकर वापस उन्हेल रोड की ओर भाग निकले। टोल कर्मचारियों के अनुसार चकरावदा टोल पर हमले के पहले बदमाशों ने इसी कंपनी के जावरा टोल पर भी हमला किया था। वहां पर भी जमकर तोड़फोड़ कर नुकसान किया गया था। वहां तैनात कर्मचारियों को शंका थी कि बदमाश चकरावदा टोल पर भी हमला कर सकते है। इसकी सूचना चकरावदा टोल पर भी आई थी। यहां से कर्मचारियों ने डायल 100 को भी सूचना दे दी थी। लेकिन डायल 100 पहुंचने के पहले ही बदमाश आ गए और जमकर तोड़फोड़ कर भाग निकले। उक्त मामले में भेरूगढ़ थाना पुलिस को शिकायत की गई हैं।

अवैध कालोनी पर चला प्रशासन का बुलडोजर, पक्के निर्माणों को किया ध्वस्त

भोपाल। राजधानी में बैरागढ़ तहसील के पलाशी क्षेत्र में मंगलवार को अवैध कालोनी पर जिला प्रशासन और नगर निगम अमले ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया है। यहां पर जमीन के मालिकों द्वारा बिना किसी अनुमति के ही अवैध कालोनी विकसित कर प्लाट बेचे जा रहे थे। कार्रवाई के दौरान एसडीएम बैरागढ़ मनोज उपाध्याय, नगर निगम बिल्डिंग परमिशन शाखा के अधिकारी अमित दुबे आदि मौजूद थे।

नगर निगम के अतिक्रमण प्रभारी नासिर खान ने बताया कि करोंद के पास पलासी में कुछ लोगों द्वारा लगभग 15 एकड़ जमीन में अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी। इनके द्वारा बिल्डिंग परमिशन सहित अन्य कोई भी अनुमति नहीं ली गई थी और लोगों को मनमर्जी के दाम पर प्लाट बेचे जा रहे थे। यहां पर पक्के निर्माण तक कर लिए गए थे। इससे निशातपुरा थाना पुलिस बल की मौजूदगी में मंगलवार को पांच अलग-अलग जमीनों पर जेसीबी से पक्के निर्माण तोड़ने की कार्रवाई की गई है। यहां पर करीब एक घंटे अतिक्रमण रोधी कार्रवाई चली। इस दौरान जेसीबी की मदद से पक्के निर्माण और सड़क को भी तोड़ दिया गया।

भांग औषधियों के बंद 16 कारखानों को चालू कराने के लिए शपथ पत्र

इंदौर। अवैध भांग के खिलाफ लगातार कार्रवाई से भांग मुनक्का औषधि बनाने की आड़ में अवैध भांग का धंधा करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। कलेक्टर ने भी शिकायत मिलने के बाद तत्काल कार्रवाई कर इन 16 फैक्ट्रियों को सील करवा दिया था, जो आज भी सील हैं। लेकिन, आश्चर्य इस बात का कि इसके बाद भी अवैध भांग का काम जारी है।

अब भांग मनुक्का औषधि बनाने वालों ने अपनी फैक्ट्री चालू करवाने के लिए नया तरीका ढूंढ निकाला। उन्होंने भांग मिश्रित औषधि नहीं बनाने का शपथ पत्र पेश करते हुए फैक्ट्रियों को खोलने का आग्रह किया है। आबकारी विभाग सूत्रों के मुताबिक भांग और भांग मिश्रित औषधि बनाने वाले अपनी बंद फैक्ट्रियों के संचालक ने यह उल्लेख करते हुए कि उनकी फैक्ट्रियां काफी समय से सील कर दी गई हैं। लेकिन, काम बंद होने के बाद भी उन्हें कर्मचारियों को वेतन आदि का भुगतान करना पड़ रहा है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति खराब होती जा रही है। शपथ पत्र में कहा गया कि ऐसे में वे अन्य कारोबार शुरू करना चाहते हैं और इसके लिए फैक्ट्री की जगह की जरुरत है। हम अब भांग मिश्रित औषधि का कोई भी काम नहीं करेंगे। इस आशय का शपथ पत्र कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। सूत्र बताते हैं कि उनके शपथ पत्र सह आवेदन पर कलेक्टर ने स्वीकृति भी दे दी। इसके बाद आबकारी विभाग ने फैक्ट्रियों को खोलने की कार्रवाई भी शुरू कर दी है। वो भी इस विश्वास पर कि वहां अब भांग से जुड़ा कोई काम नहीं होगा।

भांग औषधि की आड़ में क्या अवैध काम रुकेगा

भांग औषधि बनाने की आड़ में भांग का अवैध धंधा करने वालों की गुहार पर कलेक्टर ने स्वीकृति दे दी है, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या मात्र शपथ पत्र देकर ये फैक्ट्री संचालक अवैध भांग का धंधा बंद कर देंगे ! फैक्ट्री खोलने के बाद यदि इनकी फैक्ट्रियों से अवैध भांग पकड़ी जाती है, तो क्या आबकारी विभाग झूठा शपथ पत्र देने की कार्रवाई इन फैक्ट्रियों के संचालक के खिलाफ कर सकेगा। लेकिन, इसका जवाब तो आगे समय ही देगा। कानूनी जानकारों के मुताबिक झूठा शपथ पत्र देने पर 7 साल तक की जेल और भारी जुर्माना लगाए का प्रावधान है।